THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 296 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.2 2079 सोमवार, 9 जनवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दरक रहे घरों को तोड़ने की सिफारिश

जोशीमठ भू-धंसाव : पीएमओ में उच्चस्तरीय बैठक * प्रमुख सचिव, अफसर शामिल

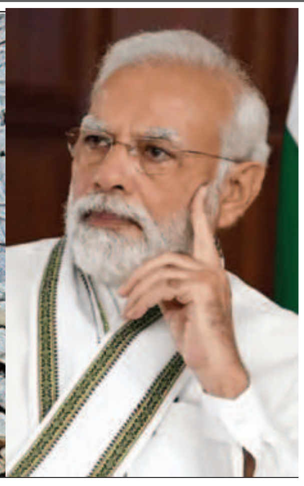

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। जोशीमठ भू-धंसाव मामले पर पीएमओ में हाई लेवल मीटिंग हो गयी है। इस बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने किया हैं। इस बैठक में कैबिनेट सचिव, केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के सदस्य भी शामिल हुए। इनके अलावा जोशीमठ जिला प्रशासन के अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस बैठक से जुड़े।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद कई निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, आईआईटी रुड़की, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी एंड सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट से कहा गया कि वे विशेषज्ञों की टीम के जरिए अध्ययन करें और सिफारिशें दें। सीमा प्रबंधन सचिव और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य कल उत्तराखंड का दौरा करेंगे और जोशीमठ की स्थिति का जायजा लेंगे।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव अध्यक्षता में समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य सचिव उत्तराखंड ने जोशीमठ से प्रधानमंत्री कार्यालय को जानकारी दी। पीके मिश्रा को जोशीमठ समीक्षा बैठक में अवगत कराया गया कि भारत सरकार की एजेंसियां और विशेषज्ञ लघु, मध्यम और दीर्घकालिक योजना तैयार करने में राज्य सरकार की सहायता कर रहे हैं। एनडीआरएफ की एक टीम और एसडीआरएफ की चार टीमें पहले ही जोशीमठ पहुंच चुकी हैं।

इस बीच जोशीमठ की जमीन में दरारें बढ़ती जा रही हैं। आपता प्रबंधन विभाग के सचिव रंजीत सिन्हा के नेतृत्व में आठ सदस्यीय विशेषज्ञ पैनल ने स्थिति का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट केंद्र और राज्य सरकार को भेज दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस रिपोर्ट में दरक रहे घरों को तोड़ने की सिफारिश की गई है। जोशीमठ के 25 प्रतिशत इलाके इस भू धंसाव से प्रभावित बताए जा रहे हैं। इमारतों और अन्य स्ट्रक्चर में नुकसान की तीव्रता का पता लगाने के लिए भी सर्वेक्षण चल रहा है।

वहीं जोशीमठ में जमीन धंसने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने इस मामले में याचिका दाखिल की है। याचिका में मांग की गई है कि प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता दी जाए और उनकी संपत्ति का बीमा करवाया जाए। याचिका में आदि शंकराचार्य ने कई ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों को नष्ट होने की आशंका भी जाहिर की है।

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी ने हाल ही में जोशीमठ का दौरा किया था और वहां उन्होंने प्रभावित लोगों से मुलाकात कर स्थिति का जायजा लिया था। वहीं राज्य के पूर्व सीएम हरीश रावत रविवार को जोशीमठ का दौरा करेंगे।

ऐसी खबरें आ रही हैं कि सोमवार को आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल भी जोशीमठ का दौरा कर सकता है।

जोशीमठ में भू-धंसाव की समस्या से लोग परेशान हैं, अब खबर आ रही हैं कि उत्तराखंड के कर्णप्रयाग में भी करीब 50 घरों में दरारें आ गई है। कर्णप्रयाग के बहुगुणा नगर में मौजूद घरों में यह दरारें आई हैं। इससे इलाके के लोग दहशत में हैं और उन्होंने प्रदेश सरकार से मदद की गुहार लगाई है।

पाकिस्तान की एक बार फिर हुई इंटरनेशनल बेइज्जती

इस्लामाबाद, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान इस समय खराब अर्थव्यवस्था से जूझ रहा है। लेकिन इस दौरान भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री झूठ बोलने से पीछे नहीं हट रहे हैं। इस बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ऐसा झूठ बोला है, जिससे एक बार फिर पाकिस्तान की इंटरनेशनल बेइज्जती हुई है। शहबाज शरीफ ने दावा किया था कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की एमडी क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने उन्हें फोन किया है। लेकिन अब आईएमएफ ने इस पर स्पष्टीकरण दिया है। आईएमएफ की ओर से कहा गया है कि दोनों के बीच फोन पर बात तो हुई, लेकिन शहबाज शरीफ के आग्रह पर क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने फोन किया था। आईएमएफ के रेसिडेंट प्रतिनिधि एस्तेर पेरेज ने कहा, यह कॉल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की ओर से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर चर्चा करने के अनुरोध पर की गई थी।

त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय में फरवरी में हो सकते हैं चुनाव

अगरतला, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयोग का 16 सदस्यीय दल विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए 11 जनवरी को त्रिपुरा पहुंचेगा। यह टीम नगालैंड और मेघालय जैसे चुनावी राज्यों का भी दौरा करेगी। आयोग फरवरी के दूसरे सप्ताह से पहले इन राज्यों में चुनाव कराने की योजना बना रहा है।

त्रिपुरा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी किरण गित्ते ने बताया, आयोग के दल में तीन चुनाव आयुक्त व 13 अन्य अधिकारी शामिल होंगे। 11 जनवरी को आयोग की टीम राजनीतिक दलों, चुनाव अधिकारियों और अन्य के साथ बैठक करेगी। इसके बाद 12 जनवरी को टीम मेघालय रवाना होगी। वहां शिलांग में 13 जनवरी को राजनीतिक दलों व अधिकारियों के साथ बैठक होगी। 14 जनवरी को टीम चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए नगालैंड जाएगी।

माना जा रहा है कि दिल्ली लौटकर आयोग त्रिपुरा, मेघालय व नगालैंड के लिए चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा कर सकता है। आयोग फरवरी के दूसरे सप्ताह से पहले इन राज्यों में चुनाव कराने की योजना बना रहा है, क्योंकि 15 फरवरी से सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

त्रिपुरा में मतदान बढ़ाने के लिए मिशन-929 :

त्रिपुरा में आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग ने कमर कसी है। मतदान को 90 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के लिए आयोग मिशन-929 पर काम करने जा रहा है। इसके लिए 929 मतदान

केंद्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि 2018 के विधानसभा चुनाव में इन बूथों पर 89 प्रतिशत से कम मतदान दर्ज किया गया था। अब मतदान बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान के अलावा, चुनाव अधिकारी वरिष्ठ नागरिकों और विकलांग व्यक्तियों से मिलेंगे और उनसे वोट डालने की अपील करेंगे।

सीएए के नियम बनाने के लिए 6 महीने का और वक्त मिला

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत नियम बनाने के लिए केंद्र सरकार ने 6 महीने का और समय मांगा था, जिसे राज्यसभा की कमेटी ने स्वीकार कर लिया है। वहीं लोकसभा कमिटी के फैसले का अभी इंतजार है। सूत्रों के मुताबिक गृह मंत्रालय ने कहा था कि नागरिकता संशोधन अधिनियम के लिए नियम बनाने के लिए छह महीनों की और जरूरत है, इसके बिना इसे लागू नहीं किया जा सकता। बता दें कि लगातार 7वीं बार गृह मंत्रालय को ये अतिरिक्त समय दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक राज्यसभा में अधीनस्थ विधान पर संसदीय समिति द्वारा सीएए नियमों को बनाने का समय पिछले वर्ष 31 दिसंबर तक और लोकसभा में अधीनस्थ विधान पर संसदीय समिति द्वारा 9 जनवरी 2023 तक बढ़ा दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्रालय ने 6 महीने का और समय मांगा है ताकि इसे लागू किया जा सके। राज्य सभा की कमेटी ने इसे स्वीकार कर लिया है और 30 जून तक का समय दिया है, वहीं लोकसभा कमेटी के फैसले का अभी इंतजार है।

बता दें कि नवंबर में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि कोरोना महामारी के चलते इस अधिनियम को लागू करने में कुछ देरी हुई है। सीएए देश का कानून है, जो लोग यह सपना देख रहे हैं कि सीएए लागू नहीं होगा, वह गलत हैं, यह जरूर लागू होगा।

नागरिकता संशोधन कानून 11 दिसंबर 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया था। इसे अगले ही दिन राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी। इसके बाद गृह मंत्रालय ने इसे अधिसूचित किया था। हालांकि, कानून अभी लागू होना बाकी है, क्योंकि सीएए के तहत नियम बनाए जाने अभी बाकी हैं। देश में इस कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में तकरीबन 83 लोगों की जान चली गई थी।

गौरतलब है कि सीएए के जरिए केंद्र सरकार बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिमों को भारतीय नागरिकता देना चाहती है। कानून के तहत इन समुदायों के जो लोग 31 दिसंबर 2014 तक भारत आए थे और जो वहां धार्मिक उत्पीड़न का सामना कर रहे थे, उन्हें अवैध प्रवासी नहीं माना जाएगा और उन्हें भारतीय नागरिकता दी जाएगी।

पार्थ और अर्पिता सात फरवरी तक रहेंगे न्यायिक हिरासत में

कोलकाता, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में आरोपों का सामना कर रहे पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी को सीबीआई की विशेष अदालत से कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। अब विशेष सीबीआई अदालत ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) भर्ती घोटाले के सिलसिले में राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की न्यायिक हिरासत सात फरवरी तक बढ़ा दी है। इतना ही नहीं, उनकी बेहद करीबी अर्पिता मुखर्जी भी सात फरवरी तक न्यायित हिरासत में रहेंगी। गौरतलब है कि मामले में आरोपों का सामना कर रहे पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी को बिचार भवन में सीबीआई की विशेष अदालत के समक्ष वर्चुअली पेश किया गया। इस दौरान पार्थ चटर्जी और अर्पिता की शिकायत के बाद अदालत ने प्रेसीडेंसी सुधार गृह (अलीपुर जेल) के अधीक्षक को उन्हें पर्याप्त दवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। साथ ही सीबीआई की मांग को देखते हुए अदालत ने दोनों की न्यायिक हिरासत में समयावृद्धि कर दी।

सीबीआई के वकीलों ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए और उनकी न्यायिक रिमांड के विस्तार की मांग करते हुए दावा किया कि जांच अभी शुरुआती चरण में है और उन्हें इस समय जमानत पर रिहा करने से जांच प्रभावित हो सकती है।

ईडी ने पहली बार पार्थ को किया था गिरफ्तार

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 23 जुलाई, 2022 को पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया था। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस ने चटर्जी को पार्टी के महासचिव सहित सभी पदों से हटा दिया था। साथ ही सीएम ममता बनर्जी ने उन्हें मंत्री पद से हटा दिया था। पूर्व मंत्री पार्थ ने 2014 से 2021 तक शिक्षा विभाग संभाला, इस दौरान राज्य के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति में घोटाला हुआ। सीबीआई भी मामले में भ्रष्टाचार की जांच कर रही है। जांच के सिलसिले में उनसे चटर्जी को भी गिरफ्तार किया था।

इससे पहले पार्थ चटर्जी ने दावा किया था कि ममता बनर्जी नीत पार्टी को कोई भी व्यक्ति किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा सकता। पार्थ की करीबी सहयोगी के आवास से नकदी, जेवर और संपत्ति दस्तावेज बरामद होने के बाद इस साल 23 जुलाई को उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

दो करोड़ के सोने के बिस्किट के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कोलकाता, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बीएसएफ के जवानों ने ढाका से कोलकाता आ रही एक बस से करीब दो करोड़ रुपए के सोने के बिस्किट के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बस के चालक और परिचालक को आगे की कार्रवाई के लिए कस्टम कार्यालय, पेट्रापोल को सौंप दिया गया।

145वीं वाहिनी के कमांडिंग ऑफिसर ने बताया कि दक्षिण बंगाल सीमांत के अंतर्गत आईसीपी पेट्रापोल, 145वीं वाहिनी के जवानों को खबर मिली की एक बस जोकि अगरतला से ढाका होती हुई कोलकाता आ रही है, उसमें सोने की तस्करी होने वाली है। कंपनी कमांडर ने एक सर्च पार्टी गठित की और बस को आईसीपी में रुकवाया। बस की तलाशी लेने पर उसके लगेज कंपार्टमेंट में 30 सोने की बिस्किट बरामद हुए। जवानों ने तुरंत बस चालक, परिचालक, बस और सोने को मौके पर जब्त कर लिया और आगे की पूछताछ के लिए आईसीपी में लेकर आए।

जब्त सोने के बिस्किट का वजन 3,499.14 ग्राम है और जिनकी अनुमानित कीमत 1,93,81,639 रुपए बताई जा रही है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मो. फरहद (बस चालक) और मो. अमर फारूक (परिचालक), बांग्लादेश के रूप में हुई।

पूछताछ में तस्करों ने बताया वे तस्करी में काफी दिनों से लिप्त हैं। ये बिस्किट उन्हें बांग्लादेशी तस्कर मो. कमल, निवासी ढाका ने दिए थे। उन्हें इसे मो. जमाल, निवासी न्यू मार्केट, कोलकाता को सौंपना था। पकड़े गए तस्करों और जब्त सोने को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए कस्टम कार्यालय, पेट्रापोल को सौंप दिया गया।

राजौरी आतंकी हमले में 18 लोग हिरासत में लिए गए

इसमें महिलाएं भी शामिल, हमले में मारे गए लोगों की संख्या 7 हुई

श्रीनगर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में हुए आतंकी हमले के मामले में पुलिस ने 18 लोगों को हिरासत में लिया है। इसमें कुछ महिलाएं भी शामिल हैं। राजौरी के एसएसपी मोहम्मद असलम ने इसकी पुष्टि की है। वहीं, रविवार को 1 जनवरी की शाम को हुई फायरिंग में घायल एक और युवक प्रिंस शर्मा की मौत हो गई। इसके बाद मरने वालों की संख्या 7 पहुंच गई है। इनमें 2 बच्चियां भी शामिल हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि राजौरी के डांगरी गांव में हुए आतंकी हमले के आरोपियों का पता लगाने के लिए सर्च ऑपरेशन चल रहा है। जांच और पूछताछ में हमें कुछ अहम सुराग मिले हैं। ऐसा लग रहा है कि राजौरी शहर के पास कुछ गांवों में आतंकी छिपे हुए हैं। जांच सही दिशा में चल रही है। जल्द ही इस हमले की गुत्थी सुलझ जाएगी।

हमले के बाद राजौरी में ग्राम रक्षा समिति का कैंप

हमले के बाद राजौरी जिले के कई गांवों में 5 जनवरी को ग्राम रक्षा समिति (वीडीसी) का कैंप लगाया गया।

इसमें उन लोगों के नामों की लिस्ट बनाई गई, जो वीडीसी का सदस्य बनना चाहते हैं। इन लोगों को एलएमजी जैसे आधुनिक हथियार दिए जाएंगे।

हमले के बाद डांगरी के सरपंच धीरज शर्मा ने बताया था कि क्षेत्र में एक ग्राम रक्षा समिति (वीडीसी) थी, लेकिन पुलिस ने 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों से हथियार ले लिए थे। उन हथियारों को फिर से अलॉट भी नहीं किया गया। अगर वीडीसी के लोगों के पास हथियार होते तो वे रविवार को आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देते।

क्या है विलेज डिफेंस कमेटी :

1990 के दशक में तत्कालीन जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पहाड़ी इलाकों में बढ़ते आतंकी हमलों के खिलाफ ग्राम सुरक्षा समिति का गठन किया गया था।

भारत-पाक सीमा पर किसानों की जमीन तारबंदी मुक्त होगी

200 मीटर आगे खिसकाए जाएंगे कंटीले तार, पठानकोट में ट्रायल शुरू

चंडीगढ़, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के सीमावर्ती किसानों की जमीन जल्द ही तारबंदी से मुक्त होगी। भारत-पाक सीमा पर फेंसिंग लाइन को आगे करने का पायलट प्रोजेक्ट पठानकोट क्षेत्र में शुरू कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय और बीएसएफ साढ़े 8 किलोमीटर के दायरे में पायलट प्रोजेक्ट का ट्रायल कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत अंतर्राष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए जीरो लाइन से 200 मीटर तक करने का प्लान है।

बता दें कि अभी यह कई जगह 400 मीटर से भी ज्यादा है। जबकि अंतर्राष्ट्रीय मानक 150 मीटर का है। पंजाब सरकार ने भी यह सुझाव दिया था कि इसे 200 मीटर तक कर लेना चाहिए। केंद्र और राज्य की सहमति से शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट सफल होता है तो सीमा क्षेत्र के किसानों को राहत मिलेगी।

तारबंदी के चलते अभी किसानों की काफी उपजाऊ जमीन या तो खाली पड़ी है या फिर किसान उस पर सीमित खेती कर रहे हैं। गृह मंत्रालय की बॉर्डर मैनेजमेंट विंग की टीम ने भी हाल में इंजीनियरों के साथ इस क्षेत्र का दौरा कर संभावनाओं का विश्लेषण किया है। गौरतलब है कि पंजाब सहित राजस्थान के कई सीमावर्ती क्षेत्रों में बरसों से किसान इस जमीन का उपयोग करने की मांग करते रहे हैं। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने भी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के समक्ष यह प्रस्ताव रखा था कि यदि केंद्र यह फैसला करता है तो हजारों किसानों को फायदा होगा।

केंद्रीय मंत्रालय यदि पायलट प्रोजेक्ट से संतुष्ट होता है तो तारबंदी आगे करने से किसानों की काफी जमीन बाहर हो जाएगी। किसानों को खेती करना बहुत आसान हो जाएगा। सुरक्षा और मजबूत होगी साथ ही बीएसएफ के लिए भी थोड़ी आसानी होगी। अभी बड़ी संख्या में जवान इस व्यवस्था में भी लगते हैं।

नक्शा मिलने के बाद हिटलर के खजाने के लिए लगी होड़

किसे मिलेगा 1.5 अरब रुपये का सोना और हीरे-जवहरात

एम्सटर्डम, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कहा जाता है कि दूसरे विश्व युद्ध के आखिरी दिनों में जब नाजी यूरोप छोड़कर भाग रहे थे तब चार जर्मन सैनिकों ने डच ग्रामीण इलाकों में कहीं पर बड़ा खजाना दफन कर दिया था। इसमें ढेर सारे सोने के सिक्के, गहने, हीरे, घड़ियां और अन्य बेशकीमती चीजें थीं। अब करीब 80 साल बाद उस खजाने को खोजे जाने की एक उम्मीद जागी है। नीदरलैंड के नेशनल अर्काइव्स ने कुछ दस्तावेज जारी किए हैं। इनमें एक नक्शा भी शामिल है जो उस खजाने तक पहुंचा सकता है।

अनुमान है कि खजाने में सिक्के, महंगी घड़ियां, आभूषण, हीरे और अन्य बेशकीमती रत्नों से भरे हथियारों के चार बक्से हो सकते हैं। माना जा रहा है कि आज के समय में इस खजाने का कुल मूल्य 15.85 मिलियन पाउंड (1.5 अरब रुपये से अधिक) के बराबर हो सकता है।

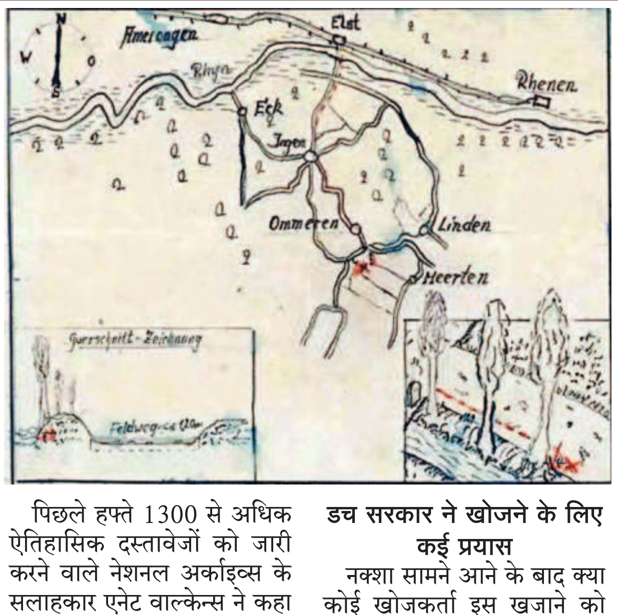

पिछले हफ्ते 1300 से अधिक ऐतिहासिक दस्तावेजों को जारी करने वाले नेशनल अर्काइव्स के सलाहकार एनेट वाल्केन्स ने कहा कि बहुत सारे शोधकर्ताओं, पत्रकारों और शौकिया पुरातत्वविदों को इसमें दिलचस्पी है और वे उत्साहित हैं।

डच सरकार ने खोजने के लिए कई प्रयास

नक्शा सामने आने के बाद क्या कोई खोजकर्ता इस खजाने को खोज पाएगा, देखना दिलचस्प होगा। द्वितीय विश्व युद्ध के दस्तावेजों के बीच एक मोटी फाइल नाजी खजाने को खोजने के लिए नीदरलैंड के असफल प्रयासों का जीता-जागता सबूत है। शोधकर्ताओं का मानना है कि खजाने को अप्रैल 1945 में दफनाया गया था जब जर्मन सैनिक भाग रहे थे। वाल्केन्स ने कहा कि उन्होंने खजाने को दफनाने का फैसला इसलिए लिया क्योंकि वे डरे हुए थे।

जर्मन सैनिक ने बनाया नक्शा

माना जाता है कि खजाना ओमेरेन में दफन किया गया था जिसे बाद में खोजने के कई प्रयास किए गए। डच सरकार ने इसकी तलाश के लिए एक नाजी अधिकारी को वापस बुलाया लेकिन यह कोशिश भी सफल नहीं हुई। विशेषज्ञ निश्चित नहीं हैं कि नक्शा किसने बनाया लेकिन वह मानते हैं कि एक जर्मन सैनिक ने इसे बनाया था। कुछ लोग कहते हैं कि खोजकर्ताओं ने खजाना पहले ही खोज कर निकाल लिया होगा लेकिन इसकी घोषणा नहीं की।

पोरबंदर से परशुराम कुंड तक की यात्रा का ड्राफ्ट तैयार!

दो अक्टूबर से शुरू करने की तैयारी

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण दो अक्टूबर से शुरू हो सकता है। दिसंबर के अंतिम सप्ताह में राहुल गांधी की जब भारत जोड़ो यात्रा रुकी तो इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इसके रूट का रफ ड्राफ्ट तैयार किया है। अभी तक की तय योजना के मुताबिक, इस यात्रा का रूट गुजरात के पोरबंदर से शुरू होकर अरुणाचल प्रदेश के परशुराम कुंड तक जाने का बन रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के मुताबिक लोकसभा चुनाव से पहले यह यात्रा पूरी होनी है।

सियासी गलियारों से लेकर पूरे देश में राहुल गांधी की पहली भारत जोड़ो यात्रा चर्चा में है। कांग्रेस पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेता कहते हैं कि यात्रा को मिल रहे अपार जन समर्थन के चलते हैं इसका विस्तार किए जाने की चर्चा हो रही है। जानकारी के मुताबिक, राहुल गांधी की दूसरी भारत जोड़ो यात्रा कब होगी और

कौन से रूट पर होगी इसको लेकर दिसंबर के आखिरी सप्ताह में पार्टी के बड़े नेताओं ने चर्चा की थी। उस बैठक में चर्चा के मुताबिक राहुल गांधी की यह यात्रा गुजरात के पोरबंदर से शुरू होकर अरुणाचल प्रदेश के परशुराम कुंड तक जाएगी।

पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि योजना के मुताबिक पोरबंदर से शुरू होने वाली यात्रा मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल से होते हुए पूर्वोत्तर के सभी राज्यों से गुजरकर अरुणाचल प्रदेश के सूरजकुंड पर समाप्त होगी। इस यात्रा को शुरू करने की तारीखों को लेकर के भी कुछ चर्चाएं हो रही है।

तीन दिन की बच्ची का मां ने ही रुमाल से घोंट दिया गला

बेटा चाहती थी महिला; गिरफ्तार

लातूर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के लातूर में एक महिला को कथित तौर पर तीन दिन की बेटी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गोटेगांव पुलिस ने कहा, महिला उस्मानाबाद की लोहारा तहसील के होली की रहने वाली है। उसे गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही और घटना की जांच जारी है। अधिकारियों ने बताया, अभी तक जांच में सामने आया है कि महिला की पहले से एक बेटी है और वह बेटा चाहती थी। दूसरी बार भी बेटी पैदा होने से वह परेशान हो गई और रुमाल से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। महिला ने कसार ज्वाला गांव के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बच्ची को जन्म दिया।

भारतीय दूतावास का एक फैसला और ईरान में फंस गया अफगानी नागरिक

भारत में परिवार दो साल से कर रहा इंतजार

तिरुवनंतपुरम, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय राज्य केरल में रहने वाले अफगानी परिवार के सदस्य अपने घर के बेटे की वापसी का दो साल से इंतजार कर रहे हैं लेकिन संभव नहीं हो पा रहा है। शख्स की नौ साल की लड़की भी है जो अपने पिता को लंबे समय से याद कर रही है और भारत सरकार से वापस लाने की गुहार लगा रही है। पीड़ित शख्स ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करने की लेकिन खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी के कारण अक्सर डिस्कनेक्ट हो जा रहा था।

जानें क्या है मामला?

दरअसल, केरल विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो गुलाबमीर रहमानी 2020 में अपने वीजा को नवीनीकृत करने और उस देश पर अपने पोस्ट-डॉक्टोरल शोध के संबंध में डेटा एकत्र करने के लिए अफगानिस्तान गए थे। दुर्भाग्य से उसके लिए, 2001 से वहां तैनात संयुक्त राज्य के सैनिकों ने 2020 में अपनी वापसी शुरू की और तालिबान ने देश पर कब्जा कर लिया। वीजा नवीनीकरण की नियमित कवायद को रहमानी के परिवार के लिए दुःस्वप्न में बदल दिया गया क्योंकि भारत सरकार ने भू-राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव को देखते हुए अफगानिस्तान में उन लोगों के वीजा रद्द कर दिए जो कि तालिबान शासन के बाद वहां फंस गए थे।

ईरान के रास्ते भारत आने का भी प्रयास रहा विफल

उन्होंने ईरान के रास्ते भारत आने का भी प्रयास किया, लेकिन यहां भी असफल हो गए और वीजा सुरक्षित करने के लिए लगभग एक साल से तेहरान में इंतजार कर रहे हैं। रहमानी ने कहा कि मेरा शोध विषय अफगानिस्तान से संबंधित था और मैं डेटा संग्रह के लिए वहां गया था। मुझे अपना वीजा भी नवीनीकृत करना पड़ा। हालांकि, अफगानिस्तान में राजनीतिक स्थिति बदल गई और मैं वहां फंस गया।

भारतीय दूतावास मुझे वीजा जारी करने से मना कर रहा: पीड़ित

रहमानी ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए कहा कि उन्होंने कहा कि मुझे ईरान का वीजा मिला और मैं वहां गया ताकि मैं वहां से भारत वापस जा सकूं। लेकिन मैं करीब एक साल से ईरान के तेहरान में फंसा हुआ हूं क्योंकि भारतीय दूतावास मुझे वीजा जारी करने से मना कर रहा है। ईरान से एक व्हाट्सअप कॉल पर समाचार एजेंसी पीटीआई से संपर्क किया, जो खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी के कारण अक्सर डिस्कनेक्ट हो जाता था। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर ग्लोबल एकेडमिक्स (सीजीए) के निदेशक प्रोफेसर साबू जोसेफ, जो रहमानी की दुर्दशा से अवगत हैं, ने कहा कि जहाज पर फंसे होने के दौरान, उनका परिवार, पत्नी और तीन बच्चे यहां कठिन समय से गुजर रहे थे।

रहमानी की पत्नी ने सुनाया दर्द

रहमानी की पत्नी, जमजामा, जो केरल विश्वविद्यालय से भौतिकी में पीएचडी कर रही हैं, ने पिछले दो वर्षों में अपने पति की अनुपस्थिति में अपनी पढ़ाई, घर के कामों और अपने बच्चों की ज़रूरतों का ख्याल रखने की कोशिश करते हुए उस कठिन परीक्षा का वर्णन किया। मैं कोरोना से संक्रमित हो गया और मुझे घर पर क्वारंटाइन होना पड़ा क्योंकि मेरे बच्चों की देखभाल करने वाला कोई नहीं था। मुझे घर के सारे काम करने पड़ते हैं, आवश्यकता पड़ने पर बच्चों को अस्पताल ले जाना पड़ता है, किराने का सामान खरीदने जाना पड़ता है, यह सब मुझे करना पड़ता है। मुझे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ खुद ही करना है मैं घर से शोध नहीं कर सकता क्योंकि मेरे पास प्रयोगशाला का काम भी है।

राज्यपाल बनने से खुश नहीं हूं

खुशी तब मिलती है, जब राजभवन में संन्यासी या मुमुक्षरत्न आते हैं

मुंबई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि राज्यपाल बनने के बाद वह नाखुश हैं और उन्हें लगता है कि वह सही जगह पर नहीं हैं। कोश्यारी ने कहा, मैं दुखी हूं, खुश नहीं हूं। उन्हें खुशी और सही जगह तभी महसूस होती है जब राजभवन में सन्यासी या मुमुक्षरत्न आते हैं। कोश्यारी ने ये बात जैन समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान कही। उन्होंने सरकार से भविष्य में तीर्थ उद्योग लगाने का अनुरोध भी किया। राज्यपाल ने कहा, मैं सरकार से 'पर्यटन मंत्रालय' की तरह एक तीर्थ मंत्रालय बनाने का अनुरोध करता हूं क्योंकि तीर्थ की अपनी गरिमा होती है। राज्य पर्यटन विभाग द्वारा शुक्रवार को राजभवन में 'पवित्र जैन तीर्थ दर्शन सर्किट' का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और पर्यटन मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा और वैष्णोदेवी मंदिर बोर्ड के सदस्य महामंडलेश्वर श्री विश्वेश्वर आनंद गिरि जी महाराज भी उपस्थित थे। भगत सिंह कोश्यारी को सितंबर 2019 में महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया था।

मायापुरी थाने के एएसआई शंभु दयाल की इलाज के दौरान मौत

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। मायापुरी थाने के घायल एएसआई शंभु दयाल की उपचार के दौरान मौत हो गई। वह झपटमार के आरोपित द्वारा चाकू के वार से घायल हुए थे। उन्हें इलाज के लिए करोलबाग स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बता दें कि आरोपित ने इन पर तब वार किया था जब उसे पकड़कर थाना ला रहे थे। वह राजस्थान के सीकर के रहने वाले थे। उनका अंतिम संस्कार तहसील नीम का थाना के गांव गवली बिहारीपुर किया जाएगा।

दिल्ली में नाइजीरियाई नागरिकों का बवाल

बिना वीजा रह रहे तीन लोगों को पकड़ने गई पुलिस पर हमला, दो चकमा देकर फरार

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के नेब सराय इलाके से तीन नाइजीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर अफ्रीकी मूल के करीब 100 लोगों की भीड़ ने शनिवार को हमला कर दिया। वीजा अवधि समाप्त होने पर हिरासत में लिए गए नाइजीरियाई नागरिकों को छुड़ाने के लिए भीड़ ने पुलिस कर्मियों को घेर लिया और उनसे भिड़ गई। यह घटना शनिवार को उस समय हुई जब नारकोटिक्स सेल की एक टीम ने नेब सराय के राजू पार्क में विदेशी नागरिकों के निर्वासन की कार्यवाही करने के लिए दौरा किया। पुलिस ने तीन नाइजीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया, जिनके वीजा की अवधि समाप्त हो गई थी। दो बंदी चकमा देकर भागे मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिरफ्तारी के बाद अफ्रीकी मूल के 100 से ज्यादा लोग जमा हो गए और उन्होंने पुलिस टीम को घेर लिया। हंगामे के दौरान तीन में से दो बंदी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। हालांकि, 22 वर्षीय फिलिप बच नहीं सका और उसे हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद, रविवार (8 जनवरी) सुबह 6। 30 बजे नेब सराय पुलिस स्टेशन और नारकोटिक्स दस्ते की एक संयुक्त टीम ने राजू पार्क इलाके का दौरा किया और एक महिला सहित चार नाइजीरियाई लोगों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों को पुलिस से बचने में मदद करने की कोशिश के चलते अफ्रीकी मूल के लोगों ने टीम को घेर लिया। हालांकि, पुलिस ने स्थिति से निपटने में कामयाबी हासिल की और आरोपियों को सफलतापूर्वक हिरासत में लिया और उन्हें नेब सराय पुलिस स्टेशन ले गई। उनके निर्वासन की कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

नौगांव में कड़ाके की ठंड में लावारिस पड़ा मिला नवजात, नाजुक हालत में इलाज जारी

छतरपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। छतरपुर जिले के नौगांव में शनिवार की सुबह सिविल हॉस्पिटल के परिसर के पास कड़ाके की ठंड में एक नवजात बच्चा लावारिस हालत में मिला है। नवजात को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। इलाज के बाद बच्चे को स्वस्थ और सुरक्षित बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार सुबह छतरपुर जिले के नौगांव में सिविल हॉस्पिटल की बाउंड्री के पास तड़के सुबह एक अज्ञात नवजात शिशु कंबल में लिपटा हुआ लावारिस हालत में पड़ा था,

पिता वीरभद्र सिंह 6 बार सीएम रहे

मां 4 बार की सांसद, अब बेटे विक्रमादित्य बने मंत्री

शिमला, 8 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में सुक्खू कैबिनेट का गठन हो गया है। सात मंत्रियों ने शपथ ली। शिमला ग्रामीण से विधायक विक्रमादित्य सिंह को मंत्री बनाया गया है। 33 साल के विक्रमादित्य सिंह पहली बार मंत्री बने हैं। जैसे ही राजभवन में मंत्री पद के लिए उनका नाम घोषित हुआ तो जमकर तालियां बंजीं। जानकारी के अनुसार, विक्रमादित्य सिंह का जन्म 17 अक्तूबर 1989 को हुआ है। उन्होंने शिमला के बिशप कॉटन स्कूल से पढ़ाई की। इसके बाद दिल्ली सेंट स्टीफंस कॉलेज से हिस्ट्री में पोस्ट ग्रेजुएशन की है। विक्रमादित्य सिंह ने साल 2017 में अपना पहला चुनाव लड़ा और जीता था। वह दूसरी बार 2022 में विधानसभा पहुंचे हैं। विक्रमादित्य सिंह को वीरभद्र सिंह गुट के कोटे से मंत्री बनाया गया है।

पिता रहे छह बार के सीएम मां सांसद

विक्रमादित्य सिंह के पिता वीरभद्र सिंह छह बार के सीएम रहे हैं। वहीं, विक्रमादित्य सिंह की मां प्रतिभा सिंह मंडी से मौजूदा सांसद हैं। इसके अलावा प्रतिभा सिंह प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष भी हैं। विक्रमादित्य सिंह 2013-18 तक हिमाचल यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष रहे थे। विक्रमादित्य सिंह शूटिंग में नेशनल लेवल पर हिमाचल का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं।

पिता की विरासत को संभाल रहा बेटा

विक्रमादित्य सिंह को पिता की सियासत को संभाल रहे हैं। वह 2017 में विधायक बने थे पिता वीरभद्र सिंह ने उनके लिए अपनी शिमला ग्रामीण सीट छोड़ दी थी और खुद अर्की से चुनाव लड़ा था। 2017 में पिता पुत्र दोनों चुनाव जीते थे। इस बार उन्हें मंत्रीमंडल में जगह मिलना तय था।

कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने लिया जोशीमठ घटना का संज्ञान

राहुल-प्रियंका ने जताई चिंता

देहरादून, 8 जनवरी (एजेंसियां)। जोशीमठ में भू-धंसाव की घटना का कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व ने भी संज्ञान लिया है। पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी ने ट्वीट के माध्यम से कहा कि जोशीमठ से आ रही तस्वीरें अत्यंत भयावह हैं, जिन्हें देखकर वह काफी विचलित हैं। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस के नेताओं से मौके पर पहुंचकर लोगों को राहत पहुंचाने की अपील की है। ट्वीट में राहुल गांधी ने कहा कि जोशीमठ में घरों में चौड़ी दरारें, पानी का रिसाव, जमीन का फटना और सड़कों का धंसना बेहद चिंताजनक है। हादसे में भूस्खलन से भगवती मंदिर तक ढह गया। प्रकृति के विरुद्ध जाकर पहाड़ों पर लगातार खुदाई और अनियोजित निर्माण से आज जोशीमठ के लोगों पर भयानक संकट टूट पड़ा है। इस कड़कड़ाती ठंड में इस आपदा ने लोगों से उनके आशियाने छीन लिए हैं। उन्होंने उत्तराखंड कांग्रेस से अपील की कि वह जल्द से जल्द आपदाग्रस्त लोगों के बीच पहुंचकर उनकी मदद करें। उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाएं। कहा, उत्तराखंड सरकार से भी अपेक्षा है कि वह समय पर नीतिगत निर्णय लेकर लोगों को राहत पहुंचाए। इधर, पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से लोगों की मदद की अपील की है।

जयराम रमेश ने मोहित से जाना जोशीमठ का हाल

जोशीमठ आपदा पर कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष व भारत जोड़ो यात्रा में सहयात्री मोहित उनियाल से चर्चा की। मोहित ने उनसे कहा कि वह इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाएं। उनियाल ने कहा कि बड़े हाइड्रो प्रोजेक्ट्स से उत्तराखंड के पहाड़ों पर संकट खड़ा हो रहा है। इन प्रोजेक्ट्स को तत्काल रोकने की मांग को लेकर कांग्रेस संगठन को बड़ा आंदोलन करना होगा। बताया कि जयराम रमेश ने इस बात के लिए आश्वस्त किया कि कांग्रेस संगठन भाजपा सरकार से इस समस्या के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करेगा।

हिंदू संगठनों के 2 नेताओं पर फायरिंग

हिंदू राष्ट्र सेना के अध्यक्ष भी घायल, बाल-बाल बचे

बेलगाम, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेलगाम में 2 नेताओं पर फायरिंग की घटना हुई है। जानकारी के मुताबिक हिंदू संगठनों के 2 नेताओं पर गोली चलाई गई है। बताया जा रहा है कि गोली लगने से श्रीराम सेना के रवि कोकिटकर घायल हुए हैं। वहीं, हिंदू राष्ट्र सेना के अध्यक्ष मनोज दासोकर भी फायरिंग की इस घटना में जख्मी हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाइकसवार अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रीराम सेना के जिलाध्यक्ष रविकुमार कोकिटकर मनोज देसुरकर के साथ हिंडाल्गा गांव की ओर जा रहे थे। जब वे मराठी स्कूल के पास पहुंचे तो स्पीड ब्रेकर के पास कार की गति धीमी हो गई। एक बाइक पर उनका पीछा कर रहे तीन लोग पास आए और बीच में बैठे शख्स ने फायरिंग कर दी और वे भाग गए। गोली कोकिटकर की गर्दन में लगी और वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। वहीं, मनोज देसुरकर भी इस घटना में घायल हैं। बेलगाम में फायरिंग की घटना के तुरंत बाद वरिष्ठ पुलिस अधिक मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। फिलहाल पुलिस पड़ताल में जुटी हुई है। बेलगावी ग्रामीण पुलिस मामले की जांच कर रही है। फायरिंग में घायल नेताओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके साथ ही अस्पताल के आसपास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

सेना ने राजौरी के ढांगरी हमले में शामिल दो आतंकी मार गिराए

जम्मू-कश्मीर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सेना ने राजौरी के ढांगरी हमले में शामिल दो आतंकी मार गिराए हैं। आतंकियों को बालाकोट में मारा गया। पूरे एरिया को घेर लिया गया है और ऑपरेशन जारी है। सेना के मुताबिक कार्रवाई जारी है। सेना ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। सेना ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सेना ने इन दोनों आतंकवादियों को मार गिराया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों आतंकवादी शनिवार देर रात जिले के बालाकोट सेक्टर में मारे गए। अधिकारियों ने कहा कि सेना के जवानों ने एक सीमावर्ती गांव में संदिग्ध गतिविधि देखी और गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें दोनों आतंकवादी ढेर हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों के शव रविवार सुबह तब मिले, जब सेना ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया। जम्मू-कश्मीर के राजौरी सेक्टर के ढांगरी गांव में हुए आतंकवादी हमले में घायल एक और व्यक्ति ने रविवार को यहां एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। इससे इस हमले में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि प्रिंस शर्मा आंतकवादियों द्वारा एक जनवरी को ढांगरी गांव में की गई गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे बेहतर इलाज के लिए अन्य घायलों के साथ जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में स्थानांतरित किया गया था, जहां रविवार तड़के उसकी मौत हो गई। ढांगरी में हुए आतंकवादी हमले में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जिनमें प्रिंस शर्मा का बड़ा भाई दीपक कुमार भी शामिल था। आतंकवादियों की ओर से एक जनवरी को की गई गोलीबारी में जहां चार लोग मारे गए थे और छह अन्य घायल हुए थे। वहीं, अगली सुबह गांव में हुए एक शक्तिशाली आईईडी विस्फोट में दो लोगों की जान चली गई थी, जबकि नौ अन्य जख्मी हुए थे। आतंकवादियों ने गोलीबारी के बाद ढांगरी से भागने से पहले वहां आईईडी लगाई थी। हमले में शामिल आतंकवादियों की गिरफ्तारी के लिए बड़े पैमाने पर तलाश अभियान चलाया जा रहा है।

तेज रफ्तार बाइक सवारों की आमने-सामने टक्कर, हादसे में एक की मौत

छतरपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। छतरपुर जिले के नौगांव में भीषण सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा दो मोटरसाइकिलों के आपस में आमने-सामने भिड़ने से हुआ। जोरदार भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गई, तो वहीं तीन अन्य घायल हैं। जिनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल छतरपुर रेफर किया गया है।

रात्रि गश्त में हूटर की आवाज का अर्थ बताकर सुर्खियों में छाए ग्वालियर एसडीओपी

ग्वालियर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर जिले के एसडीओपी घाटीगांव संतोष पटेल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रहा है, अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो को मिलियन व्यूज मिल चुके हैं, लोग उस वीडियो की सराहा भी रहे हैं, यह वीडियो पुलिस के हूटर यानी सायरन से जुड़ा हुआ है, जिसमें एसडीओपी अलग ही अंदाज में हूटर की हूँ। हूँ। हूँ कि आवाज के वास्तविक अर्थ को बता रहे हैं। क्षेत्र में रात्रि गश्त के दौरान एक राहगीर ने हूटर की आवाज का मतलब पूछा था, जिस पर एसडीओपी ने बताय था किपुलिस के हूटर का मतलब होता है कि मैं पुलिस वाला हूँ मैं ड्यूटी पर तैनात हूँ में पुलिस वाला रात्रि में जाग रहा हूँ।

'संघ स्वयंसेवक तैयार करता है, प्रेशर ग्रुप नहीं'

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत बोले- देश की विविधता का सम्मान, एकजुटता है लक्ष्य

पणजी, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने आज गोवा की राजधानी पणजी में संघ के अखिल भारतीय पदाधिकारियों एवं संबद्ध संगठनों के प्रमुख पदाधिकारियों की समन्वय बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'हम एक राष्ट्र हैं, एक समाज हैं, हमारे देश में रहने वाला कोई भी दूसरा नहीं है, हम सबका डीएनए एक ही है। पूजा पद्धतियां अलग हैं, भाषाएं अलग हैं, कोई पूजा भी नहीं करता, खानपान अलग है, विचार अलग है, लेकिन हम सब एक हैं। हम सब लोग एक ही समाज से संबंध रखते हैं, जिसे हिन्दू समाज कहा जाता है। भारत के सब प्रकार के लोग मेरे अपने हैं। मैं इन सब विविधताओं का सम्मान करूंगा, आदर करूंगा, उनके विकास में मैं हाथ बटाऊंगा।' मोहन भागवत ने कहा कि भारत का बड़ा होना और विकसित होना, हमारी जरूरत तो है ही, यह दुनिया की आवश्यकता भी है। आरएसएस प्रमुख ने कहा, 'संघ को दूर से नहीं जाना जा सकता, पास आकर ही संघ को समझा जा सकता है।' उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ऐसे स्वयंसेवक तैयार करता है, जो कई क्षेत्रों में देश के लिए योगदान देते हैं। लेकिन अपने स्वयंसेवकों के माध्यम से संघ किसी पर कोई दबाव नहीं बनाना चाहता। आरएसएस के स्वयंसेवक व्यक्तिगत स्तर पर विभिन्न सामाजिक कार्यों में शामिल हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि संघ एक सेवा संगठन है। संघ ने स्वयंसेवकों को विचार दिया है, जिसके कारण वे जहां भी काम की जरूरत है, वहां काम करते हैं।' आरएसएस प्रमुख ने कहा कि स्वयंसेवकों ने सबको साथ लेकर चलने की कला में महारत हासिल की है, इसलिए वे समाज का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों को देश में कोई प्रभावशाली दबाव समूह बनाने के लिए नहीं ढाला जाता है। संघ पूरे देश को एकजुट करना चाहता है। आरएसएस प्रमुख ने यह भी कहा कि यह दुनिया के हित में है कि भारत एक मजबूत देश बने। उन्होंने कहा कि पिछले 2000 वर्षों में विभिन्न (राजनीतिक और सामाजिक) प्रयोग हुए, लेकिन अब दुनिया चाहती है कि भारत रास्ता दिखाए। आज देश में बहुत लोग संघ में हैं, कुछ इसका विरोध भी करते हैं, इन सबको भी साथ जोड़ना है। मोहन भागवत ने कहा, 'पूरे भारतीय समाज को एक शक्ति के रूप में खड़ा करना है, यही संघ का मकसद है। हमको सुरक्षित होना है, तो हमें हमारे देश को भी सुरक्षित रखना होगा। हम पार राज करने वालों से हमारी जनसंख्या ज्यादा थी। हमारे पास एक से एक बुद्धिमान लोग पहले भी थे और अब भी हैं और आगे भी रहेंगे। हजारों मील दूर से कुछ लोगों ने आकर हमारे ऊपर राज किया, इसका कारण था कि हम बंटे हुए थे। पूरे भारतीय समाज को जोड़कर एक शक्तिशाली देश बनाना है। संघ इसी के लिए काम करता है।' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती मनाने के लिए पश्चिम बंगाल जाएंगे।

सितंबर में भी एक विमान यात्री हुआ था गिरफ्तार

आठ साल की बच्ची से की थी छेड़छाड़ की कोशिश

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। हाल ही में एयर इंडिया विमान में बुजुर्ग महिला के ऊपर पेशाब करने करने का मामला सुर्खियों में रहा। जहां एक महिला ने आरोप लगाया था कि एक सहयात्री ने उसके ऊपर पेशाब कर दिया। हालांकि अब उस आरोपी यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन विमान में अभद्रता यह पहला मामला नहीं है। एयर इंडिया के मुताबिक इससे पहले सितंबर में भी मुंबई से लंदन की ओर जाने वाली एक उड़ान में एक यात्री को पुलिस के हवाले किया गया था। उस यात्री पर भी गंभीर आरोप लगे थे। एयर इंडिया के मुताबिक पांच सितंबर को फ्लाइट एआई-131 में लड़की की मां और उसके साथ यात्रा कर रहे 20 वर्षीय भाई की शिकायत के अनुसार, नशे में यात्री ने कथित तौर पर आठ साल की बच्ची को अनुचित तरीके से छूने का प्रयास किया। घटना के तुरंत बाद बेकाबू यात्री के बारे में मेट्रोपॉलिटन पुलिस को सूचना दी गई। कुछ ही देर बाद मेट्रोपॉलिटन पुलिस विमान में पहुंची और आरोपी शख्स को उड़ान से बाहर ले गई। एयर इंडिया के केबिन क्रू ने इस घटना की रिपोर्ट 19 सितंबर, 2022 को डीजीसीए को भी दी थी। एयर इंडिया ने कहा कि उस दौरान चालक दल के सदस्यों ने यात्री की मदद की थी।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 9 जनवरी, 2023 3

सुविचार

मैं परमात्मा हूं कहने मात्र से कोई परमात्मा नहीं बन जाता, मैं करोड़पति हूं कहने मात्र से कोई रोड़पति नहीं बन जाता।

अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट के प्रति सीएम केसीआर का प्रेम सराहनीय : करोडीमल अग्रवाल

सहायता ट्रस्ट की साधारण सभा में भवन के भव्य निर्माण पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट की साधरण सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता किरोडीमल अग्रवाल ने की। उन्होंने बताया कि अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट के प्रति सीएम केसीआर का प्रेम सराहनीय है। सभा की गतिविधियों की सूचना राजेश अग्रवाल ने दी। उन्होंने सभा को बताया कि तेलंगाना सरकार ने अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट को भवन बनाने हेतु उप्पल क्षेत्र में जमीन दी है। सभा में कोषाध्यक्ष ने सभा को बताया कि 2018 मार्च में यह जमीन दी गई थी। उसके बाद मुख्य रूप से सभा में कार्यकारिणी का कार्यकाल दो सत्र के लिए बढा दिया था। उसके बाद आज की एजीएम यदि चाहे तो भवन का कार्य पूर्ण होने तक वर्तमान कार्यकारिणी बनी रहे। सभा ने करताल ध्वनि से इस प्रस्ताव को पूर्ण बहुमत से पारित किया। अर्थात भवन बनने तक वर्तमान बोर्ड ही रहेगा। आज की सभा में दिनेश, रुपेश, महावीर ने अपने-अपने विचार रखे। सभी की भावना रही कि भवन को भव्य बनाने का कार्य अच्छे से अच्छे हो। राजेश ने विस्तार से बताया कि वर्तमान सीएम केसीआर अग्रवाल समाज से बहुत प्रसन्न हैं। सभा में अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण ने अपना अमूल्य समय निकाल कर सभा में पधारे व समाज की उन्नति हेतु सुझाव दिया कि हम समाज को संगठित करें व राजनीती में भी स्थान पाने की कोशिश करे।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट चेयरमैन करोडीमल अग्रवाल, मैनेजिंग ट्रस्टी राजेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कपूरचन्द गुप्ता, फाउण्डर चेयरमैन नरेश कुमार चौधरी के अलावा ट्रस्ट मण्डल के प्रेमचन्द गुप्ता, सुरेशकुमार अग्रवाल, राकेश पचेरिया, गोपालदास अग्रवाल, कमलचन्द अग्रवाल, मधुसुदन सौंथलिया, श्यामसुन्दर अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, राजेन्द्र जालान, महावीरप्रसाद अग्रवाल, ओमप्रकाश बंसल, रितेश अग्रवाल, पुरुषोत्तमदास गोयल, पी.डी. गुप्ता, नवीन अग्रवाल, अंजनी कुमार अग्रवाल आथद की महत्ती उपस्थिति रही।

अग्रवाल समाज सिकंदराबाद उत्तरांचल शाखा का अन्नप्रसाद कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज सिकंदराबाद उत्तरांचल शाखा का अन्न प्रसाद कार्यक्रम बालमराई सिकंदराबाद स्थित देवी डंडू मारम्मा मंदिर प्रांगण में संपन्न हुवा। इस संदर्भ में यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्ष विकास कैशान व कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा अग्रवाल शिरोमणि महाराजा अग्रसेन जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की गयी। इसमें दोपहर 12.15 बजे मंदिर में माता को भोग लगाकर आरती की गयी। तत्पश्चात भक्तों के लिए भोजन की व्यवस्था की गयी।

इस कार्यक्रम में शाखा सदस्य परिवार ने उत्साह से भाग लिया तथा साथ ही मंदिर कमेटी ने भी भरपूर सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम मेंलगभग 300 भक्तों में भोजन प्रसाद वितरित किया गया। इस शुभावसर पर शाखा अध्यक्ष विकास कैशान, उपाध्यक्ष आलोक जैन, मानद मंत्री केसरी नंदन कन्दोई, संयुक्त मंत्री विकास अग्रवाल, सलाहकार राजेन्द्र गुप्ता, नारायण चौधरी व कार्यकारिणी सदस्यों में सुनिल सिंघल, मुकुल जैन, अजय जैन, गोपाल चांदगोहिमा, संदीप गोयन्का, विकी सर्राफ, राकेश अग्रवाल, डा. स्वाती गोयल, किशनलाल सरावगी, अशोक आर. डाणी उपस्थित हुए। मंदिर कमेटी के विष्णु चाणक्य, नागराजन, गणेश नागरजा का विशेष सहयोग रहा।

इंडस फूड 2023 के छठे संस्करण का शुभारम्भ

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण एशिया के सबसे बड़े एफएंडबी मार्केट प्लस में से एक, इंडस फूड 2023 का छठा संस्करण हैदराबाद में पहली बार हाईटेक्स एक्जीबिशन सेंटर में आयोजित किया जा रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और विक्रेताओं के लिए मंच प्रदान करता है। यह एफएंडबी सेक्टर से संबंधित 1300 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को नए ब्रांड और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए एमएसएमई/स्टार्टअप के लिए एक बी2बी प्रदर्शनी है। तेलंगाना स्टेट ट्रेड प्रमोशन कॉरपोरेशन (टीएसटीपीसी) ने तेलंगाना स्टेट इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (टीएसआईआई) के साथ मिलकर इंडस फूड 2023 में एक स्टेट पवेलियन की स्थापना की है।

स्टेट पवेलियन में एमएमई विभिन्न खाद्य और पेय क्षेत्रों के स्टार्टअप शामिल हैं जो अपने उत्पादों को प्रदर्शित करते हैं। यह नए और मौजूदा प्रदर्शन करने वाले आपूर्तिकर्ताओं के साथ सीखने, नेटवर्क बनाने और व्यापार करने के अवसर प्रदान करता है। तेलंगाना पवेलियन का उद्घाटन प्रधान सचिव, आयुक्त औद्योगिक प्रोत्साहन जयेश रंजन ने किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त सचिव, वाणिज्य विभाग, राजेश अग्रवाल, डॉ. श्रीकर के. रेड्डी, संयुक्त सचिव, वाणिज्य विभाग, डॉ. ई. विष्णु वर्धन रेड्डी, विशेष सचिव, निवेश प्रोत्साहन, संयुक्त प्रबंध निदेशक तेलंगाना राज्य व्यापार संवर्धन निगम, वी. मधुसूदन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, तेलंगाना स्टेट इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन आदि उपस्थित रहे। इंडस फूड 2023 प्रदर्शनी 8 से 10 2023 तक हाईटेक्स प्रदर्शनी केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित की जा रही है।

रविवार को तेलंगाना युवती मंडल, वरकतपुरा चमन में स्व-स्वरूप संप्रदाय, जिला सेवा समिति द्वारा आयोजित श्री स्वामी नरेंद्राचार्यजी महाराज के पदुका दर्शन सोहला कार्यक्रम में भाग लेते हुए श्रद्धालु।

श्री बाबा गंगारामजी का 20वां वार्षिक उपासना महोत्सव 29 को

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बाबा गंगाराम सेवा समिति समिति, हैदराबाद की आज (8 जनवरी) कार्यकारिणी बैठक श्री विष्णु सराफ के श्रीनगर कॉलोनी स्तिथ निवास स्थान पर संपन्न हुई। इसमें आगामी 29 जनवरी होने जा रहे विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी के 20 वां वार्षिक "उपासना महोत्सव" की सभी तैयारियों का जायजा लिया गया तथा आगे की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक मे नये साल के कैलेंडर तथा उपासना महोत्सव के प्रचार हेतु बैनर का भी विमोचन किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार महोत्सव मे शाम 4:30 बजे अखण्ड ज्योत प्रज्वलन के साथ भजन संध्या का शुभारंभ किया जाएगा जिस में बाबा गंगाराम जी की जीवनी पर आधारित अद्भुत और अलौकिक भव्य नृत्य नाटिका का मंचन कोलकात्ता के सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री सौरभ मधुकर की जोड़ी कुशल नाट्य कलाकारों के साथ प्रस्तुत करेंगे। हैदराबाद के भजन गायक श्री घनश्याम शर्मा भी भजनों की अमृतवर्षा करेंगे। बैठक की अध्यक्षता अशोक केजरीवाल ने की तथा विष्णु सराफ, पवन डिडवानिया, ओम प्रकाश अग्रवाल, संतोष केजरीवाल, प्रीति अग्रवाल, श्याम गोयनका, श्रीनिवास राव, मधु अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, विशाल डिडवानिया, वरुण सराफ, वर्षा सराफ, गौरव अग्रवाल, कुसुम सराफ, विशाल सराफ, पूर्णिमा सराफ, शरद संघवी, प्रीति संघवी, मीना मोदी तथा अमित मोदी आदि मुख्य रूप से शामिल रहे।

मल्लू रवि ने विधायक सुधीर रेड्डी की खिंचाई की

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के उपाध्यक्ष मल्लू रवि ने आज बीआरएस विधायक डी. सुधीर रेड्डी की आलोचना की और कहा कि यह हास्यास्पद है कि विधायक टीपीसीसी प्रमुख ए. पिछले विधानसभा चुनाव में एलबी नगर में अपनी जीत सुनिश्चित करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई। रवि ने यह स्पष्ट किया कि रेवंत रेड्डी अपने पद छोड़ने के बाद कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए और कहा कि पार्टी सांसद जब से कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं तब से वह बीआरएस और भाजपा के खिलाफ लगातार लड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी तेलंगाना में बीजेपी की बी-टीम थी और कहा कि दोनों पार्टियां पिछले आठ सालों से एक-दूसरे का समर्थन कर रही हैं।

सरपंच ने केटीआर से की दुश्मनों से सुरक्षा मुहैया कराने की गुहार

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के गुम्मदीदला मंडल के अन्नाराम गांव के एक सत्तारूढ़ दल के सरपंच ने आज राज्य के उद्योग मंत्री केटीआर से उन्हें सुरक्षा प्रदान करने का आग्रह किया क्योंकि उन्हें अपने दुश्मनों से अपनी जान का खतरा है। उन्होंने केटीआर को बताया कि उन्हें धमकियां मिल रही हैं, क्योंकि उन्होंने संगारेड्डी जिले में एक जमीन घोटाले का पर्दाफाश किया था।

यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, सरपंच माकम तिरुमाला वासु ने आरोप लगाया कि कुछ भूमि शार्क गांव के एस नंबर 261 में स्थित सरकारी भूमि के एक टुकड़े पर अतिक्रमण करने की कोशिश कर रहे थे और कहा कि भूमि अतिक्रमणकर्ताओं ने स्थानीय राजस्व और अन्य विभाग के अधिकारियों के साथ हाथ मिला लिया था। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण संख्या में कुल 588 एकड़ जमीन है, जिसकी कीमत खुले बाजार में 1,000 करोड़ रुपये थी और कहा कि जमीन में भूखंड गरीब लोगों, सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों और किसानों को आवंटित किए गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने स्थानीय प्रशासन के खिलाफ राज्य लोकायुक्त को इस मुद्दे पर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि उनकी शिकायत से नाराज होकर जिलाधिकारी ने उन्हें पद से निलंबित कर दिया। यह देखते हुए कि उन्हें कलेक्टर के प्रस्ताव से सहमत नहीं होने के कारण धमकियां मिल रही हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी पात्र किसानों के नाम धरणी पोर्टल से हटा रहे हैं और भूमि शार्क के वफादारों के नाम शामिल कर रहे हैं।

'लोगों को संविधान के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए : विनोद कुमार

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बोइनपल्ली विनोद कुमार ने लोगों को संविधान के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया। विनोद कुमार ने रविवार को यहां अखिल भारतीय शांति और एकजुटता संगठन (एआईपीएसओ) स्वागत समिति गठन बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों को उनके अधिकारों के अलावा हमारे संविधान में निहित उनकी जिम्मेदारियों के बारे में भी जागरूक किया जाना चाहिए ताकि उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदार बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि चूंकि देश में लोगों के बीच साक्षरता दर बढ़ी है, इसलिए लोगों को संविधान और उनके अधिकारों के बारे में जानना चाहिए।

नाम सूधार

मैं हर्ष अग्रवाल पुत्र राकेश कुमार अग्रवाल, आयु : 19 वर्ष, निवासी/ डी. नं. 11-9/1-11, चिन्ना बरतम वीधी, श्रीकाकुलम टाउन एंड डिस्ट्रिक्ट,आंध्र प्रदेश। मेरे पिता का नाम मेरी आईसीएसई कक्षा 10वीं और इंटरमीडिएट की अंकतालिका में हर्ष अग्रवाल पुत्र राकेश कुमार अग्रवाल के बजाय हर्ष अग्रवाल पुत्र राकेश अग्रवाल के रूप में गलत लिखा गया है। दोनों नाम एक ही हैं, दिनांक 07.01.2023 के हलफनामे के माध्यम से सभी को सूचित किया जाता है।

बिहार समाज सेवा संघ पैराडाइज की सभा आयोजित

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार समाज सेवा संघ पैराडाइज का मीटिंग संपन्न हुआ। मकर सक्रांति को देखते हुए यह मीटिंग रखा गया। उसमें सभी सदस्यगण का निर्णय हुआ कि मकर सक्रांति के दिन 15 जनवरी को चूडा दही का भोज रखा गया है। इस अवसर पर अध्यक्ष दीपक सिंह, जनरल सेक्रेटरी मनीष गुप्ता, ज्वाइंट सेक्रेट्री संजय सिंह, रानीगंज एरिया अध्यक्ष बबलू ओझा, हसमपेट अध्यक्ष सुनील कामत, पान बाजार एरिया जनरल सेक्रेट्री संतोष कुमार यादव, ओल्ड गोविंद पल्ली एरिया अध्यक्ष ऑडीन, मंडल सुमन कुमार कामत, शिवा कुमार कामत, दीपक सोनू कामत, कृष्णस कुमार, मुकेश कुमार कामत, राधेश्याम सिंह उपस्थित रहे।

भारतीय संविधान का सम्मान और रक्षा करती है बसपा : प्रवीण कुमार

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य बसपा अध्यक्ष आरएस प्रवीण कुमार ने आज घोषणा की कि उनकी पार्टी हमेशा देश के संविधान का सम्मान और रक्षा करती है और कानून के अनुसार खुद को संचालित करेगी। उन्होंने करीमनगर जिले के हुजुराबाद मंडल में डॉ बी आर अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और राष्ट्रीय तिरंगा फहराया। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रवीण कुमार ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 25 ने सभी धर्मों को स्वतंत्रता प्रदान की है, देश के लोगों को सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए और किसी को भी उनका उपहास नहीं करना चाहिए। उन्होंने सरकार से हिंदू देवताओं और हिंदुओं की भावनाओं के खिलाफ अनुचित टिप्पणी करने के लिए बैरी नरेश के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू करने का भी आग्रह किया। उन्होंने यह भी मांग की कि सरकार वन देवी श्री सम्मक्का और श्री सरलाम्मा के खिलाफ अतार्किक टिप्पणी करने के लिए पोंटिफ चीन जीयर स्वामी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई शुरू करे। उन्होंने फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा और उपदेशक गरिकापति के खिलाफ उनकी शरारती बातों के लिए कड़ी कार्रवाई की भी मांग की।

उन्होंने यह भी कहा कि बैरी नरेश और चीन जीयर स्वामी के बीच और पिछड़े वर्ग के लोगों और उच्च जाति के लोगों के बीच अलग-अलग सजा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना द्वारा समाज के कार्यालय में आयोजित बिजेश मैनेजमेंट सत्र में बतौर मुख्य वक्ता भाग लिये निर्मल पारेख का सम्मान करते हुए समाज के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, सचिव कपूरचंद गुप्ता, संयुक्त सचिव सतीश कुमार अग्रपवाल, कोषाध्यक्ष राकेश जलान, गोविंद अग्रवाल व अन्य।

पवन कल्याण ने आंप्र में चुनाव लड़ने के बीआरएस के फैसले का स्वागत किया

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेना पार्टी (जेएसपी) के संस्थापक अध्यक्ष पवन कल्याण ने आज सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के आगामी विधानसभा चुनावों में पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में चुनाव लड़ने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी को भारत के संविधान के अनुसार आंध्र प्रदेश राज्य सहित देश में कहीं भी चुनाव लड़ने की आजादी है। उन्होंने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों की लोगों की सेवा में उनकी नीतियों और योजनाओं के बारे में अलग-अलग राय होगी।

अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना की मीटिंग आयोजित

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद स्थित सीरवी समाज श्री आईमाता मंदिर सभा हॉल में अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना प्रान्त की मीटिंग पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा आयोजित की गयी। अध्यक्ष हरजीराम काग, सचिव सोहनलाल हाम्बड़ ने संयुक्तरुप से बताया कि तेलंगाना की पावन धरा पर अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना प्रान्त की प्रथम कार्यकारिणी मीटिंग श्री आईमाता मंदिर मे पूजा-अर्चना व दीप प्रज्वलितकर हरजीराम काग की अध्यक्षता मे आयोजित की गयी। आयोजित विशेष सभा में पधारे कमेटी सदस्यों द्वारा विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए अ.भा.सीरवी महासभा का स्थायी भवन हो, स्थायी पता पारसीगुट्टा बडेर रखने पर सहमति जताते हुए तेलंगाना मे अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना का नाम रजिस्टर्ड करवाने, महासभा का बैंक अकाउंट खुलवाने पर विचार-विमर्शकर सभी विषयों पर प्रस्ताव पास किया गया कि आगामी मीटिंग में तेलंगाना मे बसी समाज की सभी बडेरों के पदाधिकारियों, कमिटि मेम्बरों की एक विशेष आम मीटिंग रखकर इन विषयों पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। आगामी मीटिंग का स्थान व समय निश्चित होने पर अवगत करा दिया जाएगा। मीटिंग में पदाधिकारीयों व बहुत से समाज बन्धुओं ने अपने विचारों से अवगत कराते हुए बताया कि अखिल भारतीय सीरवी महासभा के माध्यम से सभी बडेरों में समन्वय बिठाकर समाज की एकता, शिक्षा, खेल-कूद प्रतियोगिताएँ, बच्चों में संस्कार जैसी समस्याओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

विशेष मीटिंग मे हरजीराम काग, सोहनलाल हाम्बड़, हुक्माराम सेपटा, माणकचन्द गेहलोत, गिरधारीलाल काग, प्रभुराम हाम्बड़, पूर्व अध्यक्ष सीए जस्साराम बर्फा, पूर्व सचिव चेनाराम चोयल, शमशाबाद बडेर सचिव भूराराम परिहार, कोषाध्यक्ष हरिराम परिहारियां, कमिटी सदस्यों एवं समाज बन्धुओं ने उपस्थित रहते हुए अपने-अपने विचारों से अवगत कराया। पूर्व अध्यक्ष सीए जस्साराम बर्फा के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

दुष्कर्म में आईएएस अफसर और पूर्व विधायक पर केस दर्ज

दानापुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार कैडर के आईएएस अधिकारी संजीव हंस और राजद के पूर्व विधायक गुलाब यादव के खिलाफ दुष्कर्म के मामले में दानापुर एसीजेएम कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। कोर्ट में दोनों पर लगे आरोपों पर पुलिस ने प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पेश किया। जांच रिपोर्ट में पाया गया है कि आईएएस अधिकारी संजीव हंस और गुलाब यादव पीड़ित महिला के साथ दिल्ली के एक होटल में मौजूद थे। 2021 में एक महिला ने आरोप लगाया था कि आईएएस संजीव हंस और पूर्व विधायक गुलाब यादव ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। महिला का कहना है कि गुलाब यादव ने उसे ब्लैकमेल कर दिल्ली के होटल में बुलाया, जहां आईएएस अधिकारी संजीव हंस भी मौजूद थे। दोनों ने नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म किया।

लक्ष्य 2024: चाय-पकौड़ी के बहाने सियासी खेल में जुटे अखिलेश यादव

यादवलैंड को सहेजने के लिए बनाया खास प्लान

लखनऊ, 8 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव सैफई लोकसभा चुनाव जीतने के बाद से अपने पिता की विरासत को संभालने में जुटे हैं। यादव लैंड को मजबूत करने के लिए वे पहली बार इटावा, मैनपुरी, एटा, फिरोजाबाद, औरैया, फर्रुखाबाद और कन्नौज पर पूरी तरह से फोकस कर रहे हैं। इसे आगामी लोकसभा चुनाव के लिहाज से उनकी रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। सपा के रणनीतिकारों का मानना है कि मुलायम सिंह के बाद इस क्षेत्र में शिवपाल की अच्छी पकड़ मानी जाती रही है। इसीलिए शिवपाल को अपने पाले में लेने के बाद अब वे यहां के हर गांव में युवाओं से सीधे जुड़ कर भविष्य की रणनीति को मजबूत बना रहे हैं। अपनी यात्राओं के दौरान वे यहां पर चाय, पकौड़ी और भुने आलू का लुफ्त उठाते भी दिखाई देते हैं। इसे सियासी नजरिए से काफी अहम माना जा रहा है।

यादवलैंड को बचाने की जद्दोजहद में उलझे अखिलेश यादव

सियासी जानकारों की मानें तो मुलायम सिंह के बाद इस इलाके में शिवपाल सिंह का जमीन पर जुड़ाव रहा है। हालांकि, अब वक्त बदल गया है। शिवपाल ने भी अखिलेश को अपना नेता मान लिया है। परिवार के नई पीढ़ी भी सियासत में आ चुकी है। ऐसे में अखिलेश यादवलैंड में कोई रिक्त स्थान नहीं छोड़ना चाहते हैं। नई पीढ़ी पर अखिलेश अपनी छाप छोड़ने में जुटे हैं। अभी की स्थिति उनके परिवार में ऐसा कोई नेता नहीं है, जो उनके बिना आगे बढ़ सके।

सपा के एक नेता की मानें तो मैनपुरी का चुनाव जीतने के बाद अखिलेश अपने क्षेत्र में ज्यादा सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। हर छोटे बड़े कार्यक्रम में नजर आ रहे हैं। चुनाव के दौरान भी वह लगातार वहीं पर सक्रिय रहे थे। मैनपुरी, सपा का प्रमुख गढ़ रहा है। यहां से सपा ने आठ बार और मुलायम सिंह ने पांच बार जीत दर्ज की थी। मुलायम की सहानभूति इस बार उपचुनाव में ऐसी दिखी कि सारे रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए। छोटे नेता जी अखिलेश को लगने लगा है कि अगर अपने वोट बैंक को सहेज लिया जाए तो आने वाले चुनाव में अच्छा काम हो सकता है।

इसी कारण वे शिवपाल को अपने खेमे लेने के बाद यादव बेल्ट को मजबूत करने में जुटे हैं। हाल में ही मीडिया में छपी कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो अखिलेश यादव ने दिसंबर माह में मैनपुरी में पार्टी कार्यकतार्ओं को संबोधित किया। इसके अगले दिन किशनी में पार्टी के लोगों के बीच रहे। 14 दिसंबर को अपनी विधानसभा क्षेत्र करहल में रहे। 23 दिसंबर को जसवंत नगर में कार्यकर्तार्ओं को संबोधित किया। इसके बाद क्रिसमस में मैनपुरी में एक समारोह में शामिल हुए। इसके बाद फिर मैनपुरी में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार सपा संस्थापक मुलायम सिंह ने अपने क्षेत्र को मजबूत करने में बहुत परिश्रम किया था। मैनपुरी के आस-पास के लोग उनके क्षेत्र छोड़ने के बाद लखनऊ और दिल्ली में जाकर मिलते थे। मुलायम उनकी समस्या सुनते और निपटाते थे। लोगों से उनका व्यक्तिगत जुड़ाव ही उनकी ताकत था। इसीलिए इटावा, कन्नौज, फिरोजाबाद जैसे यादव बाहुल इलाके में अपनी पार्टी को मजबूत बनाए रखा।

शायद अखिलेश 2024 में इतना समय इन क्षेत्रों में न दे पाएं, इसी कारण वे मुलायम के न रहने के बाद उनकी खाली जगह को भरने और ज्यादा से ज्यादा समय यहां देने के प्रयास में लगे हैं। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डाक्टर आशुतोष वर्मा कहते हैं कि फिरोजाबाद, एटा, मैनपुरी, इटावा, कन्नौज जैसे इलाकों से नेता जी के जमाने से लोग प्यार देते रहे हैं। 2014 और 2019 में जरूर इन क्षेत्रों में हमें कुछ नुकसान हुआ है। लेकिन हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष इस नुकसान की भरपाई के लिए खुद इन क्षेत्रों में जा रहे हैं। यहां के लोगों से मिल रहे हैं। इन क्षेत्रों के अलावा वह झांसी, जालौन भी जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस चुनाव में सपा हर तरीके से मजबूत होकर भाजपा से लड़ने के लिए तैयार है।

वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक पीएन द्विवेदी कहते हैं कि 2014 से मुलायम का गढ़ रहे यादवलैंड पर भाजपा लगातार अपनी दखल बढ़ा रही है। उसी का नतीजा रहा कि 2019 में न सिर्फ यादव बाहुल्य क्षेत्र, कन्नौज, फिरोजाबाद, जैसे इलाकों में भाजपा ने कब्जा जमा लिया। इसके साथ ही उनके सबसे मजबूत इलाके गृह जनपद इटावा में भी कमल खिलाया है। पिछले चुनाव में सपा से नाराज होने वाले तमाम कद्दावर नेताओं को भाजपा ने अपने साथ जोड़ा है। उन्हें संगठन के साथ सियासी मैदान में उतार कर नया संदेश देने का भी काम किया है। इसका भाजपा को कुछ लाभ भी मिला है।

बंगाल के पूर्व राज्यपाल केशरी नाथ त्रिपाठी का 88 वर्ष की उम्र में निधन

प्रयागराज, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बंगाल के पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के पूर्व अध्यक्ष पंडित केशरीनाथ त्रिपाठी का आज सुबह पांच बजे यहां निधन हो गया। वह 88 साल के थे। कुछ दिन पहले ही उन्हें सांस में दिक्कत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्वास्थ्य में सुधार होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। स्वजन उन्हें घर ले गए थे। केशरीनाथ त्रिपाठी के निधन पर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत बीजेपी के तमाम बड़े नेताओं ने शोक प्रकट करते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

पंडित केसरी नाथ त्रिपाठी अपने पीछे पुत्र अपर महाधिवक्ता नीरज त्रिपाठी और दो बेटियों को छोड़ गए हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर के जरिए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना जाहिर करते हुए लिखा कि वरिष्ठ राजनेता, भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य और पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल आदरणीय केशरी नाथ त्रिपाठी का निधन अत्यंत दुखद है। प्रभु श्री राम दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें व शोकाकुल परिजनों को दुख सहने की शक्ति दें।

पंडित केसरीनाथ त्रिपाठी के बारे में

पंडित केसरीनाथ त्रिपाठी का जन्म 10 नवंबर 1934 को हुआ था। उनकी गिनती बीजेपी के सीनियर नेताओं में होती थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ ही साथ वह कई सालों तक यूपी विधानसभा अध्यक्ष के पद पर भी काबिज रहे। वह तीन बार यूपी विधानसभा अध्यक्ष रहे। इसके अलावा वह भारतीय जनता पार्टी के उत्तर प्रदेश ईकाई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। पंडित केसरीनाथ त्रिपाठी 2014 से 2019 तक पश्चिम बंगाल के गवर्नर रहे इस बीच उन्हें बिहार, मेघालय और मिजोरम राज्यों का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया था।

'मुख्यमंत्री ने लांघी संवेदनहीनता की परााराष्ठा '

बच्चा पैदा करने पर ये क्या बोल गए नीतीश ? भड़की बीजेपी

पटना, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पांच जनवरी से समाधान यात्रा पर हैं। उन्होंने हाजीपुर में विकास कार्यों का जायजा लिया। साथ ही जीविका दीदीयों के कार्यक्रम को संबोधित भी किया। मुख्यमंत्री के संवाद के दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी हुआ है जिसमें वह प्रजनन दर को लेकर बात कर रहे हैं। विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी ने ये वीडियो जारी करते हुए सीएम पर हमला बोला और कहा कि मुख्यमंत्री कुशासन कुमार ने जिन अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया वह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। ऐसे शब्दों का प्रयोग कर वह मुख्यमंत्री पद की गरिमा को कलंकित कर रहे हैं।

प्रजनन दर को लेकर मुख्यमंत्री की बोल पर हमला

नीतीश कुमार वैशाली में जीविका दीदीयों के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रजनन दर को रोकने के लिए महिला और पुरुष को लेकर टिप्पणी कर रहे हैं। जो वीडियो सम्राट चौधरी ने ट्विटर पर शेयर किया है उसमें मुख्यमंत्री कह रहे कि अब मर्द लोग जिस तरीके से रोज-रोज अपना करते ही रहता है, लेकिन उसको ध्यान में नहीं रहता है कि हमको रोज बच्चा पैदा नहीं करना है। महिला पढ़ी रहती है तो वह सब कुछ समझती है कि भाई कैसे सब कुछ बचना है। मर्दों को इससे कोई मतलब नहीं रहता है। महिलाएं ही इसको लेकर खुद को बचा सकती हैं। तभी प्रजनन दर को काबू में किया जा सकता है। हालांकि वीडियो कुछ ही सेकंड का शेयर किया गया है जिससे यह कहा नहीं जा सकता कि मुख्यमंत्री ने पूरी क्या बात की है। सम्राट चौधरी ने इस पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्होंने अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया है। इस भाषा से वो मुख्यमंत्री पद की गरिमा को कलंकित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री की यात्रा

बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सात जनवरी से समाधान यात्रा पर हैं। रविवार को उनकी यात्रा का चौथा दिन है। वह सीवान में पहुंचकर विकास कार्यों का जायजा लेंगे। उनकी यात्रा को लेकर विपक्ष लगातार उन पर हमलावर है। ये वीडियो जारी करते हुए भी उन्होंने मुख्यमंत्री पर हमला बोला। सीएम ने शनिवार को वैशाली में जनता से मिलकर विकास कार्यों का जायजा लिया है।

संघ के सर कार्यवाह होसबाले 11 से 16 तक यूपी प्रवास पर रहेंगे, लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर करेंगे मंथन

लखनऊ, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले 14 से 16 जनवरी तक लखनऊ के प्रवास पर रहेंगे। होसबाले 14 जनवरी को अवध प्रांत की कार्यसमिति की बैठक से लेकर विभिन्न संगठनात्मक बैठकों के जरिये संघ के शताब्दी वर्ष और आगामी लोकसभा चुनाव में संघ को सक्रिय करने पर मंथन करेंगे। संघ 2024-25 में शताब्दी वर्ष मनाएगा। इस दौरान केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार होना अत्यंत आवश्यक है। यही कारण है कि संघ और उसके वैचारिक संगठनों के पदाधिकारी चुनावों की जमीनी तैयारियों में जुट गए हैं। होसबाले 10 जनवरी को लखनऊ आएंगे। 11 से 13 जनवरी को वाराणसी में काशी और गोरखपुर में गोरखपुर प्रांत की बैठक करने जाएंगे। होसबाले 14 जनवरी को लखनऊ प्रांत की बैठक में प्रत्येक पंचायत तक संघ की शाखा स्थापित करने, विस्तारक तैयार करने, अयोध्या में राममंदिर निर्माण सहित राष्ट्रवाद से जुड़े अन्य मुद्दों को जनता के बीच पहुंचाने पर बात करेंगे।

अयोध्या के संतों ने सीएम एकनाथ शिंदे को भेजा आमंत्रण पत्र, लिखा 'अयोध्या आकर लें रामलला का आशीर्वाद'

अयोध्या, 8 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अयोध्या के संतों ने आमंत्रण पत्र भेजा है और पत्र में लिखा है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री अयोध्या आ करके भगवान राम लला का दर्शन पूजन करें। साथ ही भगवान राम लला का मंदिर कैसे बन रहा है वह भी देखें और भगवान रामलला से आशीर्वाद भी लें। वहीं रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा है कि भगवान राम लला का भव्य मंदिर बन रहा है, जो इसी साल बन करके तैयार हो जाएगा। देश-विदेश के भक्त अयोध्या में आकर दर्शन कर रहे हैं। इसी बीच हम चाहते हैं कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी आकर दिव्य मंदिर में विराजमान रामलला का दर्शन करें। इसके साथ ही दर्शन करके यह भी समझे की अयोध्या में जो मंदिर बन रहा है वह किस रूप से और कैसा है। साथ ही दर्शन करके और रामलला से जो कुछ उनको मांगना है वह भी मांग सकते हैं, क्योंकि हमारे रामलला सभी को कुछ ना कुछ देते रहते हैं। मैं स्वागत करता हूं और आवाहन करता हूं कि एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री अयोध्या आकर के भव्य दिव्य मंदिर में विराजमान भगवान श्री राम लला का दर्शन करें। वहीं तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परम हंस आचार्य ने कहा कि मैं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को महाराष्ट्र जाकर अयोध्या आकर के रामलला का दर्शन करने के लिए आमंत्रण पत्र दिया है, क्योंकि राम मंदिर आंदोलन में स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे का अति महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

बाला साहब ठाकरे का महत्वपूर्ण योगदान

बाला साहब ठाकरे की जगह पर इस समय एकनाथ शिंदे हैं। एकनाथ शिंदे जबसे मुख्यमंत्री बने हैं वह तब से अयोध्या नहीं आए। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम लल्ला का दिव्य भव्य मंदिर निर्माण हो रहा है। यह राम मंदिर राष्ट्र मंदिर है, मानवता का मंदिर है, इसलिए यहां आकर भगवान राम लला का दर्शन और पूजन करें। यह हम सभी साधु संत और अयोध्यावासी चाहते हैं, क्योंकि राम मंदिर आंदोलन में शिवसेना की भी अपनी एक अति महत्वपूर्ण भूमिका रही है और इस समय शिव सेना का नेतृत्व एकनाथ शिंदे कर रहे हैं। इसलिए हमने एकनाथ शिंदे को आमंत्रण पत्र खुद जाकर दिया है। उन्होंने आश्वासन भी दिया है कि वह जल्द ही आकर रामलला का दर्शन करेंगे।

सीवान में पत्रकार को मारी गोली

बाइक सवार अपराधियों ने घटना को दिया अंजाम, हालत गंभीर

सीवान, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सीवान मे शाम बेखौफ अपराधियों ने एक हिंदी दैनिक अखबार के पत्रकार सह महाराजगंज अनुमंडलीय प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेश अनल को गोली मार दी गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल कायम हो गया है। घटना महाराजगंज थाना क्षेत्र के मोहन बाजार का है। घटना में बताया जा रहा है की पत्रकार राजेश अनल अपना स्टेशनरी कॉपी किताब की दुकान से अपने घर नखास चौक पत्रकार नगर अपनी बाइक से लौट रहे थे वह जैसे ही शहर के नखास चौक के समीप पहुंचे इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो की संख्या में हथियारबंद अपराधियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

यूपी में कुछ खास कमाल नहीं कर पाए हैं बीजेपी के नए प्रयोग! क्या इस वजह से बढ़ी है टेंशन?

लखनऊ, 8 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव की तैयारियों से लिए बीजेपी का आलाकमान अचानक से एक्टिव नजर आ रहा है। पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और फिर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह यूपी बीजेपी की तैयारियों पर सीधी नजर बनाए हुए हैं। वहीं राजनीतिक पंडित की मानें तो यूपी में बीजेपी के नए प्रयोग अभी तक कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं। दरअसल, सूत्रों की मानें तो बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष इस महीने लखनऊ आ रहे हैं। इस दौरान वे संगठन के कामों और दिग्गज नेताओं के साथ बैठक करेंगे। बैठक में पार्टी की चुनावी तैयारियों के बाद में जानकारी लेंगे और समीक्षा करेंगे। इससे पहले राष्ट्रीय महामंत्री बीएसल संतोष ने लखनऊ में बीते दिनों एक बैठक की थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि सभी लोग जनता और सरकार के बीच सेतु का काम करें। हालांकि बात यहीं खत्म नहीं होती, अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह खुद यूपी के मामले में एक्टिव नजर आ रहे हैं। उन्होंने यूपी में पार्टी के लिए खुद मोर्चा संभाल लिया है। वे लोकसभा की हारी सीटों पर खुद तैयारियों की समीक्षा करेंगे। सूत्रों के अनुसार 16 जनवरी को अमित शाह यूपी आ रहे हैं।

नफरत वाली राजनीति रोकने की अपील, मुस्लिम संगठन ने हल्द्वानी 'अतिक्रमण' पर कही बड़ी बात

हल्द्वानी, 8 जनवरी (एजेंसियां)। मुस्लिम संगठन जमात-ए-इस्लामी हिंद ने देश के लोगों और धर्मनिरपेक्ष दलों से नफरत और सांप्रदायिक राजनीति को आगे बढ़ने से रोकने की शनिवार को अपील की। जमात ने साथ में उत्तराखंड के हल्द्वानी में रेलवे के दावे वाली 29 एकड़ ज़मीन से अतिक्रमण हटाने के राज्य के उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत की ओर से प्रदान की गई अंतरिम राहत का स्वागत करते हुए आरोप लगाया कि अल्पसंख्यकों से संबंधित संपत्तियों पर बुल्डोज़र चलाना राजनीतिक जनसांख्यिकी बदलने की कवायद है और दावा किया कि लव जिहाद नाम की किसी भी चीज़ का अस्तित्व ही नहीं है। यहां संगठन के मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए जमात के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजीनीयर मोहम्मद सलीम ने दावा किया कि हल्द्वानी मामले को राजनीतिक लाभ के लिए सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया, यह धारणा बनाने की कोशिश की जा रही है कि एक समुदाय के लोग अतिक्रमणकारी हैं और उन्हें हटाने की कोशिश की जा रही है जबकि वहां पर मुसलमान और हिंदुओं दोनों के घर हैं।

रेलवे के आने से पहले के लोगों के पास कागजात

सलीम ने दावा किया कि हल्द्वानी में विवादित जगह पर रहे लोगों के पास रेलवे के वहां आने से पहले के कागज़ात मौजूद हैं और उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद उन्हें अब अपनी बात कहने का मौका मिलेगा और वे अपना हक साबित कर पाएंगे। वहीं जमात के सहयोगी संगठन एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स के सचिव नदीम खान ने आरोप लगाया, एक बात हम सबको समझनी होगी कि पूरे मुल्क में चल रही तोड़फोड़ की सियासत राजनीतिक जनसांख्यिकी बदलने की कवायद है। चाहे वह असम में बुल्डोज़र चलाना हो या हल्द्वानी में।

50 हजार लोगों को हटाए जाने का मामला

उच्चतम न्यायालय ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में रेलवे के दावे वाली 29 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाने के उत्तराखंड उच्च न्यायालय के आदेश पर बृहस्पतिवार को रोक लगा दी। न्यायालय ने इसे मानवीय मुद्दा बताते हुए कहा कि 50,000 लोगों को रातोंरात नहीं हटाया जा सकता। रेलवे के मुताबिक, उसकी भूमि पर 4,365 परिवारों ने अतिक्रमण किया है। चार हजार से अधिक परिवारों से संबंधित लगभग 50,000 लोग विवादित भूमि पर निवास करते हैं, जिनमें से अधिकतर मुस्लिम हैं। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के प्रमुख नलिन कुमार के लव जिहाद संबंधी बयान पर सलीम ने कहा, कर्नाटक में चुनाव होने वाले हैं, इसलिए वहां पर चीज़ों को तेज़ी से सांप्रदायिक रंग दिया जा रहा है।

बांदा में 'लव जिहाद'

आशीष बनकर अफजल ने नाबालिग को फंसाया, रेप के बाद धर्मांतरण का आरोप

बांदा, 8 जनवरी (एजेंसियां)। अब यूपी के बांदा जिले से लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि अफजल ने आशीष बनकर पहले एक नाबालिग को अपने प्रेमजाल में फंसाया। फिर अपना असली नाम बताकर उससे जबरन निकाह किया। इतना ही नहीं नाबालिग को उसके प्राइवेट वीडियोज वायरल करने की धमकी देकर धर्मपरिवर्तन भी करवा दिया। हालांकि वह लड़की को लेकर भागने के फिराक में था, लेकिन पुलिस की तत्परता से उसे रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने नाबालिग किशोरी को भी छुड़ाया है। अब पुलिस लड़की को कोर्ट में पेश कर उसका बयान दर्ज करवाएगी।

जिला अस्पताल में फर्जी मेडिकल बनाने का भंडाफोड़

पुलिस ने दलाल को किया गिरफ्तार, डाक्टर नामजद

सहारनपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। न्याय प्रक्रिया में मेडिकल रिपोर्ट अहम हिस्सा है। एसबीडी जिला अस्पताल में फर्जी मेडिकल बनाकर कानूनी न्याय प्रक्रिया को प्रभावित करने का खेल चल रहा था। यहां पिछले काफी समय से फर्जी मेडिकल बनाए जा रहे थे। जनकपुरी थाना पुलिस ने फर्जी मेडिकल बनवाने वाले एक आरोपित दलाल को गिरफ्तार किया है, जिसने स्वीकार किया है कि वह कई सालों से एक डाक्टर के साथ मिलकर फर्जी मेडिकल बनवा रहा था। वहीं, इस खेल में एक अधिवक्ता और उसका मुंशी भी शामिल है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपित को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया, जबकि बाकी आरोपितों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस लाइन के सभागार में एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि तीन जनवरी को सड़क दूधली निवासी एक महिला उनके पास तहरीर लेकर आई कि एक युवक ने उस पर तेजाब उड़ेल दिया है। महिला के हाथों पर कुछ छींटे तेजाब के पड़े हुए थे। जिसके बाद पुलिस ने महिला को एसबीडी जिला अस्पताल में मेडिकल के लिए भेज दिया। यहां पर डा। बीडी शर्मा ने मेडिकल किया। मेडिकल रिपोर्ट में तेजाब डालना दर्शाया गया।

ठंड से पत्नी की हुई मौत, गरीब किसान ने भीख मांगकर किया अंतिम संस्कार

शाहजहांपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के शाहजहांपुर में ठंड से हुई मौत का हैरान करने देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला की कथित तौर पर ठंड से मौत के बाद पति ने भीख मांगकर उसका अंति संस्कार किया। पति का चंदा मांगने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि पति अपनी पत्नी की मौत ठंड की वजह बता रहा है, वहीं प्रशासन मौत की वजह ठंड न मानकर कुछ और ही कारण बता रहा है। दरअसल, थाना बंडा क्षेत्र के ढुकरी बुजुर्ग गांव के रहने वाले गंगाराम नामक शख्स की 48 वर्षीय पत्नी गीता देवी की कथित तौर पर ठंड लगने से मौत हो गई।

भोजपुर में किशोर को मारी गोली:समोसा खाने गया था, अपराधियों ने कमर में मारी गोली हालत गंभीर

आरा (भोजपुर), 8 जनवरी (एजेंसियां)। भोजपुर के पीरो थाना क्षेत्र स्थित कातर मोड़ के समीप शनिवार को अपराधियों ने एक किशोर को गोली मार दी। जख्मी किशोर को गोली दाहिने साइड कमर के निचले हिस्से पर लगी है, जो अंदर फंसी हुई है। परिजन वहां से पीरो रेफरल अस्पताल ले आए। उसके बाद उसे आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, जख्मी किशोर पीरो थाना क्षेत्र के हसन बाजार ओपी अंतर्गत कातर गांव निवासी मनोज सोनी का 15 वर्षीय पुत्र पवन सोनी है।

उत्तर प्रदेश में शीतलहर के चलते पारा दिन प्रति दिन नीचे गिरता जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक रविवार यानी आज उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में शीतलहर और घने कोहरे का प्रकोप जारी रहेगा।

उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में लगभग 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। अगले तीन दिनों के दौरान पूर्वी भारत में स्थिति बिगड़ सकती है।

अगले दो दिनों के दौरान मध्य प्रदेश में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है और बाद के तीन दिनों के दौरान कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होगा।

पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और उत्तर में रात और सुबह के दौरान कुछ/कई हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा जारी रहने की संभावना है। प्रदेश में अगले दो दिनों के दौरान और उसके बाद अगले तीन दिनों के लिए ।

अगले तीन दिनों के दौरान उत्तराखंड, उत्तरी राजस्थान, बिहार, उपहिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और त्रिपुरा में अलग-अलग इलाकों में बहुत घना कोहरा छाने की संभावना है; अगले दो दिनों के दौरान उत्तर मध्य प्रदेश में।

यदि पहाड़ों में मौसम की बात करें तो शिमला का न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री , कुल्लू का न्यूनतम तापमान 3.6, कसौली का 10.5 रहा। डलहौजी का न्यूनतम तापमान 8.3, सोलन 3 डिग्री, नैनीताल का 5.8 और मसूरी का 8.1 डिग्री रहा।

इस बार टूट सकते हैं 'ठंड' के सारे रिकॉर्ड यूपी-उत्तराखंड समेत पूरे उत्तर भारत का ताजा हाल

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत भारत के उत्तरी और पूर्वी भाग में हाड़ कंपाने वाली ठंड ने लोगों का बुरा हाल कर दिया है। लोगों को घर से निकलने की हिम्मत नहीं हो रही है। कई राज्यों में बच्चों की सुरक्षा के लिए स्कूलों को बंद करने के आदेश दिए गए हैं। देश के कई राज्यों में ठंड की वजह से लोगों की मौत की खबरे भी सामने आ रही हैं। कानपुर में ठंड की वजह से हार्ट अटैक पड़ने से 18 लोगों की मौत हो गई। 10 तो अस्पताल ही नहीं पहुंच पाए, जबकि आठ ने कार्डियोलॉजी में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दिल्ली में रविवार सुबह कोहरे की मोटी परत छाई रही, जिससे दृश्यता 100 मीटर से भी कम रही। राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के राज्यों में कड़ाके की ठंड और कोहरे की स्थिति बनी हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले दो दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में शीत लहर और ठंडे दिन की स्थिति जारी रहने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक इस बार जिस तरह से तापमान नीचे गिर रहा है उसके अनुसार ठंड अपने पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ सकती है। दिल्ली में आज का न्यूमतम तापमान 1.9 डिग्री दर्ज किया गया। देश के कई शहरों में आज विजिबिलिटी भी काफी कम रही है। पंजाब के अमृतसर, पटियाला, अम्बाला में सुबह छह बजे विजिबिलिटी 25 मीटर थी जिससे यातायात सड़कों पर रेंगती नजर आईं। वहीं, गंगानगर में 25, भटिंडा में 0, दिल्ली के सफदरजंग और पालम में 50 मीटर विजिबिलिटी दर्ज की गई। इसके अलावा यूपी के बरेली में 25, आगरा में 0, लखनऊ में 50 विजिबिलिटी रही।

महिला डॉक्टर की कार का शीशा तोड़कर निकाले दो लाख के जेवर

रोहतक, 8 जनवरी (एजेंसियां)। रोहतक के शीला बाईपास के नजदीक चोर एक महिला डॉक्टर की कार का शीशा तोड़कर पर्स निकाल कर ले गए। पर्स के अंदर दो लाख के जेवरात थे। इस संबंध में सिविल लाइन थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक जसबीर कालोनी निवासी डॉक्टर निशा ने दी शिकायत में बताया कि वह निजी क्लीनिक में नौकरी करती है। शनिवार को दोपहर बाद करीब चार बजे उसने अपनी कार क्लीनिक के नजदीक खड़ी की थी। जल्दीबाजी में पर्स अंदर ही रह गया था। करीब सात बजे वापस आई तो कार का कंडक्टर साइड वाला शीशा टूटा मिला। अंदर से पर्स गायब था, जिसमें एक सोने का कड़ा, दो अंगूठी, घड़ी व डेबिट व क्रेडिट कार्ड था। साथ ही दूसरा पर्स भी नहीं मिला, जिसमें ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड व कार की आरसी थी।

'शीना बोरा जिंदा है' के दावे की जांच की मांग

विशेष अदालत ने सीबीआई से तलब किया जवाब

मुंबई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बहुचर्चित शीना बोरा हत्या मामले में आरोपी इंद्राणी मुखर्जी की याचिका पर मुंबई की एक विशेष अदालत ने सीबीआई से जवाब तलब किया है। इंद्राणी मुखर्जी ने अपनी याचिका में दावा किया है कि उसकी एक वकील ने गुवाहाटी हवाईअड्डे पर शीना बोरा से मिलती जुलती एक लड़की को देखा है। इंद्राणी ने गुवाहाटी हवाईअड्डे के सीसीटीवी फुटेज और यात्री विवरण को संरक्षित किए जाने की भी मांग की है। याचिका में कहा गया है कि यह पता लगाने के लिए जांच की जानी चाहिए कि गुवाहाटी हवाईअड्डे पर देखी गई लड़की शीना बोरा है या नहीं। इंद्राणी की याचिका पर सीबीआई के विशेष न्यायाधीश ने केंद्रीय जांच एजेंसी को 12 जनवरी को सुनवाई की अगली तारीख से पहले जवाब दाखिल करने को कहा है। इंद्राणी मुखर्जी की वकील सवीना बेदी सच्चर ने शुक्रवार को सीबीआई की विशेष अदालत में एक हलफनामा भी दायर किया है। जिसमें दावा किया गया है कि उन्होंने गुवाहाटी हवाईअड्डे पर शीना बोरा जैसी दिखने वाली एक महिला को देखा है और उनके पास इसका वीडियो भी है। मीडिया से बात करते हुए अधिवक्ता सवीना बेदी सच्चर ने कहा कि उन्होंने यह वीडियो इंद्राणी मुखर्जी को भेजा था।

शीना बोरा जैसी महिला को देखने वाली वकील का बयान

उन्होंने कहा, जब मैं एक फ्लाइट में यात्रा कर रही थी, तो मुझे शीना बोरा जैसी दिखने वाली एक महिला मिली। संदेह को दूर करने के लिए मैंने अपने सहयोगी से क्रॉस-चेक किया और फिर हम दोनों ने महिला का वीडियो रिकॉर्ड करने की योजना बनाई। इसके बाद मैंने इंद्राणी मुखर्जी से संपर्क किया और वह मान गईं कि महिला शीना बोरा से मिलती-जुलती है। बाद में, हमने अदालत में आवेदन दायर करने का फैसला किया, जिसमें सीबीआई से फ्लाइट में उस महिला यात्री के विवरण की जांच करने का अनुरोध किया गया। वर्ष 2012 के शीना बोरा हत्या मामले में आरोपी आईएनएक्स मीडिया की पूर्व सह-संस्थापक इंद्राणी मुखर्जी को कोर्ट ट्रालय का सामना करना पड़ा है।

इंद्राणी मुखर्जी के साथ उनके पूर्व पति पीटर मुखर्जी, संजीव खन्ना और ड्राइवर को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया था। इंद्राणी मुखर्जी फिलहाल जमानत पर जेल से बाहर हैं। वह अपनी बेटी शीना बोरा की हत्या के आरोप में छह साल से अधिक समय तक जेल में कैद थीं। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत दी थी। इससे पहले निचली अदालत और बॉम्बे हाईकोर्ट से उनकी जमानत अर्जी खारिज हो चुकी थी।

एयर इंडिया के 'पेशाब कांड' पर अब आया विमानन मंत्री का बयान, कार्रवाई पर कही ये बात

भोपाल, 8 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एयर इंडिया की फ्लाइट में महिला पर पेशाब करने वाले मामले तेजी से कार्रवाई करने की बात कही है। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को 34 वर्षीय आरोपी शंकर मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। उसने कथित तौर पर पिछले साल 26 नवंबर को न्यूयॉर्क से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट की बिजनेस क्लास में नशे की हालत में एक वरिष्ठ नागरिक महिला पर पेशाब किया था। सिंधिया ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा कि जो कार्रवाई चल रही उसके पूरा होने के बाद आगे की कार्रवाई तेजी से की जाएगी। कैरियर के सीईओ ने शनिवार को घटना से निपटने के लिए माफी जारी की और कहा कि चार केबिन क्रू और एक पायलट को डी-रोस्टर कर दिया गया है और उड़ानों में शराब परोसने की नीति की समीक्षा की जा रही है।

मेले में महाराज

ठेले पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तले गराडू, रिंग के जरिये लगाया निशाना

ग्वालियर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सिंधिया रियासत के महाराज और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का अलग ही अंदाज देखने को मिला। ग्वालियर व्यापार मेले का शुभारंभ करने पहुंचे सिंधिया मेले में पैदल चलकर पहुंचे और इंदौर की फ़ेमस डिश गराडू को दुकान पर तला तो कही रिंग को निशाने पर लगाते नजर आए। दरअसल, रात मेला के उद्घाटन कार्यक्रम के बाद केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने सांसद विवेक नारायण शेजवलकर के साथ मेला घूमा और छोटे बड़े व्यापारियों से मिलकर उनका हालचाल जाना। इस दौरान कड़ाके की ठंड को देखते हुए व्यापारियों से कहते हुए भी नजर आए की सर्दी में अपना ख्याल रखे। मेला घूमने के दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया एक फूड जोन में पहुंचे और वहां इंदौर की प्रसिद्ध व्यंजन गराडू को कढ़ाई में तला। मेला घूमने के दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया काफी खुश नजर आए। इस दौरान सिंधिया ने कहा कि सांसद शेजवलकर जी के साथ उन्होंने मेले का लुफ्त उठाया।

बोर्ड परीक्षा की मेरिट सूची में आए छात्र, सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल ने कराई मुफ्त हवाई यात्रा

चंडीगढ़, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर जिले के एक सरकारी स्कूल के चार छात्रों ने 12 साल बाद राज्य बोर्ड परीक्षा की मेरिट सूची में जगह बनाई, तो प्रिंसिपल ने उनकी हवाई यात्रा की इच्छा को पूरा करने में संकोच नहीं किया। फिरोजपुर के जीरा में शहीद गुरदास राम मेमोरियल गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स) के प्रिंसिपल राकेश शर्मा छात्रों की हवाई यात्रा का खर्च अपनी जेब से दे रहे हैं। शर्मा के मुताबिक, स्कूल की 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्र पिछले 12 सालों से पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षा की मेरिट लिस्ट में जगह नहीं बना रहे थे। छात्रों को अपनी पढ़ाई पर कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करने के लिए, शर्मा ने उनसे उनकी इच्छाओं के बारे में पूछा। शर्मा ने कहा कि छात्रों ने 'जहाज दा झूटा' (हवाई यात्रा) की कामना की और मैंने उनसे कहा कि मैं उनकी इच्छा पूरी करूंगा। उन्होंने बताया कि मैंने एक प्रार्थना सभा में घोषणा की कि अगर 10वीं या 12वीं कक्षा का कोई भी छात्र बोर्ड परीक्षा में योग्यता स्थान हासिल करता है,

'मंत्री रोएं तो मोती, हम रोएं तो नौटंकी'

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर पर बरसे निर्दलीय एमएलए होशियार सिंह

देहरा (कांगड़ा), 8 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा के देहरा विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक होशियार सिंह दूसरी बार चुनाव जीते हैं. अब उन्होंने अपना समर्थन सुक्खू सरकार को दिया है. हालांकि, अब भी बीजेपी की टिकट काटे जाने का होशियार सिंह को मलाल है. अपने अंदाज में उन्होंने जहां पूर्व सीएम जयराम ठाकुर की जमकर तारीफ की तो वहीं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कश्यप पर जमकर भड़ास भी निकाली. उन्होंने कहा कि इन दोनों को जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए. होशियार सिंह ने जयराम ठाकुर को सच्चा इंसान और कर्मठ नेता भी बताया, लेकिन जयराम ठाकुर को चलने ही नहीं दिया गया. होशियार सिंह ने कहा कि कभी पीएम नरेंद्र मोदी से मिलने का मौका मिला तो हम सारी सच्चाई बताएंगे कि कौन स्लीपिंग सैल है, जो पार्टी को नीचे लगाने में लगे हैं. बीजेपी में निचले स्तर पर स्लीपिंग सैल बैठे हुए हैं, जो गलत रिपोर्ट देते रहते हैं. होशियार सिंह ने संगठनात्मक जिला देहरा के बीजेपी अध्यक्ष संजीव शर्मा को भी स्लीपिंग सैल बताया. उन्होंने कहा कि एक जिलाध्यक्ष कैसे एक एमएलए को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर सकता है. उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी को 2024 में फिर पीएम बनने के लिए एक एक सीट जीतना जरूरी होगा, इसलिए हिमाचल प्रदेश में बीजेपी क्यों हारी, इस पर उन्हें मंथन करने की जरूरत है. होशियार सिंह ने कहा कि कोई भी बीजेपी नेता मेरी तरह सच्चाई नहीं बोल सकता है.

हार पर मंथन होना चाहिए: होशियार

होशियार सिंह ने कहा कि मंत्रियों की हार पर भी मंथन करना चाहिए. उन्होंने कहा कि मैंने पहले ही कह दिया था कि सभी मंत्री हार रहे हैं. 9 मंत्री हारे, मेरा एक पड़ोसी मंत्री बच गया. उन्होंने कहा कि बीजेपी की हार की जिम्मेदारी लेते हुए प्रभारी को भी इस्तीफा देना चाहिए. निर्दलीय विधायक होशियार सिंह ने कहा कि जितने बड़े-बड़े नेता हैं, इनको हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए. उन्होंने कहा कि मेरी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है. होशियार सिंह ने कहा कि रमेश धवाला और रविंद्र सिंह रवि सात सात हजार वोटों के मार्जन से हारे हैं. इन दोनों की अदला-बदली की गई और जीतने वाले कैंडिडेट की टिकट काट दी गई.

काउंटर के लिए अनुराग या रवि

होशियार सिंह ने कहा कि मेरे काउंटर में किसी छुटभैये का इंटरव्यू मत लेना. सिर्फ अनुराग ठाकुर या रविंद्र सिंह रवि का इंटरव्यू लेना. दरअसल निर्दलीय विधायक होशियार सिंह लगभग डेढ़ महीने बाद अपने मुम्बई निवास से हिमाचल लौटे हैं और उन्होंने चार जनवरी को शपथ ली, लेकिन देहरा की जनता से मिल नहीं सके थे. तीन जनवरी की शाम को अपने राजनीतिक दफ्तर में अपने समर्थकों से मिले थे. बीमारी के चलते वह जनता से दूर रहे. होशियार सिंह लम्बे समय से बीमार चल रहे हैं अभी डाक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है, लेकिन निर्दलीय विधायक खुद को स्वस्थ बता रहे हैं और जनता के बीच में रहने का दावा भी कर रहे हैं.

मीलिए देश की पहली महिला फाइटर पायलट अवनी चतुर्वेदी से

विदेश में करेंगी युद्धाभ्यास

तिरुवनंतपुरम, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना की महिला पायलट अवनी चतुर्वेदी एक नया इतिहास रचने वाली हैं। विदेश में होने वाले हवाई युद्धाभ्यास में पहली बार भारतीय वायुसेना की महिला पायलट हिस्सा लेंगी। अवनी उन तीन महिलाओं में शामिल हैं जिन्हें वायु सेना फाइटर पायलट के रूप में चुना है। अवनी की इस सफलता की चर्चा हर तरफ हो रही है। उनकी सफलता लाखों युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। इस बार 12 जनवरी से 26 जनवरी, 2023 के बीच जापान के हयाकुरी एयर बेस के हवाई क्षेत्र में 'वीर गार्जियन 2023' के नाम से अभ्यास किया जाएगा। चतुर्वेदी पहली महिला फाइटर पायलट हैं, जिन्होंने साल 2018 में अकेले मिग-21 उड़ाया है। आइए उनकी सफलता पर एक नजर डालते हैं।

कौन है अवनी चतुर्वेदी?

अवनी चतुर्वेदी का जन्म मध्यप्रदेश के सतना जिले के कोठीकंचन गांव में हुआ था। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले से शुरुआती पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने राजस्थान के वनस्थली विश्वविद्यालय से कंप्यूटर साइंस विषय में इंजीनियरिंग की। उनके पिता मध्य प्रदेश सरकार के जल संसाधन विभाग में इंजीनियर और मां गृहिणी हैं। उनके मामा प्रेम प्रकाश शर्मा सेना के रिटायर्ड कर्नल हैं और उनका भाई निरभ सेना में कैप्टन है। अवनी चतुर्वेदी अपनी बैचमेट भावना कांत और मोहना सिंह के साथ साल 2016 की जुलाई में फ्लाइंग ऑफिसर बनीं। इसके पहले 2016 के पहले भारतीय वासुसेना में महिलाओं को फाइटर प्लेन चलाने की अनुमति नहीं थी।

हिजाब को लेकर प्रदर्शन वाले कर्नाटक के उडुपी में 50 फीसदी घटे अल्पसंख्यक स्टूडेंट्स, शिक्षा मंत्री वीसी नागेश बोले- देखेंगे

बेंगलुरु, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के स्कूलों में हिजाब पर प्रतिबंध लगाने के आदेश से भले ही परीक्षा में छात्रों की उपस्थिति या लड़कियों के नामांकन पर खास असर नहीं पड़ा है। हालांकि, राज्य में हिजाब बैन के खिलाफ विरोध के केंद्र उडुपी जिले में मुस्लिम छात्रों की संख्या में गिरावट हुई है। डाटा के अनुसार उडुपी में सरकारी और निजी प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों (पीयूसी) में मुस्लिम स्टूडेंट्स की संख्या में गिरावट आई है।

मुस्लिम स्टूडेंट्स की संख्या में 50% की गिरावट

किए गए डाटा से पता चलता है कि उडुपी के सभी प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में कक्षा 11 (कर्नाटक में इसे पहले पीयूसी या पीयूसीआई के रूप में जाना जाता है) में प्रवेश करने वाले मुस्लिम छात्रों की संख्या लगभग समान है। 2021-22 में जहां राज्य में 1,296 मुस्लिम स्टूडेंट्स थे वहीं, 2022-23 में इनकी संख्या 1,320 थी। हालांकि, सरकारी पीयूसी में उनका नामांकन पिछले साल की तुलना में आधे से कम हो गया है। यह संख्या पिछले पांच सालों में सबसे कम है। आंकड़ों के मुताबिक, उडुपी के सरकारी प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों (पीयूसी) में 2021-22 में 388 तो वहीं 2022-23 में 186 मुस्लिम स्टूडेंट्स ने दाखिला लिया। वहीं जेंडर वाइस बात करें तो 2021-22 में 178 की तुलना में सरकारी पीयूसीआई में 91 मुस्लिम लड़कियों ने इस साल एडमिशन लिया और मुस्लिम लड़कों का नामांकन 210 से घटकर 95 हो गया।

प्राइवेट कॉलेजों में अल्पसंख्यक स्टूडेंट्स के नामांकन में बढ़ोतरी

वहीं, दूसरी ओर जिले के निजी (या गैर-सहायता प्राप्त) प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में अल्पसंख्यक स्टूडेंट्स के नामांकन में वृद्धि हुई है। 2022-23 में मुस्लिम समुदाय के 927 छात्रों ने गैर-सहायता प्राप्त कॉलेजों में पीयूसी आई में दाखिला लिया। वहीं, 2021-22 में इनकी संख्या 662 थी। वहीं, मुस्लिम लड़कों की संख्या में में 334 से 440 और लड़कियों में 328 से 487 तक की वृद्धि हुई है।

शिक्षा मंत्री वीसी नागेश बोले- देखेंगे

वहीं, इस बारे में कर्नाटक के स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्री बी सी नागेश ने कहा, "जब छात्रों के प्रवेश की बात आती है, तो हम ओवर ऑल छात्रों को देखते हैं, चाहे उनका धर्म, जाति या पंथ कुछ भी हो। हम किसी विशेष समुदाय या छात्रों के वर्ग को अलग नहीं करते हैं और न उनकी प्रवेश संख्या का आकलन करते हैं। आखिरकार, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम सभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें, भले ही उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो।" उन्होंने कहा, "हमें लगता है कि पिछले वर्षों की तुलना में सरकारी पीयू कॉलेजों में सभी छात्रों की कुल प्रवेश संख्या में काफी वृद्धि हुई है। हालांकि, अगर उडुपी के सरकारी पीयू कॉलेजों में मुस्लिम छात्रों की संख्या में कोई कमी आती है, तो हम इस पर गौर करेंगे।"

सतना जिला अस्पताल में इलाज कराने आए व्यक्ति की मौत, परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

सतना, 8 जनवरी (एजेंसियां)। सतना जिले में सर्दी ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। आलम यह है कि हाथ-पैर सुन्न पड़ने लगे हैं। वहीं, कई जगह पर भीषण ठंड जानलेवा होने लगी है। शहर में कड़कड़ाती ठंड के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई। जिला अस्पताल में इलाज कराने आए युवक की अचानक मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का कहना है कि सर्दी लगने से मौत हुई है। मामला कोलगवां थाना इलाके का है। कैमा निवासी देवीदीन चौधरी (37) के परिजनों ने ऑटो से जिला अस्पताल में इलाज कराने के लिए लाए हुए थे। अस्पताल पहुंचने पर ऑटो से उतरते समय पैर फिसल गया उसकी मौत हो गई। मृतक देवीदीन चौधरी के जीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि दो दिन पहले खांसी आई थी। घर में चल फिर रहे थे, उसी का इलाज कराने के लिए ऑटो से परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे थे। मृतक ऑटो में अपने से बैठा था और चल फिर रहा था अच्छी हालत में था।अस्पताल पहुंचने पर जैसे ही ऑटो से उतरने लगा तो गिर पड़ा गिरने से कोई चोटें नहीं थी।

पैसों की कमी से स्कूल छोड़ा

केरल में बीड़ी बनाकर गुजरा बचपन, अब बनें अमेरिका में जज

तिरुवनंतपुरम, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कहते हैं इरादे नेक हो और मेहनत सच्ची लगन से करो तो सफलता जरूर हासिल होती है। ऐसा ही उदाहरण बनकर सामने आए हैं अमेरिका में बसे केरल के रहने वाले सुरेंद्रन के पटेल। उन्होंने टेक्सास के फोर्ट बेंड काउंटी में 240वें न्यायिक जिला न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। 51 साल के सुरेंद्रन के पटेल की सफलता की चर्चा हर तरफ हो रही है। लेकिन उन्होंने दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और इच्छा शक्ति से इस पद को हासिल किया है। सुरेंद्रन पटेल ने चुनाव के पहले दौर में सिटिंग जज को हराकर अमेरिका में डिस्ट्रिक्ट जज बनने वाले पहले भारतीय मूल के निवासी हैं। एक गरीब मजदूर परिवार में जन्मे सुरेंद्रन की सक्सेस स्टोरी किसी फिल्म की तरह लगती है। आइए उनके करियर पर एक नजर डालते हैं। सुरेंद्रन के पटेल का जन्म केरल के कासरगोड में एक दिहाड़ी मजदूर के घर हुआ था। सुरेंद्रन का बचपन बेहद गरीबी से गुजरा। वह अपनी बहन के साथ बीड़ी बनाने का काम करते थे। घर की हालत खराब होने के कारण उन्होंने 10वीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी और फुल टाइम बीड़ी मजदूर बन गए। पढ़ाई में एक साल का ब्रेक होने के बाद उन्होंने फिर से पढ़ाई शुरू की। उनका एडमिशन इके नायनार मेमोरियल गवर्नमेंट कॉलेज में हुआ। इसके बाद भी गुजारा करने के लिए वह बीड़ी बनाने का काम करते थे। इस वजह से कॉलेज में उनकी अटेंडेंस पूरी नहीं हुई और उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी गई। लेकिन, इसके बाद उन्होंने कॉलेज के टीचर्स से परीक्षा में बैठने की अनुमति मांगी। सुरेंद्रन पटेल बताते हैं कि अगर वो कॉलेज के टीचर्स को बताता कि वह बीड़ी बनाने वाले मजदूर हैं। तो, टीचर्स के मन में उनके लिए सहानुभूति होती। उन्होंने इस बारे में बात न करते हुए टीचर्स से कहा कि यदि परीक्षा में मेरे अच्छे नंबर नहीं आए तो मैं पढ़ाई छोड़ दूंगा। हालांकि जब रिजल्ट आया तो वह टॉपर थे। इसके बाद, टीचर्स ने उनका बहुत सपोर्ट किया। इस कारण उन्होंने ग्रेजुएशन में भी टॉप किया।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 9 जनवरी, 2023

चीन को लेकर सावधानी जरूरी

रघु ठाकुर

भारत-चीन की सीमा पर पिछले कुछ समय से तनाव बढ़ रहा है, और विशेषतः तबांग की घटना के बाद कुछ ज्यादा ही। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारतीय सेना के जवानों ने तबांग में चीनी घुसपैठ के प्रवास को साहसपूर्वक न केवल विफल कर दिया बल्कि अपने शक्ति शौर्य का जबरदस्त प्रदर्शन भी किया। जिससे भारतीय सेना का आम जन में गौरव भी बढ़ा है और देशवासियों में आत्मविश्वास का संचार भी हुआ है। फिर भी अभी राष्ट्र की सुरक्षा की दृष्टिकोण से कुछ चिंतायें आमजन के मस्तिष्क में हैं। मीडिया के कुछ हिस्सों में ऐसे समाचार आये हैं कि चीनी सैनिक निरंतर घुसपैठ करने के प्रयास में लगे हुए है। पिछले वर्ष भारत की सीमा में जो सैनिक घुसकर आये थे और जिन्होंने लगभग दो सौ से ढाई सौ वर्ग किलोमीटर जमीन पर कैंजा किया था, वहाँ से चीनी सैनिकों को भारत अभी तक हटा नही सका है। चीनी और भारतीय सैनिक अधिकारियों के बीच निरंतर बैठके हुई हैं, उनमें यह समझौता भी किया गया कि भविष्य में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच अपनी-अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर अगर कोई मतभेद या विवाद होता है तो किसी भी पक्ष से आग्नेय आस्त्रों का प्रयोग नहीं किया जायेगा। यानि केवल शारीरिक बल से एक दूसरे को रोकने का प्रयास किया जायेगा। यह समझौता युद्ध रोकने की दृष्टिकोण से तो उपयोगी हो सकता है, परन्तु भारतीय सीमाओं की दृष्टिकोण से या पुरानी कैंजाई हुई जमीन वापिस लेने के दृष्टिकोण से उपयोगी नहीं है। वर्ष 1962 में चीन ने भारत पर हमला किया था और भारत की हजारों किलोमीटर जमीन पर कैंजा कर लिया था जो कि अभी भी चीन के कैंजे में है तथा वह जमीन वापिस नहीं ली जा सकी। लगभग 23 वर्षों तक चीन और भारत के बीच रिश्ते कूटनीतिक सहित टूटे रहे। यद्यपि चीन व भारत ने अपने-अपने दूतावास बंद नहीं किये थे। परन्तु संबंधों में एक तीखा अवरोध पैदा हो गया था। यह कटु सत्य है कि वर्ष 1978 में लगभग 16 वर्षों के बाद पहली बार भारत के तत्कालीन विदेश मंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी चीन गये थे। हालांकि तब भी चीन ने भारत सरकार को अपने मनसूबे स्पष्ट कर दिये थे न केवल शब्दों के द्वारा बल्कि कर्म के द्वारा। जब स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी चीन में थे तभी चीन ने वियतनाम पर हमला बोल दिया। जिसकी प्रतिक्रिया अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत तीखी हुई और तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. मोरारजी देसाई ने उन्हें रात को ही वापस लौटने को कहा। उसके 8 वर्ष बाद 1985-86 में और अगर 1962 से देखें तो लगभग 24 वर्षों के बाद चीन की यात्रा करने वाले प्रथम भारतीय प्रधानमंत्री स्व. राजीव गाँधी थे। इस हृदय परिवर्तन के क्या कारण हो सकते हैं, यह शोध का विषय है? संभव है कि अमेरिका की चीन के प्रति बदलती हुई नीति ने इन दौरों को प्रोत्साहित किया हो? क्योंकि अमेरिका अपनी विदेश नीति को दशकों पूर्व तय करता है और उस दिशा में दुनिया का दिमाग बनाता है, इस संदेह का एक कारण यह भी है कि सन् 1985 में स्वर्गीय राजीव गाँधी के प्रधानमंत्री बनने के बाद कई ऐसे निर्णय हुये हैं जो भारत के लिये या भारतीय विदेश नीति के लिए बहुत उचित नही कहे जा सकते। स्वर्गीय राजीव गाँधी और स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का अमेरिका के प्रति समान सोच भी एक कारण हो सकता है। सन1991 में स्व. नरसिम्हा राव के प्रधानमंत्री बनने के बाद और अंतर्राष्ट्रीय पूंजीवाद के दस्तावेज़ विश्व व्यापार संगठन के समझौते के बाद भारत ने अपनी विदेश नीति को लगभग उल्टा खड़ा कर दिया। भारत ने 1991 के बाद लुक टू द ईस्ट विदेश नीति का निर्धारण किया और पश्चिम के बदले मुख्यतः चीन वर्मा, बांगलादेश, नेपाल और आदि को विदेश नीति का लक्ष्य बनाया। भारत की विदेश नीति का यह परिवर्तन भी एक प्रकार से अमेरिका का पिछलग्गूपन था। अमेरिका ने चीन के साथ टूटे हुए व्यापार के बंधनों को पुनः शुरू किया तथा चीन को अपना बाजार खोला। और चीन ने अपना बाजार अमेरिका को खोला। वैश्विक स्तर पर एक नया जुमला शुरू हुआ कि अंतर्राष्ट्रीय रिश्तें और विदेश नीति के लिए व्यापार ही मजबूत बना सकता है। इसका एक परिणाम यह हुआ कि चीन आर्थिक रूप से भारी समृद्ध हुआ। दुनिया के बाजारों पर चीन ने अपने सस्ते सामान को फैला दिया। चूंकि चीन में साम्यवादी शासन है जो एक अर्थ में निरंकुश या तानाशाही शासन है, के कारण श्रम लागत सस्ती रहती है। मार्क्सवादी भले ही दुनिया में नारा लगाते हों कि के मजदूर एक हो - मुर्दाबाद परन्तु चीनी व्यवस्था में ये नारें संभव नहीं है और ना कोई मजदूर आन्दोलन बचा है। वहां तो सत्ता के विरोध का मतलब राष्ट्रद्रोह और मृत्यु दण्ड है। इसलिए चीन सस्ता सामान बनानें में सफल हुआ और उसके सस्ते सामान ने ना केवल अमेरिका के बल्कि दुनिया के बड़े भू-भाग पर कैंजा जमा लिया। तथा चीन की आर्थिक सम्पन्नता ने चीन को अपनी पूँजी और प्रभाव को फैलाने का अवसर दिया। चीन ने भी एक प्रकार से वैश्विक साहूकारी शुरू कर दी तथा श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल बांगलादेश और दुनिया के अनेक देशों को आर्थिक सैन्य व कूटनीतिक मदद तथा कर्ज देकर अपने प्रभाव में लिया। नेपाल में हाल ही में ओली के समर्थन से प्रचंड के प्रधानमंत्री बनने के पीछे स्पष्टतः चीन की भूमिका है जबकि ओली व प्रचंड एक दूसरे के विरूद्ध चुनाव लड़े थे। चीन की आर्थिक क्षमता इतनी बढ़ी है कि अमेरिका को अमेरिका के भीतर भी वह टक्कर और आर्थिक मदद देने लगा। और दुनिया में पैसे व सैन्य शक्ति के आधार पर जो प्रभाव व दबाव पहले अमेरिका का था काफी हद तक उसे चीन ने अपने प्रभाव में ले लिया। यूरोप के बाजारों तक पहुंच बनाने के लिए चीन ने बेल्ट वन रोड की योजना शुरू की और चीन से लेकर ईरान तक एक सड़क मार्ग बनाकर अपने बाजार को पहुंचाने की योजना तैयार की। इस योजना पर चीन काफी आगे बढ़ा भी है परन्तु भारतीय विदेश नीति के निर्माताओं ने इस बाबत कोई ठोस चिंतन नहीं किया तथा पश्चिम को लगभग उपेक्षित कर दिया। परिणामतः पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान तक चीन की घुसपैठ गहरी हो गयी। इस व्यापारिक सिद्धांत के तहत भारत ने अपनी राष्ट्रीय सीमाओं की वापिसी व सुरक्षा पर ध्यान देना कम कर दिया। भारत के नीति निर्माताओं की सोच थी कि चीन अपने व्यापारिक, आर्थिक हितों के लिए अब आगे घुसपैठ नहीं करेगा। तथा भारत के कारपोरेट पोषित राजनेताओं ने दो नये शब्दों को कहना और फैलाना शुरू कर दिया। पहला शब्द था और इसके बाद दूसरा शब्द गढ़ा गया नब्बे के दशक के पहले से ही भारत-चीन के सीमा विवाद को हल करने के लिए एक सत्ता पोषित बौद्धिक धड़ा कहने लगा था कि भारत चीन के बीच की जो सीमा रेखा अंग्रेजों ने खींची थी जिसे लाइन कहा जाता है वह छोड़ देना चाहिए और जो भूमि जिसके नियंत्रण में है वहां तक उसके अधिकार को मान लेना चाहिए। याने भारत की जो लगभग 30-40 हजार वर्ग किलोमीटर भूमि चीन ने 1962 से कैंजाई है उसे चीन का मान लेना चाहिए। यह एक प्रकार से समझौते के नाम पर या व्यापार के नाम पर सीधा भारतीय भूमि का समर्पण था। यहाँ यह बता दूँ कि डॉ. राम मनोहर लोहिया तो मैकमोहन लाइन को भी अंग्रेजों के द्वारा खींची गयी गलत रेखा मानते थे तथा इसे वास्तविक सीमा नहीं मानते थे। बल्कि वे कहते थे कि, भारत और चीन के बीच सीमा रेखा तो मैकमोहन लाईन के आगे तक है जिसमें सम्पूर्ण हिमालय और उसके आगे तक की मानसरोवर सहित भारतीय भूमि है। इतिहास में इसके प्रमाण है। परन्तु भारतीय सत्ताधीशों ने भारत की प्राचीन विभाजन रेखा को तो भुला ही दिया यहां तक की 300 तीन सौ साल के बाद अंग्रेजों के द्वारा उनकी सुविधा के लिए खींची गयी लाइन को भी भुला दिया। और ऑफ कंट्रोल के नाम पर भारत की 1962 में कैंजाई जमीन को भी इस जुमले से चीनी स्वीकार करने की मनोस्थिति बनाना शुरू कर दिया। परन्तु चीन की विस्तारवादी और साम्राज्यवादी नीति रूकने वाली नहीं है। चीन ने भारत की लगभग कोई तीन हजार वर्ग किलोमीटर जमीन को 1962 के बाद कैंजा लिया परंतु व्यापार करने वालों के लिए राष्ट्र और राष्ट्रीय सीमा से कोई लेना देना नहीं है। तथा अब वे ऑफ एक्चुवल कंट्रोल की बात करने लगे हैं। एल.ओ.सी. अपने आप में एक गलत शब्द था और एल.ए.सी. की चर्चा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए और भी खतरनाक है।

विदेशी पढ़ाई का रास्ता साफ

देर से ही सही लेकिन दुरुस्त आए हैं। सरकार के आदेशानुसार अब विदेशी विश्वविद्यालय भी भारत में अपने पांव पसार सकेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इसका मसविदा पेश कर दिया है। देखा जाए तो जिस प्रस्ताव को अमलीजामा पहनाया जा रहा है वह काफी पुराना प्रस्ताव है। अनेक विदेशी विश्वविद्यालय बरसों से भारत में अपने परिसर खोलने के इच्छुक थे, लेकिन कुछ तकनीकी अड़चनों और शिक्षा की गुणवत्ता, पढ़ाने-लिखाने के तौर-तरीके के नियमन, शुल्क आदि को लेकर उपजी शंकाओं के चलते यह प्रस्ताव लटक रहा था। सरकार की इस नीति से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय छात्रों के लिए अवसरों के नए द्वार खुलेंगे। बहरहाल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विदेशी विश्वविद्यालयों को दस साल के लिए मंजूरी दी है। उनके प्रदर्शन को देखते हुए नौ साल बाद फिर उनका नवीनीकरण किया जाएगा। दाखिला प्रक्रिया और शुल्क के मामले में इन विश्वविद्यालयों को स्वतंत्रता रहेगी। इससे यह सुविधा जरूर मिलेगी कि बहुत सारे भारतीय विद्यार्थियों को अपने देश में रह कर ही विदेशी विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में पढ़ने की अवसर मिल जाएगा। अपने देश के बहुत सारे विद्यार्थी बाहरी विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने इसलिए जाते हैं कि वहां के विश्वविद्यालयों में वैसे पाठ्यक्रम नहीं हैं, जो उनमें हैं। नई व्यवस्था के अनुसार अब वे पाठ्यक्रम अपने देश में भी उपलब्ध हो सकेंगे। इससे स्वाभाविक ही अपने यहां के सरकारी और निजी विश्वविद्यालय भी उनकी प्रतिस्पर्धा में ऐसे पाठ्यक्रम शुरू करने को बाध्य होंगे। अपने यहां सबसे बडी समस्या यह भी है कि बढ़ती आबादी, जिसके अनुपात में स्कूल-कालेज और विश्वविद्यालय खोलना सरकार के बूते के बाहर है। शिक्षा पर अपेक्षित बजट न होने के चलते सबके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना कठिन चुनौती है। इसी वजह से निजी संस्थानों को प्रोत्साहित किया जाने लगा। इस तरह निजी स्कूल और कालेजों की बाढ़ तो आ गई, मगर उनमें मिलने वाली शिक्षा की कीमत चुकाना हर किसी के वश के बाहर की बात हो गई है। जिसकी वजह से निजी शिक्षण संस्थान सदा आलोचना का विषय रहे हैं। हालांकि बहुत सारे निजी शिक्षण संस्थानों ने विदेशी विश्वविद्यालयों के अनुरूप पाठ्यक्रम और शैक्षणिक वातावरण देने का प्रयास किया है लेकिन इस तगडी फीस वसूलने के बाद भी विदेशी स्कूलों जैसा दम नहीं दिखाई देता। ऐसे में विदेशी विश्वविद्यालयों के हमारे यहां परिसर खुलेंगे, तो यहां के निजी शिक्षण संस्थानों पर भी उनसे प्रतिस्पर्धा पैदा होगी। फिर उन विश्वविद्यालयों में बहुत सारे प्रतिभावान लोगों को शिक्षण के अवसर भी पैदा होंगे। प्रतिभा पलायन पर कुछ हद तक रोक लगने की गुंजाइश भी बनेगी। सबसे बडी बात तो यह होगी कि जो मुद्रा विदेशी विश्वविद्यालयों में जा रही है, वह अपने देश में रह जाएगी। नई शिक्षा नीति में एक वादा यह भी है कि निजी स्कूलों में शुल्क आदि के निर्धारण का व्यावहारिक पैमाना भी तय किया जाएगा, जाहिर है इससे स्कूलों की मनमनी फीस वसूली पर लगाम लग सकेगी। निजी और विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों को इस मामले में छूट क्यों है? पहले ही हमारे यहां उच्च निजी संस्थानों में फीस इतनी तगडी है कि बहुत सारे विद्यार्थी इसलिए यूक्रेन आदि देशों का रुख करते हैं कि वहां यहां से कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई पूरी हो जाती है। जाहिर है कि यदि इस समस्या पर काबू करने का प्रयास नहीं किया गया, तो विदेशी विश्वविद्यालयों के परिसरों को भी विद्यार्थियों के अभाव से जूझना पडेगा। अब शिक्षा का अर्थ केवल विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम पूरा करा देना नहीं, उनमें कौशल विकसित करना और फिर विदेशी मुद्रा अर्जित करने का माध्यम भी बन गई है। इस तरह अगर विदेशी विश्वविद्यालयों से प्रतिस्पर्धी वातावरण बनेगा, तो इस दिशा में बेहतर नतीजों की उम्मीद भी तो बनेगी।

अवैध हथियारों के निर्माण का अंतहीन सिलसिला

नरेंद्र तिवारी

पश्चिमी मध्यप्रदेश के पुलिस थानों पर आए दिनों अवैध हथियारों के विरुद्ध की गई कार्यवाहियों के संबन्ध में आयोजित पत्रकार वार्ताओं में पुलिस अधिकारियों से पत्रकारों के अक्सर एक से सवाल रहतें है। जिनमें अवैध हथियारों के निर्माण के यह चिन्हित गांव कब तक मध्यप्रदेश और निमाड़ की बदनामी का कारण बने रहेंगे ? मौत का समान निर्माण करने वाले इन कारखानों में कब तक अवैध हथियारों का निर्माण होता रहेगा? कब पुलिस अवैध हथियारों के इस अपराध पर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त कर सकेगी ? अवैध हथियार निर्माण के अपराध में बहुतायत में शामिल सिकलीकर समाज के इन लोगों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए सरकार कोई अभियान क्यों नहीं चलाती ? अति उत्साहित पत्रकार मित्र तो हथियार बनाने के अपराध में रत इन लोगो को पुलिस या सेना की हथियार निर्माण इकाइयों में शामिल करने से सम्बंधित राय देतें हुए भी सवाल पूछ लेते है। अपने बरसों के पत्रकारीय जीवन मे इन जैसे अनेकों प्रश्नों के उत्तर पुलिस अधिकारियों से जानने के प्रयास किये। अधिकांश अधिकारियों ने अपने जवाबों में कहा पुलिस की कार्यवाहीं लगातार जारी है, पुलिस इस अपराध की समाप्ति के हरसम्भव प्रयास कर रही है, इस अपराध में शामिल अपराधियों का पता लगा रही है, पुलिस ने बीते सालों में अवैध हथियारों के खिलाफ सख्त कार्यवाहीं करतें हुए बड़ी मात्रा में प्रकरण दर्ज किए है। इस प्रकार के प्रश्नों का दौर अब भी प्रेस वार्ताओं में जारी है। पुलिस अधिकारियों के जवाबों में भी 20-25 बरसो में कोई बड़ा अंतर नही आया बल्कि वही पुराने जवाब दोहराए जा रहें है। वर्ष 2023 जनवरी माह के शुरूवातीं सप्ताह में पुलिस द्वारा पश्चिमी मध्यप्रदेश के बड़वानी, खरगोन, धार, बुरहानपुर जिलों में संयुक्त छापामार कार्यवाहियों को अंजाम देते हुए 78 फायर आर्म्स सहित अवैध हथियारों के निर्माण और खरीद-फरोख्त के कारोबार से जुड़े 12 लोगो को गिरफ्तार किया गया। इंदौर ग्रामीण झोन के पुलिस महानिरिक्षक राकेश गुप्ता के अनुसार अवैध हथियारों के निर्माण तथा खरीद-फरोख्त के खिलाफ़ चलाए गए ₹ऑपरेशन प्रहार₹ के तहत बड़वानी जिले में सात, धार जिले में एक, खरगोन जिले में तीन ओर बुरहानपुर जिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस महानिरीक्षक के अनुसार इन लोगो की गिरफ्तारी के लिए मुखबिर तंत्र के साथ ही साइबर और ड्रोन तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन और इन्वेस्टर समिट को देखते हुए अवैध हथियारों के सौदागरों के खिलाफ की गई इस बड़ी कार्यवाहीं को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सबसे बड़ी कार्यवाहीं बड़वानी जिले में कई गई। जनवरी माह की 5 तारीख को जिला मुख्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में जिला पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने बताया की बड़वानी जिला पुलिस ने अवैध हथियारों के विरुद्ध 2022 में भी बड़ी कार्यवाहियों को अंजाम दिया था। इसी क्रम में मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरिक्षक इंदौर ग्रामीण के निर्देशानुसार नियोजित तरीके से अवैध हथियार निर्माण के सभी ठिकानों पर दबिश देतें हुए उमरठी वरला, उंडीखोदरी पलसूद, नवलपुरा अंजड़ में कार्यवाहियों को अंजाम दिया गया।जिसमें 41नग फायर आर्म्स, बड़ी मात्रा में हथियार निर्माण की समाग्री एवं 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों पर पूर्व से भी आर्म्स एक्ट सहित अन्य अपराध दर्ज है। कार्यवाहीं धार, खरगोन, बुरहानपुर में भी हुई किंतु बड़वानी जिले में सबसे अधिक अवैध हथियार और आरोपी पकड़े गए है। सवाल वही जो 20-25 वर्ष पूर्व से दोहराए जा रहे। अवैध हथियारों के इस सिलसिले पर कब पूर्ण विराम लगेगा। दरअसल अवैध हथियारों के लगभग सभी मामलों में सिकलीकर समाज का शामिल होना इस समाज की बदनामी के साथ-साथ सम्पूर्ण मध्यप्रदेश की बदनामी का कारण बना हुआ है। सिकलीकर समाज परंपरागत रूप से हथियार बनाने का कार्य करता आ रहा है। यह समुदाय दशम गुरु गोविंद सिंह जी की सेना के लिए हथियारों का निर्माण करता था। उस जमाने मे यह तीर, तलवार और ढालो का निर्माण करने में माहिर हुआ करते थे। यह समुदाय भारत के गुजरात, हरियाणा, राजस्थान, और पंजाब में अधिक पाया जाता है। तीर, तलवार ओर ढालो का निर्माण करतें-करतें यह समाज बंदूकों के निर्माण में सिद्ध हस्त हो गया। स्वतन्त्र भारत मे आर्म्स एक्ट के प्रादुर्भाव के बाद यह कार्य आपराधिक कृत्य है। बावजूद यह समुदाय धन की लालच में मौत के सामान के निर्माण का आपराधिक कार्य कर रहा है। सिकलीकर समाज के अनेकों लोग जो पूर्व में यह अपराध करते थै, स्वप्रेरणा से इससे बाहर होकर मुख्य धारा से जुड़ गए है। इस समाज के लोगों ने हथियार निर्माण के आपराधिक कृत्य से दूरी बनातें हुए अन्य व्यापार, व्यवसाय करना शुरू कर दिया। अपने बच्चों को शिक्षा देकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का पुनीत कार्य किया है। इस समुदाय की और से तथा पत्रकारों की और से भी विशेष पैकेज की मांग की जाती रही है। यह मांग पूर्णत बेमानी सी लगती है। समाज विरोधी अपराध में रत किसी भी समाज की मांगों को सुनना सरकार की बाध्यता नहीं होना चाहिए। इस अपराध से बाहर आने की ईमानदार कोशिश समुदाय के लोगो को करना चाहिए। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रो में कबीलों की तरह रहने वाले सिकलीकर समाज को हथियार निर्माण के समाज विरोधी अपराध से दूर करने के गम्भीर प्रयास होना चाहिए। इसमे सबसे अधिक प्रयास समाज के अंदर से होने चाहिए। बरसों से अवैध हथियारों का निर्माण पश्चिमी मध्यप्रदेश के इन जिलों से होता आ रहा है। यहां के अवैध हथियार मध्यप्रदेश सहित पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात सहित देश के अनेकों हिस्से में तस्करी के माध्यम से पहुँचतें है। जिस तरह बड़ी मात्रा में पुलिस अवैध हथियारों की बरामदगी करती है। उससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस बड़ी मात्रा में यह निर्माण हो रहे है। यहां निर्मित अवैध हथियार तस्करी के माध्यम से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए अपराधी हाथों तक पहुच रहे हैं। उमरठी, झंडी खोदरी, नवलपुरा सहित खरगोन, बुरहानपुर, धार के अवैध ठिकानों से निकले हथियारों ने कितने मासूम ओर बेगुनाह लोगो की जान ले ली है, इन हथियारों ने कितने ही लोगों को सदा-सदा के लिए विकलांग भी बना दिया होगा। मौत के इस सामान का निर्माण कब पूरी तरह बन्द होगा। अवैध हथियारों के निर्माण और खरीद-फरोख्त का यह अंतहीन सिलसिला कब रुकेगा। यह सवाल मध्यप्रदेश सरकार के लिए अब भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। अवैध हथियार के निर्माण और खरीद-फरोख्त से जुड़े इस अपराध के उन्मूलन के लिए प्रभावी और निर्णायक कार्यवाहीं करने की आवश्यकता है।

इसके लिए इस समाज से बातचीत कर दस्यु उन्मूलन की तरह आत्मसमर्पण भी एक तरीका हो सकता है। आपराधिक कार्य को परम्परा का रूप देकर इससे बचने के प्रयास नहीं किये जा सकतें है। तेजी से बढतें देश मे अवैध हथियार निर्माण और खरीद-फरोख्त के इस आपराधिक कार्य को पूर्ण रूप से खत्म किया जाना सभ्य समाज के लिए बेहद आवश्यक है। मध्यप्रदेश सरकार को अवैध हथियारों के निर्माण के इस अंतहीन सिलसिले को पूर्ण विराम देने के लिए सार्थक प्रयास करना चाहिए।

भारत में बढ़ती बेरोजगारी, अर्थव्यवस्था पर भारी

डॉ सत्यवान सौरभ

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के आंकड़ों से पता चलता है कि दिसंबर में भारत की बेरोजगारी दर बढ़कर 8.30% हो गई, जो पिछले महीने के 8.00% से 16 महीने में सबसे अधिक है। शहरी बेरोजगारी दर पिछले महीने के 8.96% से बढ़कर दिसंबर में 10.09% हो गई, जबकि ग्रामीण बेरोजगारी दर 7.55% से घटकर 7.44% हो गई, जैसा कि आंकड़ों से पता चलता है। एक रोजगार विहीन विकास वाली अर्थव्यवस्था में, अर्थव्यवस्था के बढ़ने के बावजूद भी बेरोजगारी बहुत अधिक बनी रहती है। ऐसा तब होता है जब अपेक्षाकृत बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी नौकरी खो दी है, और परिणामी वसूली बेरोजगारों, कम-नियोजितों और पहले कार्यबल में प्रवेश करने वालों को समायोजित करने के लिए अपर्याप्त है। वर्तमान में इस बात की चिंता बढ़ रही है कि डी-औद्योगीकरण, डी-वैश्वीकरण, चौथी औद्योगिक क्रांति और तकनीकी प्रगति के कारण भविष्य की वृद्धि बेरोजगार हो सकती है। एनएसएसओ आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण 2017-18 के अनुसार, 15-59 वर्ष के आयु वर्ग के लिए भारत की श्रम बल भागीदारी दर लगभग 53% है, यानी कामकाजी उम्र की लगभग आधी आबादी बेरोजगार है। कार्य-आयु अनुपात में वृद्धि भारत के कुछ सबसे गरीब राज्यों में केंद्रित होने की संभावना है और जनसांख्यिकीय लाभांश पूरी तरह से तभी प्राप्त होगा जब भारत इस कार्य-आयु वाली आबादी के लिए लाभकारी रोजगार के अवसर पैदा करने में सक्षम होगा। भविष्य में बनने वाली अधिकांश नई नौकरियां अत्यधिक कुशल होंगी और भारतीय कार्यबल में कौशल की कमी एक बड़ी चुनौती है। कम मानव पूंजी आधार और कौशल की कमी के कारण भारत अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम नहीं हो सकता है। भारत यूएनडीपी के मानव विकास सूचकांक में 189 देशों में से 130वें स्थान पर है, जो चिंताजनक है। इसलिए, भारतीय कार्यबल को कुशल और कुशल बनाने के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा के मानदंडों में काफी सुधार करने की आवश्यकता है। भारत में अर्थव्यवस्था की अनौपचारिक प्रकृति भारत में जनसांख्यिकीय संक्रमण के लाभों को प्राप्त करने में एक और बाधा हैनवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि मार्च 2020 तक केंद्र सरकार के सभी नागरिक पदों में 86 लाख रिक्त पद थे। सरकार ने हाल ही में युवाओं के लिए चार साल के अनुबंध रोजगार के रूप में अग्निपथ योजना की घोषणा की। लेकिन यह उपाय भी वास्तविक अर्थव्यवस्था में सुधार करने वाला होगा जो पिछले कुछ वर्षों में महामारी के प्रभावों के परिणामस्वरूप संकटग्रस्त बना हुआ है। देश अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने की अपनी दौड़ में और अधिक वर्षों को गंवाने का जोखिम नहीं उठा सकता है, और श्रम बल में प्रवेश करने के इच्छुक लोगों के लिए रोजगार प्रदान करने के लिए धक्का, भले ही देर से ही सही, मध्यम अवधि के लिए मामलों को आसान बनाने में मदद करेगा। विनिर्माण, उद्योगों, एमएसएमई में वास्तविक नौकरियां जनसांख्यिकीय लाभांश प्राप्त करने की कुंजी हैं। कौशल विकास से युवाओं को उच्च वेतन वाले सेवा क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी। स्वास्थ्य सेवा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नौकरियों और कौशल के माध्यम से लोगों में निवेश करने से मानव पूंजी का निर्माण करने में मदद मिलती है, जो आर्थिक विकास का समर्थन करने, अत्यधिक गरीबी को समाप्त करने और अधिक समावेशी समाज बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। युवा आबादी की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल विकास। आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए भारत की श्रम शक्ति को सही कौशल के साथ सशक्त बनाने की आवश्यकता है। सरकार ने 2022 तक भारत में 500 मिलियन लोगों को कौशल/कुशल बनाने के समग्र लक्ष्य के साथ राष्ट्रीय कौशल विकास निगम की स्थापना की है।

प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा में समुचित निवेश कर शैक्षिक स्तर को बढ़ाना। भारत, जिसकी आबादी का लगभग 41% 20 वर्ष से कम आयु का है, बेहतर शिक्षा प्रणाली के साथ ही जनसांख्यिकीय लाभांश प्राप्त कर सकता है। साथ ही, अकादमिक-उद्योग सहयोग आधुनिक उद्योग की मांगों और शिक्षाविदों में सीखने के स्तर को सिंक्रनाइज़ करने के लिए आवश्यक है। उच्च शिक्षा वित्त एजेंसी (एचईएफए) की स्थापना इस दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे में सुधार से युवा श्रम शक्ति के लिए अधिक उत्पादक दिवस सुनिश्चित होंगे, इस प्रकार अर्थव्यवस्था की उत्पादकता में वृद्धि होगी।

वैध संबंधों के चलते 'लूडो' हुआ बदनाम

अजय कुमार

मानवता जब भी शर्मसार होती है तो 'वह' अपने को बेगुनाह साबित करने के लिए मासूमियत का लबादा ओढ़ लेती है। सभी को याद होगा कि महाभारत काल में जुए में युधिष्ठिर द्रोपदी को हार गए थे!

अब कलयुग में एक महिला अपनी मर्जी से अपने आशिक से लूडो में खुद को हार गई! उसने कृष्ण भगवान को बुलाने के बजाय पति को ही धमकी दी कि वह उसे भूल जाए वरना उस पर पत्नी उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराएगी! दरअसल,उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में भी सामाजिक सरोकारों को बदनाम करने वाली ऐसी ही एक कहानी सामने आई है। जहां एक मकान मालिक और महिला किरायेदार ने अपने नाजायज संबंधों को छिपाने के लिए ऐसा कुचक्र रचा की सदियों से बच्चों के बीच बेहद लोकप्रिय खेल लूडो बदनाम हो गया। इस घटना के बाद से घर के बुजुर्गो ने बच्चों को लूडो नहीं खेलने तक की नसीहत देना शुरू कद दी है। मामला उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले की सदर कोतवाली अंतर्गत देवकली मोहल्ले से जुड़ा है, जहां एक दंपति अपने दो छोटे बच्चों के साथ किराए का मकान लेकर रहता था।

इस दंपति की माली हालत बेहद खराब थी। पति काफ़ी मेहनत करता,लेकिन उसकी कमाई से घर-गृहस्थी सुचारू रूप से नहीं चल पा रही थी। पति और बेहतर काम की तलाश में था, इतिफाक से उसे राजस्थान के जयपुर में एक एक अच्छी नौकरी मिल गई। वहाँ जाकर उसने कड़ी मेहनत से काम शुरू किया! उसे ठीकठाक कमाई होने लगी! वह कमाई का बड़ा हिस्सा अपनी पत्नी-बच्चों को भेजने लगा। इधर पति की गैर-मौजूदगी में पत्नी के अवैध संबंध मकान मालिक से हो गए। यह सिलसिला करीब छहः महीने तक चलता रहा। इसके बाद पत्नी अपने पति से पीछा छुड़ाने के बहाने तलाशने लगी। इसके लिए उसने ऐसी साजिश रची की लोग दंग रह गए। इसी साजिश के तहत पत्नी ने जयपुर में नौकरी कर रहे अपने पति को बताया कि तुम महीने में खर्च के लिए जो रुपए भेजते थे ,उसे मैं लूडो के खेल में हार चुकी हूँ । 1 दिन सारे पैसे जब खत्म हो गए तो मैंने खुद को जुए में दांव पर लगा दिया और मैं खुद को भी मकान मालिक से हार गई! तब से मैं मकान मालिक के संग ही रहने को मजबूर हूँ । इतना ही नहीं पत्नी ने अपने पति से कहा कि वह अब मुझे तलाक दे दे। महिला ने पति को धमकी दी कि वह लिखा-पढ़ी से उसे छोड दे। नहीं तो वह खुद ही उससे अलग हो जाएगी! पत्नी के मुंह से यह बात सुनते ही पति को पूरा मामला समझने में देर नहीं लगी।वह जयपुर से लौटकर आया और पत्नी को काफी समझाया,बच्चों तक की दुहाई दी।लेकिन पत्नी ने साफ कह दिया कि अब काफी देरी हो चुकी है। वह मकान मालिक के साथ ही रहेगी, मेरा तुम्हारा कोई वास्ता नहीं । पीड़ित पति के मुताबिक, वह रामपुर बेल्हा का निवासी है।उसकी शादी अमेठी जिले में हुई थी। पत्नी से उसके दो बच्चे भी हैं।उसका घर बर्बाद हो गया है।पुलिस भी इस मामले में कुछ खास करने की स्थिति में नहीं है।

बैंक लूटने-लुटाने का कार्यक्रम

रामविलास जांगिड़

बैंक में डाका डालने के लिए डाकू गणों का एक शिष्टमंडल आया। डाकुओं के सरदार ने तमंचा फहराया। मैनेजर ने शीघ्र ही अपना मस्तक डाकू शिरोमणि के कदमों में झुकाया। उसने स्वागत की थाली सजाई। माल्यार्पण किया। काला साफा पहनाकर डाकू शिष्टमंडल का घनघोर स्वागत किया। डाकुओं के सरदार ने डाका डालने संबंधी अपना ए ग्रेड का विजिटिंग कार्ड मैनेजर की ओर उछाला। कार्ड देखते ही मैनेजर की आंखों में दया, करुणा, ममता के भाव उमड़ पड़े। उनके लिए शामियाने सजाए। ढोल नगाड़े बजाए। आसमान में बैठे देवताओं ने फूलों की बरसात करनी शुरू कर दी। मैनेजर ने तिजोरी खोली। ए ग्रेड के डाकुओं के आगे सारा रोकड़ा व लॉकर में रखा सोना-चांदी सब कुछ श्री चरणों में धर दिया। डाकू सरदार से प्रार्थना की कि वे बैंक की हर तरह की प्रॉपर्टी सम्मान पूर्वक लूट ले जाएं। कंप्यूटर आदि में रखी हुई तमाम इंफॉर्मेशन भी बंदूक की गोली से नष्ट कर दें। मैनेजर के श्री मुख से ऐसे पवित्र विचार सुने तो डाकू सरदार ने उसे हिकारत भरी नजरों से देखा। डाकू सरदार के खिन्न होने पर बैंक मैनेजर ने सभी बैंक कर्मियों से लाइन बनाकर हाथ जोड़े खड़े होने का निर्देश दिया। कहीं कोई हमसे गलती हो गई है? हुजूर! हमें माफ करना! ऐसा कह कर मैनेजर ने डाकुओं के विदेश भ्रमण के लिए थाली में सजाकर एयर टिकट दे दिए। तब डाकू शिरोमणि ने कहा- ये जो तन बदन पर तुम्हारे कपड़े हैं, इन्हें भी उतार कर दे दो!

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमुदच्यते।

धर्म-दर्शन-अध्यात्म

पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।

सोमवार, 9 जनवरी-2023, 7

स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

माघ मास की इन 4 तिथियों पर गंगा स्नान से पूरी होगी मनोकामना

धार्मिक महत्व के लिहाज से माघ मास में सूर्य देव और भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान है। इस पूरे माह में स्नान और दान को विशेष तौर पर फलदायी बताया गया है। इसके अलावा इस माह में लोग कल्पवास भी रहते हैं।
पौष पूर्णिमा के दिन से माघ स्नान आरंभ हो जाता है। वहीं इसका समापन महाशिवरात्रि के पावन दिन होता है। इस माह पड़ने वाली कुछ खास तिथियां ऐसी हैं, जिस दिन स्नान, दान और पूजा पाठ का विशेष महत्व है।

मकर संक्रांति

ज्योतिष के अनुसार मकर संक्रांति के दिन स्नान की महिमा काफी अधिक है। इस दिन 15 जनवरी को सुबह 07 बजकर 15 मिनट से लेकर इसी दिन शाम 05 बजकर 46 मिनट तक मकर संक्रांति का पुण्यकाल रहेगा। इस दौरान स्नान, दान और अन्य धार्मिक कार्यों को करना अत्यंत शुभ माना गया है।

मौनी अमावस्या

इस माह में मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज समेत तमाम गंगा जैसी पवित्र नदियों के किनारे स्थित धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रहती है। इस साल मौनी अमावस्या तिथि की शुरुआत 21 जनवरी शनिवार के दिन सुबह 06 बजकर 17 मिनट पर होगी। वहीं इसका समापन 22 जनवरी रविवार को सुबह 2 बजकर 22 मिनट पर होगा।

माघी पूर्णिमा

माघी पूर्णिमा तिथि का आरंभ इस बार 04 फरवरी को 09 बजकर 29 मिनट से हो जाएगा। वहीं इसका समापन 5 फरवरी रविवार के दिन 11 बजकर 58 मिनट पर होगा। इस दौरान स्नान और अन्य धार्मिक कार्य विशेष तौर पर फलदायी होंगे।

महाशिवरात्रि

स्नान के लिए इस साल 18 फरवरी दिन शनिवार को पड़ने वाली शिवरात्रि का भी विशेष महत्व है। इस दिन शिवरात्रि तिथि रात 08 बजकर 02 मिनट से आरंभ हो जाएगी। महा शिवरात्रि के दिन स्नान करना विशेष तौर पर फलदायी माना गया है।

प्रयागराज में स्नान का विशेष महत्व

माघ महीने में प्रयागराज में लगने वाले मेले का विशेष महत्व है। देश के कोने-कोने से लोग कल्पवास करने और नहान करने के लिए प्रयागराज में आते हैं। माघ मास के इस मेले में न केवल देश बल्कि विदेश से भी लोग आते हैं। संगम पर तीनों नदियों के पवित्र जल के कारण माना जाता है कि यहां पर स्नान करने का अत्यधिक पुण्य लाभ मिलता है।

क्या होता है कल्पवास माघ मास में इसके नियम

माघ मास के दौरान कल्पवास को सबसे खास माना जाता है। कहा जाता है कि महाभारत काल में धर्मराज युधिष्ठिर ने मार्कण्डेय ऋषि के सुझाव पर युद्ध के दौरान मारे गए अपने रिश्तेदारों को सदगति दिलाने के लिए कल्पवास किया था।

इसके अलावा इस माह की महत्ता बताते हुए यह भी कहा गया है कि गौतमऋषि द्वारा शापित स्वर्ग के अधिपति इंद्र को भी माघ स्नान करने के बाद श्राप से मुक्ति मिली थी। मान्यता है कि निष्काम भाव से माघ मास में स्नान करने पर मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

पदम पुराण और मनु स्मृति के अनुसार कल्पवास के नियम

पदम पुराण में महर्षि दत्तात्रेय ने कल्पवास का महात्म्य बताते हुए इस व्यवस्था का वर्णन किया है। महर्षि दत्तात्रेय के अनुसार कल्पवासी को सत्य, अहिंसा, संयम, दया और ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए सभी तरह के व्यसनों का त्याग करना चाहिए।

इसके अलावा पिंडदान, यथाशक्ति दान करते हुए भूमि शयन जैसे नियमों का पालन करना चाहिए। मनु स्मृति के अनुसार कल्पवास में व्रत के रखने के दौरान दस बातों का पालन करना जरूरी है। यह दस बाते हैं धैर्य, क्षमा, इन्द्रियनिग्रह, बुद्धिमता, विद्या, सत्यवचन, स्वार्थपरता का त्याग, चोरी न करना, शारीरिक पवित्रता और अहिंसा।

कल्पवास में खान-पान और शयन के नियम

कल्पवास में अन्य नियमों की तरह इसके आहार और शयन के नियम भी खास हैं। नियमों के मुताबिक पूरे माघ मास में कल्पवासी को जमीन पर सोना होता है। खानपान में दिनभर फलाहार के अलावा एक समय का आहार ले सकते हैं या एक समय निराहार भी रहने का भी प्रावधान है।

कल्पवासी को नियमपूर्वक दिन में तीन बार गंगा स्नान करना चाहिए। इस दौरान दिनचर्या में भजन-कीर्तन, प्रभु चर्चा और प्रभु लीला का दर्शन करना चाहिए। हालांकि कल्पवास का जो सबसे जटिल नियम है वह यह है कि इसे एक बार शुरु करने के बाद कम से कम 12 वर्षों तक जारी रखने की परंपरा है।
वहीं श्रद्धानुसार इसे आगे भी किया जा सकता है। कल्पवास की शुरुआत में इसके पहले दिन तुलसी और शालिग्राम की स्थापना करते हुए उनकी पूजा की जाती है।

ऐसे लोग कर सकते हैं कल्पवास

कल्पवास के लिए किसी भी तरह की उम्र की कोई बाध्यता नहीं है। इसे अपनी श्रद्धा और भक्ति के अनुसार किसी भी आयु के लोग कर सकते हैं। फिर भी संसारी मोह-माया से मुक्त और जीवन की सभी जिम्मेदारियों से निवृत्त व्यक्ति को ही कल्पवास करना चाहिए।

घर के मुखिया हैं तो जरूर जान लें ये बात

घर का यदि मुखिया समझदार हो और उसमें कुछ खासियतें हों तो ऐसा परिवार हमेशा खुशहाल और सुरक्षित रहता है। अव्वल तो ऐसे परिवार पर कभी कोई आंच नहीं आती है और यदि समस्या आ भी जाए तो घर का मुखिया अपने परिवार की आराम से रक्षा कर लेता है। आचार्य चाणक्य ने अपने नीति शास्त्र चाणक्य नीति में कुछ ऐसी आदतों के बारे में बताया है जो हर परिवार के मुखिया में होनी चाहिए।

ऐसा हो मुखिया तो परिवार पर नहीं आती कोई आंच

- परिवार के सबसे बड़े या प्रमुख व्यक्ति की परिवार में अहम भूमिका होती है। यदि परिवार का ये मुखिया हमेशा सभी सदस्यों को प्यार की डोर में बांधकर रखे तो ऐसे परिवार में ना तो कभी कलह-झगड़े होते हैं और ना ही कोई दुश्मन ऐसे परिवार का कुछ बिाड़ पाता है।

- घर के मुखिया का बेहद जिम्मेदार और समझदार होना जरूरी है। उसे हमेशा चीजों को गहराई में देखकर और भविष्य को देखते हुए निर्णय लेना चाहिए। ना कि उसे सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा करके परिवार का नुकसान करना चाहिए। साथ ही जब वह पूरी देख-परख के बाद निर्णय ले तो उस पर अडिग भी रहे।

- घर के मुखिया की जिम्मेदारी है कि आड़े वक्त के लिए वह कुछ जमापूंजी बचाकर रखे। ताकि मुश्किल समय को भी परिवार आसानी से निकाल पाए।

साथ ही उसे परिवार के आत्मसम्मान और इज्जत के साथ कोई समझौता नहीं करना पड़ा। इसके लिए उसे अपनी और परिवार की फिजूलखर्ची पर हमेशा लगाम लगाकर रखनी चाहिए।

सोमवार के दिन करें ये खास उपाय सभी मनोरथ होंगे सिद्ध

हिंदू धर्म में सप्ताह का हर दिन किसी न किसी देवी देवता की पूजा को समर्पित किया गया है वही सोमवार का दिन शिव आराधना के लिए उत्तम माना जाता है भक्त भगवान को प्रसन्न करने के लिए इस दिन विधिवत पूजा करते हैं और व्रत भी रखते हैं मान्यता है कि इस दिन व्रत पूजा पाठ के साथ अगर कुछ उपायों को भी आजमाया जाए तो जीवन की परेशानियां दूर हो जाती।

सोमवार के अचूक उपाय–

अगर किसी जातक की कुंडली में शनिदोश है और जीवन में समस्याएं बनी रहती है तो ऐसे में सोमवार के दिन शिवलिंग पर काले तिल अर्पित करना चाहिए मान्यता है कि इस उपाय को करने से शनि देव के कारण मिलने वाले कष्टों का निवारण हो जाता है और हर काम में सफलता भी हासिल होती है वही अगर विवाह में अड़चने आ रही है या किसी अन्य कारण से शादी में देरी हो रही है तो ऐसे में सोमवार के दिन शिव मंदिर जाकर शिवलिंग पर कच्चा दूध चढ़ाएं साथ ही जल से अभिषेक करें और मन ही मन ऊं नमः शिवाय मंत्र का जाप करें इसके बाद शीघ्र विवाह के लिए शिव से प्रार्थना करें मान्यता है कि इस उपाय से जल्द विवाह के योग बनने लगते हैं।

अगर किसी जातक के वैवाहिक जीवन में तनाव बना हुआ है या फिर कोई अन्य परेशानी है तो ऐसे में आज के दिन शिव मंदिर में जाकर रुद्राक्ष का दान करें मान्यता है कि इस उपाय को करने से शादीशुदा जीवन में आने वाली सभी परेशानियां दूर हो जाती है और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद मिलता है।

खुशहाल दांपत्य जीवन चाहते हैं तो आपको भी पता होनी चाहिए ये बातें

एक खुशहाल दांपत्य जीवन के लिए सबसे जरूरी है कि आपका पार्टनर अच्छा हो। पार्टनर अच्छा होगा तभी आपकी जिंदगी खुशहाल और आरामदायक तरीके से बीतती है। इसलिए शादी से पहले पार्टनर का चयन हमेशा सोच-समझकर करना चाहिए। पार्टनर का सही चुनाव जहां एक ओर आपके जीवन में खुशहाली ला सकता है, वहीं एक गलत फैसला आपके पूरे जीवन को बर्बाद कर सकता है।
आचार्य चाणक्य ने अपने नीति शास्त्र चाणक्य नीति में कुछ बातों के बारे में बताया है शादी या किसी दूसरे रिश्ते में पार्टनर को परखना काफी महत्वपूर्ण है।
जीवनसाथी का चुनाव करते समय इन बातों का रखें ध्यान
आचार्य चाणक्य के मुताबिक, शादी का फैसला करते समय आपको किसी व्यक्ति की शारीरिक सुंदरता को नहीं बल्कि उसके गुणों को देखना चाहिए।
चाणक्य के मुताबिक, इंसान के संस्कार को परखना काफी महत्णपूर्ण होता है ना कि उसकी शारीरिक सुंदरता।
आचार्य चाणक्य कहते हैं किपुरुष को कभी भी सुंदरता और सुंदर स्त्री के पीछे नहीं भागना चाहिए। स्त्री का गुणवान होना जरूरी होता है।

चाणक्य नीति के मुताबिक स्त्री गुणवान होती है।

वह विकट परिस्थितियों में परिवार को संभाल सकती हैं और दुखों से बाहर निकाल सकती है।
चाणक्य के मुताबिक, गुस्सा किसी भी रिश्ते को और परिवार को जला सकता है। इसलिए शादी से पहले ही अपने पार्टनर के गुस्से को परख लें।
जीवनसाथी चुनते समय व्यक्ति की बाहरी सुंदरता पर ध्यान नहीं देना चाहिए बल्कि उसके आंतरिक गुणों पर ध्यान देना जरूरी होता है।
चाणक्य का कहना है कि शादी से पहले व्यक्ति को परखते समय सबसे जरूरी है यह जानना कि वह कितना धार्मिक है। धर्म-कर्म में विश्वास करने वाला व्यक्ति काफी मर्यादित होता है।

छोटी सी गलती से सब हो सकता है बर्बाद, भीम और दुर्योधन के युद्ध से लें सीख

सफलता या लक्ष्य के मापदंड हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग हो सकते हैं। लेकिन सफलता या लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नियम महत्वपूर्ण होते हैं। क्योंकि लक्ष्य बड़ा हो या छोटा जब तक आप इसे नियम के अनुसार नहीं करेंगे तो इसमें सफलता नहीं मिलेगी और इसमें की गई छोटी सी गलती या लापरवाही भी आपका सबकुछ बिगाड़ सकती है। ठीक ऐसा ही हुआ था महाभारत के युद्ध में भी। जब दुर्योधन की छोटी सी गलती के कारण वह भीम के हाथों में मारा गया है। दुर्योधन की गलती से आपको जरूर सीख लेनी चाहिए।

भीम और दुर्योधन के युद्ध के प्रसंग से लें ये सीख

महाभारत का युद्ध पांडवों और कौरवों के बीच हुआ था। जब कौरव पक्ष के सभी बड़े योद्धाओं को पांडवों द्वारा मार दिया था और युद्ध का अंतिम चरण आया तो गांधारी को यह लगने लगा कि अब दुर्योधन के प्राण भी संकट में आ गए हैं और गांधारी ने दुर्योधन को यह आदेश दिया कि तुम स्नान करके नग्न अवस्था में मेरे सामने आओ। इसके पीछे यह कारण था कि धृतराष्ट्र से विवाह के बाद गांधारी ने अपनी आंखों पर पट्टी बांध ली थी।

क्योंकि उसे यह वरदान मिला था कि वह आंखें खोलकर जिस इंसान को भी देखेगी, उसका शरीर लोहे के समान हो जाएगा। दुर्योधन को मृत्यु के बचाने के लिए गांधारी ने उसे यह आदेश दिया। क्योंकि वह चाहती थी कि दुर्योधन का शरीर भी लोहे जैसा हो जाए और उसे कोई मार न सके। माता के आदेश पर दुर्योधन ने भी यही किया और पूरी तरह नग्न होकर गांधारी के पास जाने लगे। लेकिन गांधारी के पास पहुंचने से पहले दुर्योधन को श्रीकृष्ण मिल गए। श्रीकृष्ण ने दुर्योधन से कहा, तुम अब व्यस्क हो और इस अवस्था में तुम्हारा अपनी माता के सामने जाना उचित नहीं है। कम से कम तुम्हें अपनी जांघों को ढंकना चाहिए। दुर्योधन को भी श्रीकृष्ण की यह बात सही लगी। उसने पत्तों की सहायता से अपनी जांघ के हिस्से को ढक लिया और फिर माता गांधारी के सामने गए। गांधारी ने जैसे ही अपने आंखों की पट्टी हटाकर दुर्योधन को देखा तो उसका पूरा शरीर लोहे का हो गया। लेकिन वह हिस्सा सामान्य रह गया, जहां उसने पत्ते ढंके थे। यह देख गांधारी समझ नहीं कि दुर्योधन ने गलती कर दी है।

दुर्योधन की गलती ही बनी मृत्यु का कारण

जब महाभारत युद्ध का अंतिम चरण आया तो भीम और दुर्योधन में गदा युद्ध हुआ। भीम द्वारा दुर्योधन के शरीर पर वार करने से भी कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा था, क्योंकि दुर्योधन का शरीर लोहे का बन चुका था। तब श्रीकृष्ण ने भीम को दुर्योधन के जांघ पर प्रहार करने का इशारा किया। क्योंकि दुर्योधन के जांघ का हिस्सा लोहे का नहीं बना पाया था। भीम ने जांघ पर वार किया और इसके बाद घायल होकर दुर्योधन की मृत्यु हो गई।

सीखः महाभारत के इस प्रसंग से यह सीख मिलती है कि आज्ञा का पालन ठीक वैसा ही करना चाहिए, जैसा आदेश मिला हो। सही नियम और सही तरीके से कार्य न करने पर छोटी सी गलती से पूरा कार्य बर्बाद हो सकता है।

हनी सिंह ने की उर्फी जावेद की तारीफ 'देश की सभी लड़कियों को उनसे सीखना चाहिए'

उर्फी जावेद हमेशा ही अपने अजब-गजब ड्रेसिंग स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। हालांकि इसकी वजह से उन्हें ट्रोलिंग से लेकर विवादों का सामना भी करना पड़ा जाता है लेकिन इसमें भी कोई दो राय नहीं है कि उर्फी इन सभी चीजों को बेबाक अंदाज में हैंडल करती हैं। कई बार सेलेब्स उनकी तारीफ भी करते दिखाई देते हैं। अब हाल ही में सिंगर और रैपर हनी सिंह ने उर्फी जावेद की तारीफ की है और कहा कि देश की लड़कियों को उनसे सीखना चाहिए।

यूलिया वंतूर के साथ अपने गाने 'याई रे' के प्रमोशन में उर्फी जावेद के बारे में बात करते हुए हनी सिंह ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा, 'मैं उस बच्ची से बहुत प्यार करता हूं, वह बहुत निडर और बहादुर है और अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीना चाहती है, मुझे लगता है कि हमारे देश की सभी लड़कियों को उनसे सीखना चाहिए। आप जो कुछ भी करने का मना बनाती हैं, बिना झिझक के, बिना किसी से डरे, चाहे आप कहीं से भी आती हों, चाहे आप किसी भी धर्म, जाती या परिवार से हों,। उन्होंने आगे कहा वह सब ने करें जो आपके परिवार में नहीं है लेकिन वह करो जो तुम्हारा दिल कहता है, बिना किसी से डरे।'

इसके साथ ही साक्षात्कार में बात करते हुए हनी सिंह ने प्रशंसकों से यह भी कहा कि वह अपने माता-पिता की बात सुनें, क्योंकि उन्होंने खुद ऐसा नहीं किया और इससे उनकी बर्बादी हुई। बात करें वर्क फ्रंट की तो हनी सिंह ने साल 2014 में देसी कलाकार गाया था इसके बाद वह लंबे समय तक गायब रहे और बाद में कुछ गानों में उन्होंने पार्टनर सिंगर्स के साथ सहयोग किया। मौजूदा समय की बात करें तो अब हनी सिंह अपने नए एल्बम '3.0' के साथ वापस आ गए हैं। हनी सिंह ने पिछले साल अपनी पत्नी शालिनी तलवार को तलाक दिया था और इस समय वह टीना थडानी को डेट कर रहे हैं। सिंगर ने उनके साथ अपने गाने 'पेरिस ट्रिप' में काम किया है। हनी सिंह ने एक इवेंट के दौरान अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल किया था और बताया था कि टीना थडानी उनकी गर्लफ्रेंड हैं। दोनों की मुलाकात शूट के सिलसिले में ही हुई थी।

केआरके ने की बॉलीवुड फिल्मों के लिए अनोखा नियम बनाने की अपील, बोले- मुनाफे का 80 प्रतिशत सरकार को जाए

कमाल आर खान को उनके विवादित बोल के लिए जाना जाता है। वह अक्सर बॉलीवुड में सितारों से लेकर निर्माता, निर्देशकों पर भी कटाक्ष करते रहते हैं। केआरके ट्विटर पर काफी एक्टिव रहते हैं और अक्सर कुछ न कुछ ऐसा जरूर कहते नजर आते हैं जिसमें परोक्ष या अपरोक्ष रूप से बॉलीवुड की आलोचना होती है। इसके अलावा वह फिल्मों का सेल्फ रिव्यू भी करते नजर आते हैं। अब केआरके ने बॉलीवुड के लिए सरकार से एक और अनोखा नियम बनाने की अपील की है और इसी के साथ करण जौहर पर तंज भी कसा है।

निर्माता करण जौहर द्वारा पोषित, अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित और आलिया, रणबीर, अमिताभ, नागार्जुन जैसे सितारों से सजी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' ने साल 2022 में शानदार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया था और फिल्म जबरदस्त रूप से सफल हुई, हालांकि इस दौरान कमाल आर खान यानी केआरके अक्सर यह कहते दिखे कि फिल्म का कलेक्शन नकली है। अब इसी पर एक बार फिर से कटाक्ष करते हुए केआरके ने ट्वीट किया है।

सरकार से की बॉलीवुड के लिए ये नियम बनाने की अपील

केआरके ने ट्वीट करते हुए लिखा, सरकार को यह नियम बनाना चाहिए कि एक निर्माता को एक फिल्म से अधिकतम 20% लाभ मिलेगा और अन्य सभी लाभ राशि सरकार को जाएगी। फिर स्वतः ही प्रत्येक निर्माता अपनी फिल्म को सुपरफ्लॉप कहने लगेगा। करण जौहर 'ब्रह्मास्त्र' को ऑल टाइम डिजास्टर कहेंगे, जो सच है।

कमाल आर खान के इस ट्वीट पर यूजर्स मिली जुली प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने केआरके के ट्वीट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, सरकार को क्यों चाहिए। फिल्म व्यवसाय में शामिल हों? क्या वे भी निवेश कर रहे हैं? चापलूसी की हद है भाई। वहीं दूसरे ने लिखा, 20% देने की आवश्यकता नहीं है, इसके बजाय घोषित राशि पर कॉरपोरेट्स पर लागू आयकर लगाया जाएगा। मुझे लगता है कि पर्याप्त है।

मिस्ट्री मैन के साथ नजर आईं स्वरा भास्कर, यूजर्स बोले- 'तुम्हारा बॉयफ्रेंड है?'

अभिनेत्री स्वरा भास्कर अक्सर मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और तमाम मुद्दों पर अपनी राय रखती नजर आती हैं। स्वरा एक बार फिर चर्चा में हैं। हालांकि, इस बार वह अपनी किसी टिप्पणी को लेकर नहीं बल्कि एक तस्वीर को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, हाल ही में स्वरा ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो शेयर की है। इसमें वह मिस्ट्री मैन के साथ नजर आ रही हैं। शख्स का चेहरा नजर नहीं आ रहा है। इस तस्वीर के साथ स्वरा ने जो कैप्शन लिखा है, उसके बाद फैंस उनसे काफी मजेदार सवाल पूछते नजर आ रहे हैं। बता दें कि स्वरा भास्कर अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर ज्यादा बात करती नजर नहीं आती हैं। मगर, उनके हालिया पोस्ट को देखने के बाद अचानक यूजर्स की दिलचस्पी उनकी लव लाइफ में जाग गई है। स्वरा ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीर शेयर की है, उसमें सिर्फ उनके बाल नजर आ रहे हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'यह प्यार हो सकता है।' इसके साथ स्वरा ने ब्लैक हार्ट इमोजी पोस्ट किया है।स्वरा भास्कर के इस पोस्ट पर यूजर्स तरह-तरह के कयास लगाते नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने पूछा, 'क्या ये तुम्हारा बॉयफ्रेंड है?' वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'शायद आप कोई बड़ी खबर शेयर करनी वाली हैं। इंतजार है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'उम्मीद है कि ये तुम्हारा प्यार है।' इतना ही नहीं, कुछ लोग तो बिना सच जाने ही एक्ट्रेस को उनके कथित रिलेशनशिप के लिए बधाईयां भी देते नजर आ रहे हैं। बता दें कि इससे पहले स्वरा भास्कर राइटर हिमांशु शर्मा के साथ डेटिंग की खबरों को लेकर सुर्खियों में रही थीं। मगर, 2019 में दोनों के ब्रेकअप की खबरें सामने आईं। वर्क फ्रंट की बात करें तो स्वरा आखिरी बार बीते वर्ष फिल्म 'जहां चार यार' में नजर आई थीं। जल्द ही वह मर्डर मिस्ट्री फिल्म 'मिमांसा' में नजर आएंगी। इसके अलावा 'मिसेज फलानी' भी उनके हाथ में है।

कब रिलीज होगी रॉकी भाई की 'केजीएफ चैप्टर 3'

साल 2022 में अप्रैल में अभिनेता यश की केजीएफ चैप्टर 2 रिलीज हुई थी। जिसने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। जिसके बाद होम्बले फिल्म के निर्माता विजय किरागंदूर ने एक घोषणा की थी। जैसा कि केजीएफ फिल्म का तीसरा पार्ट बनाने की घोषणा की जा चुकी है। केजीएफ चैप्टर 3 को लेकर निर्माता विजय किरागंदूर ने कहा कि केजीएफ चैप्टर 3 फिल्म जो कि रोस्टर का हिस्सा था। उन्होंने आगे कहा कि वह इस फिल्म को साल 2022 के अक्टूबर या फिर नवंबर की शुरुआत में सिनेमाघरों में लाने की सोच रहे थे। बताया जा रहा है कि इस फिल्म के लिए ही यश ने अपने केजीएफ लुक को नहीं बदला है। उन्होंने उस दौरान बताया था कि साल 2022 में केजीएफ के चैप्टर 3 को लेकर कुछ भी संभव नहीं था।

साल 2026 में रिलीज होगी फिल्म?

निर्माता विजय किरागंदूर का कहना है कि केजीएफ चैप्टर 3 शूटिंग साल 2025 में शुरू होगी। जिसका मतलब यह है कि फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में दिखाई देगी। निर्माता ने बताया कि केजीएफ फ्रेंचाइजी के साथ काम करना जल्द ही चालू करेंगे। इसमें कई पार्ट दिखाए जाएंगे। जैसे कि जेम्स बॉन्ड फ्लिक। यहां तक की फिल्म में मुख्य किरदार के बदलाव पर भी विचार किया जा सकता है। निर्माता ने बताया कि फिल्म के चैप्टर 3 में 70 के दशक का अंत और 80 के दशक की शुरुआत दिखाई जाएगी। इसके अलावा उम्मीद यह भी है कि किरदार की मौत नहीं होगी।

उर्फी जावेद ने की जावेद अख्तर से मुलाकात

फोटो शेयर कर लिखा- आखिरकार आज मेरे दादा जी से मुलाकात हुई

उर्फी जावेद ने हाल ही में गीतकार जावेद अख्तर से मुलाकात की और अपनी सोशल मीडिया स्टोरी पर उनके साथ एक फोटो शेयर की है। इसके साथ ही उर्फी ने इस फोटो को शेयर करते हुए जावेद को अपना दादा जी बताया है। दरअसल जब उर्फी बिग बॉस ओटीटी में शामिल हुई थीं, तब उनके लास्ट नेम के कारण लोग उन्हें जावेद अख्तर की पोती समझने लगे थे।

उर्फी ने इस फोटो को शेयर लिखा, 'आखिरकार आज मेरे दादा जी से मुलाकात हुई। वो एक लीजेंड हैं.. इतनी सुबह कई सारे लोग उनके साथ सेल्फी लेने के लिए लाइन में खड़े थे, लेकिन उन्होंने किसी को मना नहीं किया। उन्होंने सभी के साथ मुस्कुराते हुए बातचीत की। मैं उन्हें देखकर हैरान रह गई।'

उर्फी और जावेद की ये मुलाकात दिल्ली में हुई। इस दौरान उर्फी ने ब्लू ओवरकोट पहना था, वहीं जावेद अख्तर ने ग्रे कुर्ते के साथ कंधे पर शॉल डाला था। फोटो में दोनों मुस्कुराते हुए कैमरे को पोज दे रहे हैं। उर्फी जावेद पर नए साल की शुरुआत पर शिकायत दर्ज हुई थी। ये शिकायत महाराष्ट्र की BJP महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष चित्रा वाघ ने की थी। उन्होंने अपने आरोपों में कहा कि उर्फी मुंबई की सड़कों पर न्यूडिटी फैलाती हैं।

चोट लगने के बाद सेट पर वापस लौटे रोहित शेट्टी

बॉलीवुड के फेमस डायरेक्टर रोहित शेट्टी बीते दिन अपनी अपकमिंग वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स की शूटिंग में घायल हो गए थे, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में सर्जरी भी करवानी पड़ी थी। लेकिन इलाज के कुछ घंटे बाद ही वह सेट पर लौट आए हैं। वहीं सेट पर लौटते ही डायरेक्टर ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को उनके सलामती की दुआ करने के लिए शुक्रिया कहा है। इसी बीच सिद्धार्थ मल्होत्रा ने रोहित का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें सिद्धार्थ कहते दिख रहे हैं, 'हमारे यहां ओजी एक्शन मास्टर हैं, जो एक एक्सीडेंट का शिकार होने के बाद सेट पर वापस लौट आए हैं। जबकि अभी 12 घंटे भी नहीं हुए हैं। वह एक रॉकस्टार की तरह सेट पर वापस आ गए हैं।' इसी वीडियो में रोहित शेट्टी भी अपनी बात कहते हुए दिख रहे हैं।

इस वीडियो को शेयर करते हुए सिद्धार्थ ने कैप्शन में लिखा, 'एक सच्चा गुरु उदाहरण से बनता है। हम सभी रोहित शेट्टी सर के एक्शन के प्रति प्यार और उनके द्वारा निर्देशित स्टंट के प्रति उनके जुनून के बारे में जानते हैं। कल रात कार स्टंट एक्शन पीस खुद करते हुए, वह एक एक्सीडेंट के शिकार हो गए। लेकिन रात की नींद और एक मामूली सर्जरी के बाद वह 12 घंटे से भी कम समय में सेट पर वापस लौट आए हैं। सर, आप हम सभी के लिए एक प्रेरणा हैं। आपको हमारा प्यार और सम्मान'।

वेब सीरीज में नजर आएंगे ये स्टार्स

डायरेक्टर रोहित शेट्टी की वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में कई बॉलीवुड स्टार्स एक साथ नजर आने वाले हैं। इस सीरीज में शिल्पा शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सिद्धार्थ मल्होत्रा लीड रोल में दिखाई देंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस वेब सीरीज की शूटिंग हैदराबाद में चल रही है। अभी तक मेकर्स ने इस बेव सीरीज की रिलीज डेट को लेकर कोई खुलासा नहीं किया हैं। लेकिन इस वेब सीरीज के साथ रोहित शेट्टी ओटीटी की दुनिया में धमाल मचाने वाले हैं।

मिशन मजनूं के लिए सिद्धार्थ-रश्मिका का जज्बा

सिद्धार्थ मल्होत्रा, रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'मिशन मजनूं' 20 जनवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी। इसका पहला प्लस प्वाइंट रॉ एजेंट कहानी और दूसरा म्यूजिक बताया जा रहा है। फिल्म में तीन गाने हैं। इसका निर्देशन शांतनु बागची ने और निर्माण अमर बुटाला, गरिमा मेहता, रोनी स्क्रूवाला ने किया है।

मजनूं की बात करते हैं, तब लोग प्यार और इश्क से कनेक्ट करते हैं। लेकिन इस पिक्चर में देश के मजनूं की बात हो रही है। अपनी कंट्री पर प्राउड फील करते हैं, उसके बारे में बताने की कोशिश कर रहे हैं। फिल्म का टाइटल भी 'मिशन मजनूं' ही रहा है।

नॉर्मली पिक्चर में चार-पांच हीरो के पास जाते हैं, तब जाकर किसी के साथ बात बनती है। लेकिन हम लोगों ने सिद्धार्थ को शुरुआती दिनों में ही कहानी सुनाई थी, तब स्क्रिप्ट लिखी ही जा रही थी। सिद्धार्थ को कहानी अच्छी लगी। हमने शुरुआत सिद्धार्थ से की।

फिल्म में 1970 के दशक के कॉस्ट्यूम, सेट और म्यूजिक होगा:

हीरो के कपड़े, सेट, म्यूजिक आदि उस जमाने के रखे गए हैं। लंबे कालर वाले शर्ट से लेकर बेलबाटम पैंट आदि कॉस्ट्यूम में इस्तेमाल हुए हैं। हमने कोशिश यही की है कि पिक्चर देखते समय दर्शकों को लगे कि 1970 में वापस चले गए हैं। आर्ट डिपार्टमेंट से लेकर कास्ट्यूम, डीओपी सबने कोशिश है कि पिक्चर में करेक्ट पीरियड पकड़ में आए। इसके लिए काफी रिसर्च भी हुई है।

पिक्चर में तीन ट्रैक एक साथ में चलता दिखाई देगा। एक तो तारिक (सिद्धार्थ मल्होत्रा) का मिशन होगा, जो रॉ एजेंट का ट्रैक है। दूसरा तारिक और नसरीन (रश्मिका मंदाना) की लव स्टोरी होगी और तीसरा पॉलिटिकल बैकग्राउंड भी साथ में चलता दिखाई देगा। उस टाइम इंडिया और पाकिस्तान की जो रिलेशनशिप थी, उसका एक अलग ही ट्रैक है।

फिल्म में 70 के दशक के पर्सनैलॉटीज दिखाई देंगे। सपोर्टिंग कास्ट में बहुत ही अच्छे आर्टिस्ट कास्ट किए हैं। परमीत सेठी, सारिब हाशिमी, कुमुद मिश्रा, रजित कपूर आदि की कास्टिंग और परफॉर्म से फिल्म में काफी फर्क पड़ा है।

फिल्म की कहानी

फिल्म की कहानी यह है कि 1971 में जब इंडिया ने वॉर जीता था। उसके बाद पाकिस्तान में न्यूक्लियर बम बनाने की बहुत चहल-पहल चल रही थी। उसी टाइम इंडिया ने अपने रॉ एजेंट को एक मिशन दिया था। उसी पर यह कहानी बेस्ड है। उन्हीं रियल चीजों से इंस्पायर होकर हमने फिल्म बनाई है।

पाकिस्तान आईएसआई हेडक्वार्टर का सेट लगा मुंबई में:

फिल्म की शूटिंग लखनऊ और मुंबई में हुई। मुंबई में फिल्म सिटी के अलावा अलग-अलग लोकेशन पर शूट किया गया है। शूटिंग में 60 से 65 दिन लगे। लखनऊ में लगभग 60-65 फीसदी शूट किया गया, जबकि मुंबई में 30 से 35 फीसदी शूट हुआ। पाकिस्तान के आईएसआई हेडक्वार्टर और प्रधानमंत्री के घर का सेट मुंबई स्थित फिल्म सिटी में लगाया गया।

पिक्चर में सिद्धार्थ जब पाकिस्तान में रहते हैं, तब दर्जी का काम करते हैं। उन्होंने दर्जी की काफी ट्रेनिंग ली। साल 1971 में जो सिलाई की मशीन होती थी, वह कंप्लीकेटेड होती थी। पांव से चलती थी। लेकिन मशीन चलाने से लेकर सुई-धागा से कैसे सिलाई, काज-बटन होती है, उसे सीखने के लिए सिद्धार्थ ने काफी मेहनत की। सिद्धार्थ ने दो-तीन महीने इसकी ट्रेनिंग ली। एक टेलर थे। वे पुरानी मशीन लेकर सिद्धार्थ के घर जाकर उन्हें सिखाते थे। इस पिक्चर में रश्मिका एक ब्लाइंड गर्ल बनी हैं। रश्मिका ने ब्लाइंड एक्सपीरिएंस के साथ लगभग दो सप्ताह मुंबई में ट्रेनिंग ली ताकि ब्लाइंड कैरेक्टर सबसे ज्यादा ऑथेंटिक लगे।

अजीबोगरीब ड्रेस पहनकर पार्टी में पहुंचीं एकता कपूर

ट्रोलर्स बोले- इतने पैसे कमाने का क्या फायदा, जब ढंग के कपड़े नहीं खरीद पाते

फिल्म मेकर एकता कपूर अपने अजीबोगरीब ड्रेसिंग सेंस के लिए जानी जाती है। एकता हाल ही में रिद्धि डोगरा के नए प्रोजेक्ट के लिए उन्हें विश करने पहुंचीं थीं। इस दौरान उन्होंने ऑफ शोल्डर साटन ड्रेस पहना था। एकता के इस आउटफिट का ट्रोलर्स काफी ज्यादा मजाक बना रहे हैं। लोगों का कहना है एकता को एक अच्छे डिजाइनर की जरूरत है।

एक ट्रोलर ने लिखा- 'इतने पैसे होने का क्या मतलब है जब आपको कपड़े पहनने की समझ न हो।'वही एक ने लिखा- 'कुछ लोगों के पास पैसे होते हैं लेकिन ड्रेसिंग सेंस नहीं होता।'वहीं एक ट्रोलर ने लिखा- 'इतना कमा के ये लोग करते क्या हैं जो ढंग के कपड़े नहीं खरीद पाते। बहन कम से कम अच्छे कपड़े पहना करो।'

पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने फिल्ममेकर एकता कपूर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अश्लील कंटेंट परोसने के लिए फटकार लगाई थी। दरअसल, एकता कपूर के खिलाफ बिहार के बेगूसराय में एक पूर्व सैनिक शंभू कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी।

इसके अलावा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी उनके काफी शोज चलते हैं। हाल ही में उन्होंने लॉक-अप का प्रोडक्शन किया था जो काफी ज्यादा पॉपुलर हुआ था। इस शो की होस्ट कंगना रनोट थीं। एकता वेटरन एक्टर जितेन्द्र की बेटी हैं।

उनके भाई तुषार कपूर भी बॉलीवुड के जाने माने एक्टर हैं। टीवी की कई फेमस एक्ट्रेसेस को सफलता का मुकाम हासिल कराने में एकता का बहुत बड़ा रोल रहा है। मौनी रॉय, श्वेता तिवारी और अंकिता लोखंडे जैसी छोटे पर्दे की कई एक्ट्रेस एकता को अपना गॉड फादर मानती हैं।

ऐसे बढ़ाएं अपने बच्चों की याददाश्त, पढ़ाई में बनेंगे अव्वल

बच्चों के विकास के लिए स्वस्थ याददाश्त बेहद जरूरी है। कमजोर याददाश्त पढ़ाई से लेकर सभी क्षेत्र में बच्चों के सीखने और विकास करने की क्षमता को प्रभावित करते हैं। कई बच्चों की याददाश्त काफी कमजोर होती है। वे बचपन से ही चीजों को रख कर भूल जाते हैं। शुरुआत में माता-पिता इस समस्याओं को आम समझकर इग्नोर कर देते हैं, लेकिन बाद में यह चिंता का विषय बन जाती है। अगर शुरुआत में ही इनके उपाय करें तो यह गंभीर रूप नहीं लेती। आज का हमारा लेख भी उन्हीं उपायों पर है। आज हम आपको 10 ऐसे ही टिप्स देने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप अपने बच्चों की याददाश्त को बढ़ा सकते हैं।

लर्निंग को बनाएं मजेदार

बच्चों की लर्निंग क्षमता को बढ़ाने के लिए उसे मजेदार बनाना जरूरी है। बुक से नॉर्मल पढ़ाई से बच्चे बोर होने लगते हैं, जिससे उनका मन पढ़ाई में नहीं लगता। आप बच्चों को लाइब्रेरी ले जाएं और वहां उन्हें विभिन्न बुक के माध्यम से पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही किसी विषय को समझाने के लिए उन्हें साइंस म्यूजियम और आर्ट गैलरी जैसी जगह भी घुमाएं। यह बच्चों की याददाश्त बढ़ाने में मदद करेगी। क्योंकि किसी विषय के विजुअलाइजेशन से बच्चों को वह तेजी से याद होता है। बच्चों के टीवी देखने का टाइम कम करें। इसके बजाय, उन्हें पढ़ने और अन्य बाहरी गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें।

व्यायाम कराएं

व्यायाम करना एक ऐसी आदत है जो हर किसी को करना चाहिए। बच्चे जितनी जल्दी प्रतिदिन व्यायाम करने की आदत विकसित करें, उनके लिए उतना ही अच्छा है। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने से दिमाग को तेज रहने में मदद मिलती है और दिमाग अच्छे से कार्य करता है।

जोर-जोर से पढ़ने की आदत डालें

किसी भी विषय को अगर बच्चे मन में पढ़ेंगे तो उन्हें जल्दी से याद नहीं होगा, वे उस विषय को जल्दी भूल जाएंगे। ऐसे में आप अपने बच्चों से कहें कि वह जो भी कुछ पढ़ रहे हैं उसे जोर जोर से पढ़ें। इससे उन्हें खुद अपनी आवाज सुनाई देगी और याद करने में आसानी होगी। जोर-जोर से पढ़कर याद करने से बच्चों को वह बातें याद रहती हैं।

अच्छा श्रोता बनाएं

कभी-कभी दूसरों की बातों को सुनना भी जरूरी होता है। अगर हम बिना किसी की बात सुने अपनी बात रखेंगे तो हो सकता है कि लोग उसका गलत मतलब निकालें। ऐसे में माता पिता का फर्ज है कि वह अपने बच्चे को एक अच्छा श्रोता बनाएं। इसके लिए वह सबसे पहले अपने बच्चे को अपनी बात को सुनने के लिए प्रेरित करें। ऐसा करने से उनके अंदर न केवल धैर्य का विकास होगा बल्कि वे दूसरों की बातों को सुनेंगे और समझेंगे।

पैटर्न का प्रयोग कर पढ़ाए

बच्चों को पैटर्न का प्रयोग कर पढ़ाना उनकी याददाश्त में सुधार करने का एक अच्छा तरीका है। पैटर्न के माध्यम से आप उन्हें वर्णमाला सीखने से लेकर वस्तुओं को वर्गीकृत करने तक की जानकारी दे सकती हैं। पैटर्न में कोडिंग और उसे श्रेणीबद्ध कर अभ्यास करने से यह लंबे समय तक याद रहता है।

पढ़ाई के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक जरूर लें

लंबे समय तक पढ़ाई के दौरान ध्यान केंद्रित करने के लिए मानसिक विराम लेना जरूरी है। क्योंकि दिमाग को जानकारियां स्टोर करने के लिए थोड़ा समय चाहिए होता है। ब्रेक के दौरान बच्चे पानी पीने, खड़े होने, घूमने, या हल्का व्यायाम जैसे कार्य कर सकते हैं।

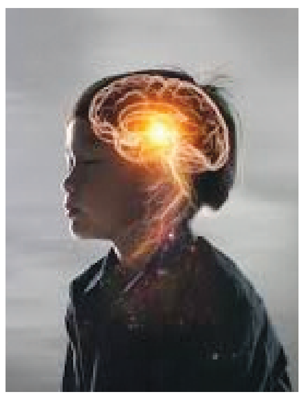

ब्राइट कलर का उपयोग करें

अपने बच्चों को पढ़ाते समय ब्राइट कलर्स का उपयोग करना भी याददाश्त बढ़ाने में मदद करता है। ब्राइट कलर्स एक ऐसी चीज है जो हमारे दिमाग में आसानी से आ जाती है और इसलिए इसे आप बच्चों को कुछ समझाने में जरूर इस्तेमाल करें। विभिन्न ब्राइट कलर्स के साथ प्रमुख घटनाक्रमों को हाइलाइट करना और सिलेबस में स्टिकी नोट्स का उपयोग करना फायदेमंद हो सकता है।

पोषक तत्वों की पूर्ति

जब बच्चे एंटीऑक्सिडेंट और ओमेगा -3 फैटी एसिड से भरपूर संतुलित आहार का सेवन करते हैं तो याददाश्त काफी हद तक बढ़ जाती है। चीनी और उच्च कैलोरी वाले भोजन से बचें। इससे बच्चे की याददाश्त के विकास में और मदद मिलेगी। कुछ रिसर्च यह बताती हैं कि अगर डाइट में विटामिन डी विटामिन b1, b12, b6, आयरन, आयोडीन आदि को जोड़ा जाए साथ ही इन सब के साथ एंटीऑक्सीडेंट तत्व को बच्चों की डाइट में जोड़ा जाए तो इससे उनके सोचने समझने की शक्ति पर प्रभाव पड़ता है।

नींद है जरूरी

अगर आपका बच्चा भरपूर नींद लें तो इससे उसकी स्मरण शक्ति बढ़ सकती है। नींद में बच्चों की सोचने, समझने और याद करने की शक्ति को बढ़ावा मिलता है। ऐसे में अगर बच्चे भरपूर नींद नहीं लेते तो इससे उनकी सोचने, समझने की शक्ति पर प्रभाव पड़ता है।

बच्चों को लेकर जाएं बाहर घुमाने

आपके बच्चे जब बाहर घूमने जाएंगे तो इससे वे नई नई चीजों के बारे में जानेंगे, समझेंगे और उन्हें अपने मन ही मन में बार-बार दोहराएंगे। इससे न केवल उनकी नॉलेज बढ़ेगी बल्कि उनका मानसिक विकास भी होगा। यह प्रैक्टिस बच्चों की स्मरण शक्ति को बढ़ाने में भी मददगार है। ऐसे में बच्चों के दायरे को केवल घर तक सीमित ना रखें। उन्हें बाहर घुमाने भी लेकर जाएं।

एनिमेशन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं

इस डिजिटल दौर में कंपनियां या विभिन्न संस्थाएं प्रचार के कामों में या उत्पादों को बेहतर बनाने में ग्राफिक डिजाइन का इस्तेमाल करती हैं। वहीं, बाहुबली, कुंग फू पांडा और आइस एज जैसी फिल्मों की लोकप्रियता के साथ, एनीमेशन में करियर के बेहतरीन अवसर मौजूद हैं। आज लगभग हर जगह कंप्यूटर ग्राफिक्स का इस्तेमाल होता है। इंजीनियरिंग, फैशन डिजाइनिंग, सिनेमा में एनीमेशन और ग्राफिक डिजाइनिंग का खूब इस्तेमाल होता है। इस डिजिटल दौर में कंपनियां या विभिन्न संस्थाएं प्रचार के कामों में या उत्पादों को बेहतर बनाने में ग्राफिक डिजाइन का इस्तेमाल करती हैं। वहीं, बाहुबली, कुंग फू पांडा और आइस एज जैसी फिल्मों की लोकप्रियता के साथ, एनीमेशन में करियर के बेहतरीन अवसर मौजूद हैं।

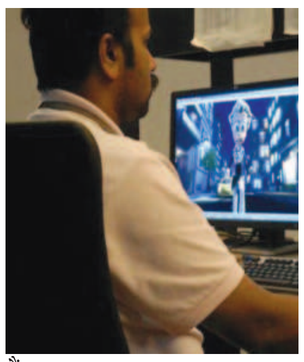

क्या है एनिमेशन

एनीमेशन को एक चरित्र या एक वस्तु के लिए जीवन को साँस लेने की कला के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह मनोरंजन उद्योग और प्रौद्योगिकी का मिश्रण है, जो ग्राफिक रूप से समृद्ध और आकर्षक मल्टीमीडिया क्लिप के डिजाइन, ड्राइंग, लेआउट और उत्पादन से संबंधित है।

योग्यता

एनीमेशन और ग्राफिक डिजाइनिंग के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप 12वीं पास करने के बाद आप ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आजकल कई तरह के प्रोफेशनल कोर्स भी उपलब्ध हैं।

जरूरी कौशल

रचनात्मकता

अच्छा दृश्य कल्पना

CAD का ज्ञान

कलात्मक कौशल

चित्र के माध्यम से विचार व्यक्त करने की क्षमता

कंप्यूटर कौशल

कहाँ मिलेगी नौकरी

एक एनिमेटर के रूप में, आपको निम्नलिखित क्षेत्रों में काम करने का अवसर मिल सकता है:

ऑनलाइन और प्रिंट समाचार मीडिया

कार्टून उत्पादन

विज्ञापन

वीडियो गेमिंग

थिएटर

फिल्म और टेलीविजन

ई-लर्निंग

सैलरी

एक जूनियर एनिमेटर के और पर आप 8000-15000 प्रति माह कमा सकते हैं। वहीं, 3-5 साल के अनुभव के बाद सैलरी बढ़कर 25,000- 75,000 रूपए तक हो सकती है। इसके साथ ही फ्रीलांस के तौर पर भी इस क्षेत्र में आप बहुत पैसा कमा सकते हैं। एनिमेशन की दुनिया में करने के लिए बहुत कुछ है। अगर आपमें हुनर और काम करने की इच्छा है तो आपको देश और विदेश दोनों जगह से काम करने का मौका मिल सकता है।

इतिहास के इन कोर्सेज में बना सकते हैं शानदार कॅरियर

इतिहास में करियर बनाने के लिए आपको 12वीं क्लास के बाद हिस्ट्री में ग्रेजुएशन करना होगा। इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन, एमफिल और पीएचडी कर सकते हैं। इतिहास में कई ऐसे कोर्सेज हैं जहां आप शानदार करियर बना सकते हैं। अगर आपकी रुचि इतिहास में है तो आप इसमें एक शानदार करियर बना सकते हैं। इतिहास में करियर बनाने के लिए आपको 12वीं क्लास के बाद हिस्ट्री में ग्रेजुएशन करना होगा। इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन, एमफिल और पीएचडी कर सकते हैं। इतिहास में कई ऐसे कोर्सेज हैं जहां आप शानदार करियर बना सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको इतिहास के पांच ऐसे कोर्सेज के बारे में बताने जा रहे हैं जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं -

एंथ्रोपोलॉजी

इतिहास में पढ़ाई करने की इच्छा है तो आप एंथ्रोपोलॉजी का कोर्स भी कर सकते हैं। इतिहास में रुचि रखने वाले ज्यादातर छात्रों में यह कोर्स काफी चर्चित है। बतौर एंथ्रोपोलॉजिस्ट आपको अतीत और वर्तमान समाज के साथ मानव के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करना होगा। इसके अलावा आप राजनीति, संस्कृति और भाषा जैसे विषयों का चयन भी कर सकते हैं। इस विषय में आपको विदेशी संस्थानों के साथ मिलकर रिसर्च करने का मौका भी मिल सकता है।

आर्कियोलॉजी

अगर आपकी इतिहास में रुचि है तो आप आर्कियोलॉजी यानी पुरातत्व में पढ़ाई कर सकते हैं। आप ग्रेजुएशन के बाद आर्कियोलॉजी में एमए या रिसर्च कोर्स कर सकते हैं। बतौर आर्कियोलॉजिस्ट आपका काम ऐतिहासिक और प्राचीन धरोहरों की खोज करना होगा। इस फील्ड में आप अनुभव प्राप्त करने कर बाद 50 से 80 हजार रुपए प्रतिमाह कमा सकते हैं।

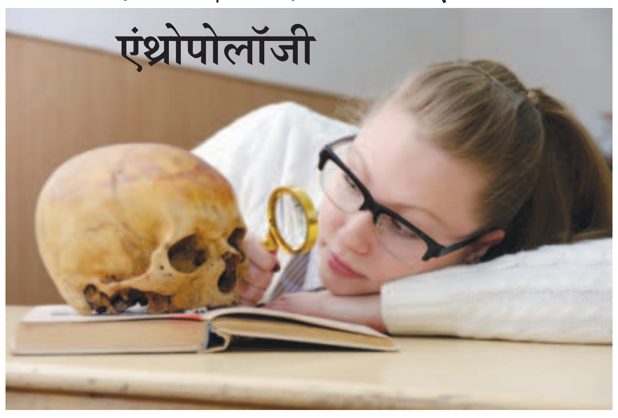

म्यूजियोलॉजी

इतिहास के कोर्स में म्यूजियोलॉजी का कोर्स भी एक बेहतरीन करियर ऑप्शन है। इस कोर्स में संग्रहालय का अध्ययन किया जाता है। आप ग्रेजुएशन के बाद इस कोर्स को कर सकते हैं। इसमें आपको संग्रहालय का इतिहास, कला, चित्रकारी आदि के बारे में विस्तार से बताया जाता है। इस फील्ड में आप देश ही नहीं विदेश के संस्थानों के साथ मिलकर रिसर्च कर सकते हैं। इस फील्ड में अनुभव के साथ अच्छी जॉब और सैलरी भी मिलती है।

फ्रेस्को

इतिहास में फ्रेस्को या आर्ट रीस्टोरेशन का कोर्स भी एक दिलचस्प करियर ऑप्शन है। इस कोर्स में आर्ट को रिस्टोर करना सिखाया जाता है जिससे सांस्कृतिक विरासत को उसके मूल रूप में वापस लाया जा सके। जैसे कि खुदाई के दौरान मिलीप्राचीन मूर्तियों और कृतियों को उनकी मूल अवस्था में वापस लाना।

माइथोलॉजी

अगर आपकी रुचि पौराणिक कथाओं को पढ़ने समझने में है तो आप माइथोलॉजी स्टडीज यानी पौराणिक अध्ययन का कोर्स कर सकते हैं। आज के समय में यह कोर्स युवाओं के बीच काफी चर्चित है।

देश ही नहीं विदेशों में भी कुछ संस्थान इस कोर्स में डिग्री प्रदान करते हैं। अगर आप कोई अलग या अनोखा अनोखा कोर्स करना चाहते हैं तो पौराणिक अध्ययन का कोर्स आपके लिए बेस्ट होगा।

इन टिप्स को अपनाकर अपनी प्रेजेंटेशन स्किल्स को करें मजबूत

चाहे स्कूल-कॉलेज हो या ऑफिस, हर जगह आपको प्रेजेंटेशन देनी होती है इसलिए आपको अच्छी प्रेजेंटेशन देना आना चाहिए। कई लोगों को दूसरों के सामने प्रेजेंटेशन देने में घबराहट होती है और डर लगता है। आज के इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देंगे जिसकी मदद से आप प्रेजेंटेशन देते समय घबराहट महसूस नहीं होगी। आज के समय में आप किसी भी फील्ड में हो, आपको अपनी बात दूसरों के सामने अच्छे ढंग में पेश करना आना ही चाहिए। चाहे स्कूल-कॉलेज हो या ऑफिस, हर जगह आपको प्रेजेंटेशन देनी होती है इसलिए आपको अच्छी प्रेजेंटेशन देना आना चाहिए। कई लोगों को दूसरों के सामने प्रेजेंटेशन देने में घबराहट होती है और डर लगता है। आज के इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देंगे जिसकी मदद से आप प्रेजेंटेशन देते समय घबराहट महसूस नहीं होगी -

प्रेजेंटेशन के विषय को समझें

आप अच्छी प्रेजेंटेशन तभी दे पाएंगे जब आपको अपने विषय की अच्छी समझ होगी। प्रेजेंटेशन देने से पहले अपने विषय को अच्छी तरह समझें और उस पर रिसर्च कर लें।

प्रेजेंटेशन देने से पहले अच्छे से तैयारी करें

कई बार ख़राब प्रेजेंटेशन का कारण कम या अधूरी तैयारी होती है। अगर आप प्रेजेंटेशन देते समय नर्वस होते हैं तो प्रेजेंटेशन की अच्छी तैयारी करें। आप किसी एकांत जगह पर प्रेजेंटेशन की प्रैक्टिस करें। अगर आपकी तैयारी अच्छी होगी तो आप नर्वस नहीं होंगे।

व्यर्थ शब्दों का उपयोग ना करे

अपनी प्रेजेंटेशन के दौरान ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने से बचें, जिनका कोई मतलब न हो। अक्सर लोग प्रेजेंटेशन के दौरान अम्म, हम्म, आ जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे शब्दों के इस्तेमाल से दूसरों पर एक गलत इम्प्रेशन पड़ता है। इससे सामने वाले को लगता है कि आपने अपनी प्रेजेंटेशन के लिए अच्छी तैयारी नहीं की है।

एक अच्छा पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन कैसे तैयार करें

आप अपनी प्रेजेंटेशन को अच्छा बनाने के लिए पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन की मदद ले सकते हैं। आप अपनी ppt में ग्राफ़िक्स, अलग फ़ॉन्ट्स,चार्ट्स आदि का प्रयोग कर सकते हैं। इससे सबको लगेगा कि आपने अपनी प्रेजेंटेशन के लिए अच्छी तैयारी की है और लोग आपकी प्रेजेंटेशन पर ज़्यादा ध्यान देंगे।

शीशे के सामने करें प्रैक्टिस

अगर आप प्रेजेंटेशन के दौरान नर्वस होते हैं तो शीशे के सामने खड़े होकर प्रैक्टिस करें। आप शीशे के सामने खड़े होकर बिल्कुल वैसे ही प्रेजेंटेशन दें, जैसा आप सबके सामने देंगे। इससे आपको अपनी गलतियां पता चलेंगी और आप अच्छी तैयारी कर पाएंगे। आप चाहें तो शीशे के अलावा किसी दोस्त या घर के किसी सदस्य के सामने भी प्रेजेंटेशन देने की प्रैक्टिस कर सकते हैं।

बोर्ड परीक्षा में अच्छे मार्क्स चाहिए तो इन बातों का रखें ध्यान

सीबीएसई, सीआईएससीई समेत स्टेट बोर्ड परीक्षाएं मार्च-अप्रैल 2022 में आयोजित की जाएंगी। परीक्षा शुरू होने में अब कुछ ही समय बचा है। ऐसे में स्टूडेंट्स के लिए लास्ट मिनट की तैयारी बेहद जरूरी होती है। बोर्ड परीक्षा से पहले कुछ असरदार सुझाव आपको आत्मविश्वास से भर सकते हैं, आप बिना टेंशन के अपने एग्जाम की तैयारी और बेहतर तरीके से कर सकते हैं। आज हम भी आपके लिए ऐसे ही कुछ जरूरी सुझाव लेकर आए हैं। तनाव को दूर रखते हुए छात्र नीचे दी गई आसान टिप्स की मदद से अपनी बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं।

सिलेबस का रिवीजन

अगर आपको यह पता है कि आपको असल में पढ़ना क्या है तो आपकी आधी टेंशन अपने आप ही खत्म हो जाएगी। इसलिए सिलेबल का रिवीजन भी बेहद जरूरी है। परीक्षा की तैयारी के दौरान सिलेबस को बार-बार देखते रहें और उतना ही स्टडी मेटेरियल पढ़ें जितना जरूरी हो। ऐसा करने से ना सिर्फ बेहतर तैयारी होगी बल्कि सारे कॉन्सेप्ट अच्छे से याद हो जाएंगे।

अच्छा स्टडी प्लान

एक अच्छा स्टडी प्लान बनाने से पहले, छात्रों को अपने टाइम और टारगेट को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है, खासकर लास्ट मिनट स्टडी के समय। एक स्टडी प्लान न केवल प्रभावी तैयारी सुनिश्चित करता है बल्कि छात्रों को उनके टारगेट स्कोर तक पहुंचने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। जब आप छोटो-छोटे टारगेट के साथ पढ़ाई करते हैं तो आपको प्वॉइंट्स अच्छे से क्लीयर हो जाते हैं और तनाव भी नहीं होता।

मॉडल पेपर की सहायता लें

आखिरी समयय में परीक्षा की बेहतर तैयारी के लिए मॉडल पेपर की सहायता ले सकते हैं। इससे कम समय में परीक्षा की अच्छी तैयारी की जा सकती है। आमतौर पर बोर्ड छात्रों की मदद के लिए अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर मॉडल पेपर्स करते हैं। आप वेबसाइट पर जाकर सब्जेक्ट वाइज मॉडल पेपर डाउनलोड कर सकते हैं।

कमजोर विषय पर ध्यान दें

परीक्षा से पहले आमतौर पर छात्र उन विषयों से घबरा जाते हैं, जिनमें उनकी पढ़ाई कम हुई है या उस विषय में कमजोर हैं। ऐसे में छात्रों को उन विषयों पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। क्योंकि बाकी विषयों में कम पढ़ाई करने पर भी वे अच्छे मार्क्स ला सकते हैं लेकिन एक विषय पूरे रिजल्ट का गणित बिगाड़ सकता है।

स्टेट बैंक के करोड़ों खाताधारक हो जाएं अलर्ट! पासवर्ड बनाते वक्त इन बातों का रखें ख्याल, पैसे रहेंगे सुरक्षित

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भारत समेत पूरी दुनिया में डिजिटलाइजेशन बहुत तेजी से बढ़ा है. इसके साथ ही दुनियाभर में हैकिंग के मामलों में भी तेजी से इजाफा हुआ है. आजकल ईमेल , मैसेज के जरिए खाता हैक कर करोड़ों की ठगी के मामले देखने को मिल रहे हैं. ऐसे में देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक यानी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपने करोड़ों खाताधारकों को अलर्ट किया है. आजकल कई साइबर हैकर्स लोगों को खाता बंद हो जाने की धमकी देकर

उनसे पर्सनल जानकारी प्राप्त कर लेते हैं और खाते को खाली कर देते हैं. ऐसे में स्टेट बैंक ने अपने नेट बैंकिंग के लिए पासवर्ड बनाते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखने की सलाह दी हैं. अगर आप भी 'एसबीआई लाइन पर हैं' यूज करते हैं तो हम आपको स्ट्रॉन्ग पासवर्ड बनाने के आसान तरीकों के बारे में जानकारी दे रहे हैं-

एसबीआई लाइन पर इस तरह बनाएं मजबूत पासवर्ड

आजकल सभी बैंक खाता खोलने के साथ ही अकाउंट होलडर्स को नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग की सुविधा देते हैं. अगर आप भी नेट बैंकिंग का इस्तेमाल कर रहे हैं तो अपना स्ट्रॉन्ग पासवर्ड बनाने के लिए इन बातों का ख्याल रखना बहुत जरूरी है. आइए जानते हैं कि किस तरह मजबूत बना सकते हैं।

गौतम अडानी ने बताया कैसे वो हर रोज कमा लेते हैं 1600 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के तीसरे सबसे अमीर शख्स गौतम अडानी ने बताया कि किस तरह उन्होंने इतनी सफलता हासिल की है। गौतम अडानी कैसे अमीरों की लिस्ट में लगातार छलांग लगा रहे हैं। किस तरह से वो हर रोज हजारों करोड़ रुपये कमा पाते हैं। गौतम अडानी से आप की अदालत टीवी शो में पूछा गया कि वो कैसे हर रोज 1600 करोड़ रुपये कमा लेते हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि वो आंकड़ों के पीछे कभी भागते नहीं हैं। उन्होंने बताया कि जब वो 15 साल के थे तो कुछ ऐसा संयोग बना कि वो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए और उन्हें मुंबई आना पड़ा। बताया कि ये सफर चार साल का रहा और इसके बाद वो

वापस अहमदाबाद आए। गौतम अडानी ने कहा कि मुंबई ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। यहां रहकर उन्होंने सीखा कि हार्ड वर्क कैसे करते हैं। इसके बाद से उनकी बिजनस की जर्नी शुरू हुई।

इस वजह से छोड़ी पढ़ाई

गौतम अडानी शुरू से ही पढ़ाई में काफी होशियार थे। उन्हें गणित में काफी रुचि थी। उन्होंने बताया कि बीच में ऐसे संयोग आए जब उन्होंने कहा कि पढ़ाई को बाद में देखेंगे। इसके बाद वो बिजनस के रास्ते में चले गए। उन्होंने कहा कि पढ़ाई करना बहुत जरूरी है। पढ़ाई लोगों को काफी समझदार बनाती है। उन्होंने कहा कि सफलता रातोंरात नहीं मिलती है। इसके लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। मेहनत और एक्सपीरियंस से काफी सफलता हासिल की जा सकती है। देश के बारे में उन्होंने कहा कि भारत काफी तरक्की कर रहा है। भारत को 1 ट्रिलियन डालर वाली अर्थव्यवस्था बनने में 58 साल लगे, 2 ट्रिलियन डालर तक पहुंचने में 12 साल और लगे, 3 ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था पिछले 5 साल के अन्दर बनी। जिस तरह से हमारे युवाओं की आकांक्षाएं बढ़ रही है, भारत इस वक्त विश्व मे ऐसी स्थिति में है कि सन 2050 तक 30 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था से भी आगे बढ़ जाएगी।

फैमिली ने हमेशा किया सपोर्ट

गौतम अडानी ने बताया कि उनके अंदर शुरू से ही बिजनस करने की इच्छा थी।

वो अपने फैमिली बिजनस के अलावा और बिजनस भी करना चाहते थे। बताया कि उनकी फैमिली ने उन्हें हमेशा सपोर्ट किया और इसी का नतीजा है कि वो बिजनस में इतनी सफलता हासिल कर पाए हैं। उन्होंने बताया कि शुरू में कई मुश्किलें आईं और उन्हें शुरुआत में कई लोगों ने बहुत मदद की।

अपनी सफलता का बताया मंत्र

गौतम अडानी ने इस कार्यक्रम में कई सवालों के जवाब दिए। उनसे पूछा गया कि उनकी संपत्ति इतनी जल्दी कैसे बढ़ जाती है। इस पर अडानी ने कहा कि उनका एक ही मंत्र है- मेहनत, मेहनत और मेहनत। अडानी ने कार्यक्रम में अपने ग्रुप को मिले बैंक कर्ज, इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, मुंद्रा पोर्ट में हजारों करोड़ के नशीले पदार्थों की बरामदगी के साथ ही कृषि कानूनों के बारे में विस्तार से बातें की।

अडानी ने वह किस्सा भी बताया जब मुंबई हमलों के दौरान वे ताज होटल में फंस गए थे।

ट्विटर छंटनी: एलोन मस्क ने एक बार फिर ट्विटर में की छंटनी, कई एक्जीक्यूटिव की गई नौकरी

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। ट्विटर के सीईओ और दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने ट्विटर में एक बार फिर से छंटनी की है। न्यूज एजेंसी ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार एलन मस्क ने ट्विटर के खर्च को कम करने के लिए अपने दो देशों के ऑफिस के दर्जन वर्कर्स को नौकरी से निकाल दिया है। यह देश हैं सिंगापुर और डबलिन । इस छंटनी में कंपनी के कई एग्जीक्यूटिव की भी नौकरी चली गई है। ध्यान देने वाली बात ये है कि इस बार छंटनी ग्लोबल कंटेंट मॉडरेशन की टीम और ट्रस्ट में की गई है जो हेट स्पीच के मामलों को देखती है।वहीं इकोनॉमिक टाइम्स में छपी रिपोर्ट के अनुसार इस बार एलन मस्क ने एशिया पैसिफिक रीजन के साइड इंटीग्रिटी के हेड नूर अजहर बिन अयूब और रेवेन्यू पॉलिसी की सीनियर डायरेक्टर एनालुइसा डोमिंग्वेज़ को नौकरी से बाहर निकाल दिया है। इसके अलावा मस्क ने स्टेट मीडिया, मिस इन्फोर्मेशन पॉलिसी और ग्लोबल अपील में काम कर रहे लोगों को नौकरी से निकाल दिया है। ध्यान देने वाली बात ये है कि कंपनी साल 2022 में पहले ही 50 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी कर चुकी है। इस कारण पहले से ही कर्मचारियों पर काम का बहुत ज्यादा बोझ बढ़ चुका है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	धनु	में	धनु---	05-08	बजे
चंद्र-	कर्क	में	मकर-	07-10	बजे
मंगल	वृष	में	कुंभ -	09-11	बजे
बुध-	धनु	में	मीन...	10-35	बजे
गुरु-	मीन	में	मेष--	12-14	बजे
शुक्र-	मकर	में	वृष--	14-00	बजे
शनि-	मकर	में	मिथुन..	16-01	बजे
राहु-	मेष	में	कर्क...	18-12	बजे
केतु-	तुला	में	सिंह...	20-25	बजे
			कन्या..	21-35	बजे
			तुला	00-41	बजे
			वृश्चिक	02-52	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिर दिशाशूल- पूर्व -कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया- **09 -39** तक उपरान्त तृतीया
मास - माघ कृष्ण पक्ष , सोमवार **Jan 09**
नक्षत्र - आश्लेषा - **09 -00** अहोरात्र तक
योग - विष्कुंभ - **10 - 31** - तक उप प्रीति
करण- गर - **09 - 39** - तक उप- वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - मंगलवार को चौथ व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 08:13 से 09:36 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत.	06:52 - 08:13	शुभ	चंचल	17:53 - 19:33	शुभ
काल.	08:13 - 09:36	अशुभ	रोग	19:33 - 21:10	अशुभ
शुभ.	09:36 - 10:59	शुभ	काल	21:10 - 22:47	अशुभ
रोग	10:59 - 12:23	अशुभ	लाभ	22:47 - 00:23	शुभ
उत्पात	12:23 - 13:47	अशुभ	उत्पात	00:23 - 01:59	अशुभ
चंचल	13:47 - 15:10	शुभ	शुभ	01:59 - 03:37	शुभ
लाभ	15:10 - 16:33	शुभ	अमृत	03:37 - 05:13	शुभ
अमृत	16:33 - 17:53	शुभ	चंचल	05:13 - 06:52	शुभ

आपका राशिफल

मेष — धू धे धो ला ली लू ले लो ञा
आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा । वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है । आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं ।

वृष — ई उ ए जो वा वी वू वे वो
संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी । लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है । इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें । यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

मिथुन — का की कू घ ड झ के को हा
किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा । अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करेंगे।

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है । परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है। आपको इनसे सर्म्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा । पुरानी अधूरी -अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी और आप इन्हें सुलझाए बिना आगे नहीं बढ़ सकते ।

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे |लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे | अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें । अगर आप थोड़ी सी समझदारी से काम लेंगे तो समाधान जल्दी निकलेगा ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ट पे पो
आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आपको ही निभानी है।

तुला — स री रु रे से ता तू ते
आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे । आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता । आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें।

वृश्चिक — तो मा मी मू मे मो य यी यू
गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो । लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी।

धनु — ये यो भा भी मू धा फा ढा भे
आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें ।

मकर — भे जे जी खी खू खो मा मी
अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें ।आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं।

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं । पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं । ,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी । आप विशेष लय में हैं । आज का दिन सार्थक होगा । मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें ।

मीन — ढी दू ध झ ञ दे दो घ घी
पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा। कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

'पेशाब कांड' पर टाटा संस के चेयरमैन ने जताई चिंता

बोले- हम हालात से निपटने में विफल रहे

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। एयर इंडिया के यात्री के पेशाब करने का मामला अब और तूल पकड़ता जा रहा है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन के बाद अब इस मामले में टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि नवंबर में न्यूयार्क से आ रहे एक विमान में एक यात्री के एक साथी महिला यात्री पर पेशाब करने का मामला उनके लिए व्यक्तिगत पीड़ा का विषय है। इससे पहले कल यानी शनिवार को एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने इस पूरे मामले पर माफी मांगी थी। साथ ही उन्होंने चालक दल के चार सदस्यों और एक पायलट के खिलाफ हुई कार्रवाई के बारे में अवगत कराया था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि एयरलाइन उड़ानों में शराब परोसने की नीति की भी समीक्षा कर रही है।26 नवंबर 2022 को न्यूयॉर्क और दिल्ली के बीच संचालित एआई 102 में हुई घटना के मामले में टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने बयान में कहा 'इस पूरे मामले में एयर इंडिया की प्रतिक्रिया बहुत तेज होनी चाहिए थी। हम इस स्थिति को उस तरह से संबोधित करने में फेल रहे हैं जिस तरह से यह होना चाहिए था। इससे पहले एयर इंडिया ने एक बयान में कहा, "एयर इंडिया उड़ान के दौरान उन घटनाओं को लेकर बहुत

चिंतित है जहां हमारे विमान में अपने सह-यात्रियों के निंदनीय कृत्यों के कारण यात्रियों को परेशानी पड़ रही है। हमें खेद है और हम इन अनुभवों से दुखी हैं। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया स्वीकार करती है कि वह इन मामलों को हवा और जमीन दोनों जगहों पर बेहतर तरीके से संभाल सकती थी। वे इस मामले में कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। एयरलाइन की ओर से उपद्रवी यात्री की सूचना कानून प्रवर्तन अधिकारियों को तत्काल नहीं दिए जाने पर उठ रहे सवालों के बीच उन्होंने कर्मचारियों को सलाह दी कि वे किसी भी समझौते पर पहुंचने के बावजूद सभी घटनाओं की रिपोर्ट करें। एयर इंडिया सीईओ ने कहा कि एक जिम्मेदार एयरलाइन ब्रांड के रूप में एयर इंडिया ने घटनाओं और अनियंत्रित यात्रियों से निपटने की नीतियों के बारे में चालक दल की जागरूकता और अनुपालन को मजबूत करने के लिए एक व्यापक शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से अधिक अच्छे तरीके से निपटा जा सके।

भारत में एप्पल खोलने जा रही स्टोर, कर्मचारियों की भर्ती शुरू

रिटेल स्टोर में मिलेगी नौकरी- रिपोर्ट

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)।आज के दौर दुनियाभर की कई टेक कम्पनियां अपने कर्मचारियों की छंटनी कर रही है। धीरे-धीरे ये बड़ी कंपनी कर्मचारियों को किसी न किसी कारणवश नौकरी से बाहर निकाल चुकी है। फेसबुक, ट्विटर, अमेज़न जैसी बड़ी कंपनी वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका को लेकर अपने खर्चे को कम करने में जुटी हुई है। वहीं दूसरी और एप्पल भारत में अपना कारोबार बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। एप्पल बड़ी संख्या में देश के अंदर अपने रिटेल स्टोर खोलने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एप्पल कंपनी ने इसके लिए कर्मचारियों की भर्ती करना शुरू कर दिया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट की मानें तो, एप्पल इंक भारत में रिटेल स्टोर के लिए कर्मचारियों की भर्ती शुरू कर रही है। कंपनी की दूसरी पोजिशंस को भरने की भी योजना बनाई जा रही है। ये टेक

कंपनी भारत में काफी संख्या में स्टोर खोलने जा रही है। कंपनी के करियर पेज में भारत में कामगारों के लिए कई अवसरों की सूची है। इस लिस्ट में बिजनेस एक्सपर्ट, 'जीनियस', ऑपरेशंस एक्सपर्ट और टेक्नीकल स्पेशिलिस्ट शामिल हैं।एपल की वेबसाइट के अनुसार, फिलहाल कंपनी भारत में जॉब पोजिशन के लिए 100 से ज्यादा रिजल्ट दिखा रही है। मुंबई और नई दिल्ली जैसे देश के भीतर विभिन्न स्थानों के लिए शनिवार को कुछ रिटेल जॉब रोल पोस्ट किए थे। कंपनी ने लंबे समय से भारत में फिजिकल रिटेल प्लेस स्थापित करने की योजना बना रही है, जो दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन बाजारों में से एक है। जबकि कंपनी ने 2020 में सीधे ऑनलाइन सेल शुरू की थी।

गजब! 1475 किलो बैंगन बेचने पहुंचे किसान को खुद की जेब से देने पड़ गए 121 रुपये

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। किसान कई तरह की दिक्कतों का सामना कर रहा है। इन दिनों किसानों को दोहरी मार पड़ रही है। एक तो बाजार में सब्जियों के भाव नहीं मिल रहे हैं। सब्जी बेचने में भी कई तरह की परेशानियां आ रही हैं। अभी हाल ही में एक नया मामला सामने आया है। इसमें बैंगन बेचने पहुंचे किसान को मुनाफा होने की जगह अपनी जेब से ही रुपये भरने पड़ गए हैं। किसानों का कहना है कि मांग से कम सब्जी होने के बावजूद उन्हें भाव नहीं मिल पा रहा है। किसानों का कहना है कि सब्जियों के भाव मंडी में डिस्प्ले होने चाहिए। किसानों का आरोप है कि मांग के बावजूद भी सब्जियों के दाम पिछले एक से डेढ़ माह से कम होते जा रहे हैं। आइए आपको बताते हैं क्या है मामला।

किसान के हिस्से में आई माइनस बिलिंग

मामला छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले का है। महासमुंद के एक किसान ने 1485 किलो बैंगन बेचने के लिए थोक सब्जी मंडी रायपुर भेजा। पूरा बैंगन 2475 रुपये में बिका। सब्जी व्यापारी ने 2200 रुपये भाड़ा, 198 रुपये हमाली और 198 रुपये कमीशन के साथ कुल 2596 रुपये का बिल काटकर किसान को थमा दिया। व्यापारियों का कहना है कि बाजार में मांग से ज्यादा सब्जियों की आपूर्ति होने से रेट नहीं मिल रहा है। वहीं ऊपर से मौसम की मार ने किसानों की हालत पस्त कर दी है। दुर्ग, रायनांदगांव, रायपुर से लेकर बस्तर तक के सब्जी उत्पादक अपनी उपज की लागत तक नहीं निकल पाने से परेशान हैं। दुर्ग में कई किसानों ने अपने खेतों में ही टमाटर की फसल फेंक दी है।

मांग ज्यादा होने के बाद भी गिर रहे हैं दाम

किसानों का कहना है कि इस बार सब्जियों के दामों में एक नई चीज देखने को मिली है। मांग के लगातार बढ़ने और आपूर्ति कम होने के बाद भी ताजी सब्जियों के दाम माह-डेढ़ माह से कम होते जा रहे हैं। अब हालत ये है कि किसानों को सब्जी बेचने के बाद माइनस में बिल भरना पड़ रहा है। किसानों के लिए राहत के उपाय नहीं किए गए तो हालत और खराब होगी। लगातार आसमान में बादल छाए हुए हैं। इसके चलते टमाटर के फल जल्दी पक कर तैयार हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में इन दिनों टमाटर की आवक पहले की तुलना में बढ़ गई है। मंडियों में खरीदार नहीं मिलने से किसान प्रोसेसिंग प्लांट को देने के लिए पके हुए टमाटर को तोड़कर कैरेट में रख रहे हैं। लेकिन वहां से भी गाड़ी उपलब्ध नहीं हो पाने से टमाटर रखे-रखे खराब हो रहे हैं। अब हाल ये है कि कई किसानों ने टमाटर को खेतों में फेंक दिया है। ग्राम जाताधर्रा के किसान मोहन यादव ने बताया कि 1000 कैरेट टमाटर तोड़कर रखे हुए हैं। इन टमाटर को अगर खुद की गाड़ी से लेकर जाते हैं तो प्लांट में 3 दिन तक गाड़ियां खड़ी रहने से भाड़े का पैसा नहीं मिल पा रहा है। वहीं फूलगोभी और पत्तागोभी की भी कीमत नहीं मिलने पर कई किसान खड़ी फसल को जोतकर उखाड़ रहे हैं।

नये साल में हजारों लोगों की नौकरी पर खतरा!

गूगल समेत कई टेक कंपनियां कर सकती हैं बड़ी छंटनी

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के कई टेक कंपनियों के लिए नया साल अच्छा नहीं रहा है। साल 2023 में कंपनियों को प्रदर्शन खराब होने की चिंता सता रही है। हाल ही में दुनिया की दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की सॉफ्टवेयर और एंटरप्राइज कंपनी ने अपने 25,000 कर्मचारियों की छंटनी का आदेश दिया है। इसके साथ ही दुनिया की कई टेक कंपनियों में छंटनी की घोषणा की गई है। इसके अलावा लेऑफ ट्रैकिंग वेबसाइट वित्तीय वर्ष के अनुसार 28,000 हजार से अधिक कर्मचारियों की 1 से 5 जनवरी, 2023 के बीच छंटनी की गई है। वहीं पिछले साल यानी 2022 में टेक कंपनियों ने 17,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार महामारी की शुरुआत से कुल 15,31,10 तकनीकी कर्मचारियों की नौकरी गई थी जो नवंबर के

महीने में बढ़कर 51,489 छंटनी पर पहुंच गई है। इसमें फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा, ट्विटर, ओरेकल, नविडा, स्नैप, उबेर आदि जैसी कई तकनीकी कंपनियों के नाम शामिल है।दुनिया की बड़ी टेक कंपनी गूगल भी जल्द एक बार फिर अपने कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है। सूचना की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी अपने कम से कम 6 फीसदी स्टाफ की छंटनी कर सकती है। ऐसे में कम से कम 11,000 कर्मचारियों के रोजगार पर खतरा मंडरा रहा है। इसके साथ ही गूगल स्टाफ को रेटिंग के अनुसार ही बोनस और अन्य सुविधाएं मिलेगी। इससे कंपनी कर्मचारियों को दिए जाने वाले बोनस और सैलरी पर बचाव करने की कोशिश कर रहा है। इसके साथ ही गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने हाल ही में कहा था कि वह अपनी कंपनी में छंटनी करके उसे 20 फीसदी तक ज्यादा कुशल रूप से चलाना चाहते हैं। दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट भी अपने कई कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी 1,000 लोगों को नौकरी से निकाल सकती है। वहीं एप्पल का मार्केट कैप एक साल के निचले स्तर पर गया है। कंपनी साल 2021 से अब तक मार्केट कैप 1 ट्रिलियन डॉलर तक नीचे तक आ गया था। कंपनी की सबसे बड़ी फैक्ट्री चीन के झेंग्झौ में स्थित है जिसमें अब 90 फीसदी तक का काम दोबारा चालू हो चुका है। हाल ही में इस फैक्ट्री में मजदूरों के प्रदर्शन के कारण आईफोन प्रोडक्शन का काम बंद हो गया था, लेकिन अब फॉक्सकॉन ने उसे दोबारा शुरू कर दिया है।

2022 में एफपीआई ने भारतीय बाजार से निकाली इतनी बड़ी रकम कि जानकर लगेगा झटका

बीते हफ्ते की 5900 करोड़ की बिकवाली

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के कई देशों में कोविड संक्रमण के मामले बढ़ने और अमेरिका में मंदी की चिंता के बीच जनवरी के पहले हफ्ते में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजारों से 5,900 करोड़ रुपये निकाले हैं। पिछले कुछ हफ्तों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय बाजारों को लेकर सतर्क रुख अपनाया हुआ है।कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च (रिटेल) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि आगे चलकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि की चिंता के अलावा ग्लोबल स्तर पर ऊंची ब्याज दरों और तीसरी तिमाही के कंपनियों के नतीजे कमजोर रहने की संभावना से एफपीआई के रुख में उतार-चढ़ाव रहेगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक दो से छह जनवरी के दौरान एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों से शुद्ध रूप से 5,872 करोड़ रुपये निकाले हैं।वास्तव में एफपीआई पिछले लगातार 11 सत्रों से बिकवाल बने हुए हैं। इस दौरान उन्होंने 14,300 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। इससे पहले

एफपीआई ने दिसंबर में शेयरों में 11,119 करोड़ रुपये और नवंबर में 36,239 करोड़ रुपये डाले थे।कुल मिलाकर बीते साल यानी 2022 में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों से शुद्ध रूप से 1.21 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व और अन्य केंद्रीय बैंकों द्वारा आक्रामक तरीके से ब्याज दरों में वृद्धि, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, जिंसों के ऊंचे दाम और रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से बीते साल एफपीआई बिकवाल रहे।मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, दुनिया के कुछ हिस्सों में कोविड संक्रमण फिर फैलने और अमेरिका में मंदी की चिंता की वजह से एफपीआई भारत जैसे उभरते बाजारों से दूरी बना रहे हैं।

चीन में कोहरे के कारण दिल दहला देने वाला सड़क हादसा, 17 की मौत

बीजिंग, 8 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में एक भीषण सड़क हादसे में कई लोग काल के गाल में समा गए. पूर्वी चीन में रविवार (8 जनवरी) को एक सड़क दुर्घटना में 17 लोगों की मौत हो गई और 22 लोग घायल हो गए. जानकारी के मुताबिक, ये भीषण सड़क हादसा पूर्वी चीन के जियांगशी प्रांत में हुआ है. चीन की सरकारी मीडिया स्टेट ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी ने सड़क दुर्घटना को लेकर जानकारी दी है. स्टेट ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी ने स्थानीय अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया है कि दुर्घटना में 17 लोगों की मौत हो गई, वहीं, 22 लोग घायल हो गए हैं. सभी घायलों को अस्पताल भेजा गया है.

हरियाणा के मंत्री पर सेक्सुअल हैरेसमेंट केस

पंजाब-हरियाणा के राज्यपाल से मिलेगी आप; मांगा समय, सीएम ने लिया खेल विभाग

चंडीगढ़, 8 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मंत्री संदीप सिंह पर जूनियर महिला कोच के सेक्सुअल हैरेसमेंट के आरोप मामले में विपक्षी दल हमलावर हैं। आम आदमी पार्टी ने संदीप सिंह की मंत्री पद से बर्खास्तगी की मांग की है। साथ ही पंजाब-हरियाणा के राज्यपाल मिलने के लिए समय मांगा है। वहीं मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने संदीप सिंह से खेल विभाग वापस ले लिया है।

सीएम वापस ले चुके हैं खेल विभाग

जूनियर महिला कोच के आरोपों से घिरे हरियाणा के मंत्री संदीप सिंह से मुख्यमंत्री मनोहर लाल खेल विभाग वापस ले चुके हैं। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। अब मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को खेल और युवा मामलों का पोर्टफोलियो आवंटित किया गया है। नोटिफिकेशन के अनुसार राज्य मंत्री संदीप सिंह खेल और युवा मामलों के पोर्टफोलियो का संचालन नहीं करेंगे।

मुख्यमंत्री संदीप सिंह को दे चुके क्लीन चिट

हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह और जूनियर महिला कोच के विवाद में मुख्यमंत्री मनोहर लाल पहले ही क्लीन चिट दे चुके हैं। उनका कहना है कि महिला कोच अनर्गल बयान दे रही है। आरोप लगाने से कोई दोषी साबित नहीं होता उसकी पुलिस छानबीन करती है। इसके बाद ही यह सिद्ध होता है कि जो आरोप लगाए गए हैं वह सही है या नहीं।

आप-इनेलो हमलावर

मंत्री संदीप सिंह की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी को लेकर विपक्षी दल सरकार पर हमलावर हैं। आप ने अपनी मांगों को लेकर संदीप सिंह की कोठी का घेराव करने का प्रयास किया। वहीं इनेलो ने हरियाणा के राज्यपाल से मुलाकात कर जूनियर महिला कोच को न्याय दिलाने के लिए 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है।

पानीपत जेल डीएसपी के बेटे को टोल पर पकड़ा

पिता का आई-कार्ड दिखा रहा था; हेड कॉन्स्टेबल बोला- जहां ड्यूटी वहीं कैदी बन जाओगे

पानीपत, 8 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत पुलिस के सिंघम के नाम से मशहूर हेड कॉन्स्टेबल आशीष कुमार एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इन दिनों उनकी सोशल मीडिया पर एक वीडियो खूब वायरल हो रही है। दरअसल, उनकी ड्यूटी शहर से बाहर जीटी रोड पर बाबरपुर ट्रैफिक थाने में लगी हुई है। ड्यूटी के दौरान उन्होंने टोल प्लाजा पर पुलिस, आर्मी का कार्ड दिखाकर फ्री में टोल क्रॉस करने वालों पर भी शिकंजा कस दिया है। इसी बीच उन्होंने पानीपत जेल के डीएसपी जोगेंद्र देशवाल के बेटे की भी गाड़ी को पकड़ा है। उनका बेटा भी कार्ड दिखाकर टोल क्रॉस कर रहा था। डीएसपी के बेटे ने फोन पर अपने पिता की आशीष से बात करवाई तो आशीष ने उन्हें कहा कि जिस जेल के आप डीएसपी हैं, उसी जेल में बंद हो जाओगे। क्योंकि इस तरह कार्ड का प्रयोग खुद के अलावा दूसरे को करने के लिए दोगे, तो यह गैर कानूनी है। इस बारे में ईएचसी आशीष ने कहा कि वह अभी और सख्ती बढ़ाएंगे। एक दिन में 10 आई कार्ड पकड़े हैं। जिसमें सेना के जवान, डीएसपी, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर समेत अन्य रैंक शामिल थी। सभी कार्ड जब्त कर लिए हैं। पहली बार वॉर्निंग देकर छोड़ा है।

मेक्सिको सिटी में बड़ा हादसा

दो मेट्रो ट्रेन आपस में टकराई, 1 की मौत- 57 जख्मी

मेक्सिको सिटी, 8 जनवरी (एजेंसियां)। मेक्सिको सिटी में बड़ा हादसा हुआ है. जानकारी के मुताबिक, मेक्सिको सिटी में मेट्रो लाइन 3 पर शनिवार को दो ट्रेनों के बीच आपस में टक्कर हो गई है. इस दुर्घटना में बड़ा नुकसान हुआ है. दो मेट्रो ट्रेनों के टकराने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि 57 लोग जख्मी बताए जा रहे हैं. वहीं, कई लोग ट्रेन में फंस गए. सूचना के बाद तुरंत ही इमरजेंसी सेवा की टीम घटनास्थल पर पहुंची. मेक्सिको स्थित अखबार 'एल यूनिवर्सल' ने मेक्सिको सिटी सरकार के प्रमुख क्लाउडिया शिनबाउम का हवाला देते हुए बताया कि मेट्रो ट्रेनों के बीच ये हादसा ला रजा और पोट्रेरो स्टेशनों के बीच हुआ.

मेक्सिको सिटी में बड़ा हादसा

मेक्सिको स्थित समाचार पत्र 'एल यूनिवर्सल' के मुताबिक, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए क्लाउडिया शिनबाउम ने बताया कि सभी घायलों को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है. हादसे में एक महिला की मौत हो गई है. क्लाउडिया ने ट्रेन की टक्कर में मरने वाली युवती के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है. शिनबाउम के अनुसार, घायल हुए लोगों में ट्रेन का ड्राइवर सबसे गंभीर रूप से जख्मी है.

दो ट्रेनों के बीच टक्कर

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रेन में फंसे चार लोगों को बचा लिया गया और उन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. क्लाउडिया शिनबाउम ने एक ट्वीट में घटना की जानकारी देते हुए कहा, मेट्रो लाइन 3 पर दो ट्रेनों के बीच टक्कर हो गई. साइट पर आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध हैं. सरकार के सचिव, नागरिक सुरक्षा टीम, आपदा मैनेजमेंट और मेट्रो के निदेशक मौके पर पहुंच गए हैं."

आपदा प्रबंधन टीम मौके पर

क्लाउडिया शिनबाउम ने एक अन्य ट्वीट में कहा, मैंने नागरिक सुरक्षा सचिव को लाइन 3 पर घटना की जल्द से जल्द रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है. मैं उनके साथ संपर्क में हूं. मैं पोट्रेरो मेट्रो स्टेशन पर हूं, जहां दुर्घटना हुई थी. हम आपको जल्द ही और जानकारी प्रदान करेंगे. मेरे साथ छह कैबिनेट सचिव और गुस्तावो ए मैडेरो, फ्रांसिस्को चिगुइल के मेयर भी हैं.

हरियाणा के शिक्षा विभाग का अजीब फरमान

कर्मचारियों से पूछी शादी की तारीख; नहीं बताने पर रुक जाएगा इस महीने का वेतन

चंडीगढ़, 8 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के उच्च शिक्षा विभाग (डीएचई) के एक फरमान को लेकर कर्मचारी काफी परेशान हैं। विभाग ने सरकारी कॉलेजों में तैनात कर्मचारियों से उनकी शादी की तारीख पूछी है। तय समय में यह जानकारी नहीं देने वाले कर्मचारियों का वेतन एचआरएमएस पोर्टल पर तैयार नहीं किया जाएगा। इसके लिए डीएचई की ओर से सभी प्रिंसिपलों को दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। विभाग के जारी आदेश में लिखा है कि सभी प्रिंसिपलों अपने कर्मचारियों की वैवाहिक स्थिति (शादी की तारीख, अगर शादी की है) की डेट, जिस श्रेणी में उन्हें भर्ती किया गया है। साथ ही सभी प्रिंसिपलों को यह भी कहा गया है कि यह जानकारी उन्हें इसी माह एचआरएमएस पोर्टल पर अपडेट करनी होगी। यह पहली बार है जब कर्मचारियों से शादी की तारीख पूछी गई है। इससे पहले सभी कर्मचारियों से मैरिटल स्टेटस की जानकारी ही मांगी जाती थी।

राष्ट्रगान के वक्त दक्षिणी सूडान के राष्ट्रपति ने की पैंट में पेशाब

वीडियो सामने लाने के लिए छह पत्रकार गिरफ्तार

खार्तूम, 8 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तरी अफ्रीकी देश दक्षिणी सूडान में एक विवादित फुटेज सामने आने के बाद छह पत्रकारों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वीडियो में दक्षिणी सूडान के राष्ट्रपति पैंट में पेशाब करते नजर आ रहे हैं। पिछले महीने एक इवेंट में नेशनल एंथम के दौरान राष्ट्रपति सलवा कीर की पैंट पर एक काला धब्बा फैलता देखा गया और फर्श पर एक बड़ा गीला निशान बन गया। छड़ी के सहारे खड़े 71 वर्षीय नेता अपने नीचे जमीन पर बने निशान को देखते हैं जिसके बाद कैमरा आगे बढ़ जाता है। इस वीडियो को शेयर करने के लिए छह पत्रकारों को जेल भेज दिया गया है। खबर के अनुसार देश के पत्रकारों की यूनियन ने बताया कि इस फुटेज के लिए छह पत्रकारों को हिरासत में ले लिया गया है जो साउथ सूडान ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन के लिए काम करते थे। उन्हें मंगलवार और बुधवार को गिरफ्तार किया गया। यूनियन के अध्यक्ष पैट्रिक ओयेट ने पत्रकारों के नाम कैमरामैन जोसेफ ओलिवर और मुस्तफा उस्मान, वीडियो एडिटर विक्टर लाडो, कंट्रीब्यूटर जैकब बेंजामिन और चेरबेक रूबेन और जोवल टूम्बे बताया है। ओयेट ने कहा कि हम सब चिंतित हैं क्योंकि जिन्हें गिरफ्तार किया गया है, वे कानून से ज्यादा समय से अंदर हैं। दक्षिणी सूडान का कानून कहता है कि जज के सामने पेश होने से पहले लोगों को अधिकतम 24 घंटे तक हिरासत में रखा जाता है। कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स ने कहा कि दिसंबर में सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो को लेकर पत्रकारों की जांच चल रही है। जुलाई 2011 में सूडान से अलग होने के बाद से दक्षिणी सूडान की कमान 71 साल के कीर के हाथों में है। कमेटी के सब-सहारा अफ्रीकी प्रतिनिधि मुथोकी मुमो ने कहा कि जब भी अधिकारियों को कोई कवरेज प्रतिकूल लगती है तो वे मनमाने तरीके से गिरफ्तारी का सहारा लेते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को इन छह पत्रकारों को बिना शर्त रिहा करना चाहिए. साथ ही यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे बिना किसी धमकी या गिरफ्तारी के डर के काम कर सकें। दक्षिणी सूडान के सूचना मंत्री माइकल मक्यूई ने वॉयस ऑफ अमेरिका रेडियो से कहा कि लोगों को यह जानने के लिए इंतजार करना होगा कि पत्रकारों को क्यों हिरासत में लिया गया है।

20 साल बाद रिहा हुई क्यूबा की यह जासूस

अमेरिकी खुफिया एजेंसी को चकमा दे बन गई थी एनालिस्ट

वाशिंगटन, 8 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी में एनालिस्ट का पद हथियाने वाली क्यूबा की एक जासूस को यूएस प्रशासन ने 20 साल से अधिक समय तक जेल में रखने के बाद रिहा कर दिया है। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि उनके देश को क्यूबा की इस जासूस ने सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया था। उसने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को भी चकमा दे दिया था। अमेरिकी डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी में काफी समय तक इस जासूस ने एनालिस्ट बनकर काम किया और इस दौरान उसने अमेरिका से जुड़ी सारी खुफिया जानकारियां हासिल कर ली थी। वर्ष 2001 में अमेरिका ने क्यूबा की इस महिला जासूस को गिरफ्तार किया था। तब तक उसने अमेरिका के खुफिया अभियानों को पूरी तरह उजागर कर दिया था। इससे अमेरिकी खुफिया विभाग के होश उड़ गए थे। अब अमेरिका ने क्यूबा की जासूस एना मोटेंस को 20 साल से ज़्यादा समय तक जेल में रखने के बाद छोड़ दिया है। एना को अमेरिका की गिरफ्त में आने वाली शीत युद्ध की सबसे बेहतरीन जासूस माना जाता है। 65 वर्षीय एना मोंटेस ने दो दशक तक क्यूबा के लिए जासूसी की है। मगर लंबे समय तक अमेरिकी खुफिया विभाग को इसकी भनक भी नहीं लग सकी।

हिजाब विरोधी प्रदर्शनों में शामिल दो और लोगों को दी गई फांसी

अर्धसैनिक बल के जवान की हत्या का था आरोप

दुबई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान की सरकार हिजाब विरोधी आंदोलन में शामिल प्रदर्शनकारियों को चुन-चुनकर फांसी दे रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दो और प्रदर्शनकारियों को फांसी दे दी गई। इनकी पहचान मोहम्मद करमी और मोहम्मद हुसैनी के रूप में की गई है। इन पर हिजाब विरोधी प्रदर्शन के दौरान एक अर्धसैनिक बल की कथित रूप से हत्या का आरोप साबित हुआ था। इसे देश की व्यवस्था को चुनौती देने वाला अपराध माना गया। गौरतलब है कि ईरान पुलिस की हिरासत में महसा अमिनी की मौत के बाद देशभर में बड़े पैमाने पर आंदोलन हुए थे। इसी दौरान तीन नवंबर 2022 को तेहरान के बाहरी शहर कारज में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक सदस्य रूहोल्लाह अजामियन की हत्या कर दी गई थी। इस हत्या के लिए मोहम्मद करमी (22) और सैय्यद मोहम्मद हुसैनी (20) को दोषी ठहराया गया। तीन अन्य को भी इसी मामले में मौत की सजा सुनाई गई है, जबकि 11 को जेल की सजा मिली है।

16 लोगों को सुनाई गई मौत की सजा

हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि किस अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। लेकिन मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि कम से कम 16 लोगों को विरोध प्रदर्शनों से जुड़े आरोपों में बंद कमरे में हुई सुनवाई के दौरान मौत की सजा सुनाई गई। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के अनुसार, ईरान में 517 प्रदर्शनकारी मारे गए हैं और 19,200 से अधिक गिरफ्तारियां हुई हैं।

पाकिस्तान में नसीब नहीं दो जून की रोटी, रावलपिंडी में 15 केजी गेहूं की कीमत पहुंची 2250 रु

रावलपिंडी, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की आर्थिक हालत बद से बदतर होती जा रही है। वहां गरीबी और भुखमरी का आलम यहां तक पहुंच गया है कि करीब आधे पाकिस्तानी परिवारों की दो जून की रोटी तक नसीब नहीं हो रही है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि गेहूं की कीमत 5,000 रुपये प्रति मन पर पहुंचने के साथ, रावलपिंडी के खुले बाजार में आटा की दर 150 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। पाकिस्तान में एक एक्स मिल रेड फ्लोर बैग 11,650 रुपए में मिल रहा है। एक एक्स-मिल मैदा की बोरी का रेट बढ़कर 13 हजार रुपए हो गया है। पाकिस्तान फ्लोर मिल्स एसोसिएशन (पीएफएमए) के मुताबिक, खुले बाजार में गेहूं का आधिकारिक कोटा कम था और गेहूं 5,400 रुपये प्रति मन बेचा जा रहा था। रावलपिंडी के नानबाई एसोसिएशन ने कहा है कि अगर कीमतों पर काबू नहीं पाया गया तो एसोसिएशन रोटी के दाम फिर से 5 रुपये बढ़ाने पर मजबूर हो जाएगा। पूरे लाहौर में साबुत अनाज के चक्की के आटे की कीमत बढ़कर 145 रुपये प्रति किलो हो गई है। प्रदेश की राजधानी में अलग-अलग ब्रांड का आटा 130 रुपए किलो बिक रहा है।

बाढ़ के कहर से अभी नहीं उबरा पाकिस्तान

पीड़ितों के लिए मदद की दरकार- पीएम शहबाज ने बताया कितने रुपये की है जरूरत

इस्लामाबाद, 8 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आर्थिक तंगी से सरकार से लेकर आम लोगों तक का हाल बेहाल है. पाकिस्तान के लोग हर दिन गरीबी और भुखमरी से पैदा हुई मुश्किलों का सामना कर रहे हैं. वहीं, पिछली गर्मियों में आई बाढ़ से देश अभी तक नहीं उबरा है. देश की एक बड़ी आबादी बाढ़ से अभी तक प्रभावित है. पीएम शहबाज शरीफ ने इन बाढ़ पीड़ितों की मदद के अंतरराष्ट्रीय समुदाय से समर्थन की गुहार लगाई है. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि देश को पिछले साल की बाढ़ पीड़ितों की छोटी और लंबी अवधि की जरूरतों को पूरा करने के लिए करीब 30 बिलियन अमरीकी डॉलर की जरूरत है. प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि पिछले साल आई बाढ़ की वजह से 17,00 लोगों की जान चली गई थी. वहीं, 33 मिलियन (3 करोड़ 30 लाख) से अधिक लोग प्रभावित हुए थे. देश में हजारों की संख्या में बाढ़ पीड़ित अंतरराष्ट्रीय डोनर की दया पर निर्भर रहे. शहबाज शरीफ की यह टिप्पणी सोमवार को जिनेवा में पाकिस्तान और संयुक्त राष्ट्र की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित किए जा रहे एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से पहले आई है.पीएम शहबाज शरीफ का लेख पाकिस्तान के पीएम शरीफ ने लिखा है कि सम्मेलन में प्रस्तुत किए जाने वाले बाढ़ के बाद के पुनर्निर्माण और पुनर्वास के लिए एक व्यापक रोडमैप विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र और एशियाई विकास बैंक की सहायता से विकसित किया गया है. उन्होंने कहा कि रोडमैप अनिवार्य रूप से बाढ़ के कहर से निपटने के लिए मददगार साबित होगा. पाकिस्तान के पीएम ने बताया कि बाढ़ प्रभावितों की जरूरतों और उनके पुनर्वास से संबंधित चुनौतियों से निपटने के लिए तीन सालों की अवधि में 16.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की न्यूनतम धनराशि की जरूरत होगी. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने संसाधनों से आधा धन जुटाएगा लेकिन द्विपक्षीय और बहुपक्षीय भागीदारों की सहायता पर भी भरोसा है. पाकिस्तान न केवल बाढ़ से, बल्कि जलवायु परिवर्तन की वजह से भी मुश्किल का सामना कर रहा है.

सुन लो सरकार! जिस बोरवेल में गिरकर एक साल पहले बच्चा मर गया था

वह आज तक जस का तस खुला है, मुआवजा भी नहीं मिला

उमरिया, 8 जनवरी (एजेंसियां)। उमरिया जिले के बड़छड ग्राम में बीते साल 24 फरवरी को एक पांच साल का बच्चा गौरव द्विवेदी 200 फीट गहरे बोरबेल में गिर गया था। 18 घंटे तक चले एनडीआरएफ के रेस्क्यू के बाद बच्चे का मृत अवस्था में शव मिला था। रेस्क्यू के दौरान मृत बच्चे के पिता के खेत में 200 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया था, जो आज भी खेत में मौजूद है। पीड़ित परिवार अपने चार साल के बच्चे को खोने की वजह से तो सदमे में था ही, लेकिन प्रशासन की अमानवीयता में परिवार के लिए और मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। घटना को 11 महीने बीत जाने के बाद न तो खेत में किए गए गड्ढे को सही ठंग से भरा गया और न ही परिवार को किसी तरह की आर्थिक सहायता दी गई है। बताते चलें, लगभग 18 घंटे तक चले रेस्क्यू के दौरान दर्जनों किसानों के खेतों में खड़ी फसल नष्ट हो गई थी। कलेक्टर कृष्ण देव त्रिपाठी ने बताया कि जल्द ही ग्राम पंचायत को गड्ढा भरवाने के निर्देश दिए जाएंगे।

ट्रेन से गिरकर यात्री का पैर कटा, घायल को मालगाड़ी से लाया गया दमोह

दमोह, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दमोह जिले के घटेरा स्टेशन पर रविवार सुबह एक यात्री ट्रेन में चढ़ते समय नीचे गिर गया, जिससे वह ट्रेन की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका एक पैर कट गया। इसके बाद घायल को मालगाड़ी से दमोह स्टेशन लाया गया और वहां से 108 की सहायता से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल मुकेश सिंह (26) पिता मलू सिंह निवासी सगोनी ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ गुजरात से अपने घर सगोनी जा रहा था। बीना स्टेशन से उसने अपनी ट्रेन बदली और बीना कटनी ट्रेन से परिवार के साथ गांव के लिए रवाना हुआ। घटेरा स्टेशन पर वह किसी कार्य से उतर गया, तभी ट्रेन चलने लगी। जैसे ही वह ट्रेन में चढ़ा तो हाथ फिसलने से वह नीचे गिर गया और पैर के ऊपर से ट्रेन निकल गई, जिससे एक पैर कट गया। बता दें कि हादसे के बाद वह बेहोश हो गया। ट्रेन आगे बढ़ गई, इसी दौरान मालगाड़ी आ रही थी, जिसके गार्ड ने उसे घायल देखा तो मालगाड़ी में रखकर दमोह स्टेशन लाया गया।

कोविड सुनामी के बीच चीन ने खत्म किया क्वारंटाइन नियम

दुनिया की तरफ बढ़ रहा है बड़ा खतरा

बीजिंग, 8 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में इस समय कोविड-19 की सुनामी आई हुई है। इसी सुनामी के बीच रविवार से चीन में विदेशी यात्रियों के लिए क्वारंटाइन नियम को खत्म कर दिया गया है। तीन साल से चीन में क्वारंटाइन अनिवार्य था। देश में कोविड के केसेज में तेजी से इजाफा हो रहा है। अथॉरिटीज ने पिछले दिनों तय किया था कि रोजाना मरीजों की संख्या जारी नहीं की जाएगी। दिसंबर में ही चीन ने सख्त जीरो कोविड नीति को खत्म किया और इसके बाद तो जैसे संक्रमण अनियंत्रित ही हो गया। भारी प्रदर्शनों के चलते चीन को कोविड नीति को खत्म करने का फैसला लेना पड़ा। चीनी विशेषज्ञों के मुताबिक जीरो कोविड नीति की वजह से अर्थव्यवस्था बुरी तरह से चौपट हो गई थी। मार्च 2020 से कोविड नीति के तहत पर्यटकों के लिए सरकारी केंद्रो पर चीन आने वाले यात्रियों के लिए क्वारंटाइन अनिवार्य किया था। इस क्वारंटाइन की समय सीमा पहले घटाकर तीन हफ्ते की गई और फिर इसे नवंबर में पांच दिनों का कर दिया गया था। इस नियम के खत्म होने के बाद चीनी नागरिकों में विदेश जाने की होड़ सी मच गई। ट्रैवल वेबसाइट्स भी यात्रियों के सवाल जवाब से भर गईं। मगर करीब एक दर्जन देशों ने चीन से आने वाले यात्रियों के लिए कोविड टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। चीन इस समय कोविड के सबसे खराब संक्रमण से जूझ रहा है। इस महीने चीनी नया साल शुरू होने वाला है और माना जा रहा है कि स्थिति और खराब हो सकती है। इस दौरान लाखों चीनी नागरिकों के विदेश जाने की उम्मीद जताई जा रही है। ये यात्री उन शहरों से भी हैं जहां पर कोविड की सबसे ज्यादा मार पड़ी है। दूसरे देशों की तरफ से चीन के यात्रियों पर लगाए गए प्रतिबंधों को चीन ने अस्वीकार्य कर दिया है। चीन ने इस बीच दूसरे देशों की तरफ से लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों को अस्वीकार्य करार दिया है। जबकि चीन ने विदेशी पर्यटकों और अंतरराष्ट्रीय छात्रों के आने पर रोक लगाई हुई है। एशिया में चीनी पर्यटकों के आने को लेकर कई तरह की तैयारियां की गई हैं। चीन के कब्जे वाला हांगकांग भी रविवार से पूरी तरह से खुल गया है।

हांगकांग का बाजार इस समय मंदी के दौर से गुजर रहा है। हांगकांग से आने वाले यात्रियों को रवाना होने 48 घंटे पहले निगेटिव कोविड टेस्ट मुहैया कराना होगा। इन सबके बीच चीनी अथॉरिटीज ने तय किया है कि 1000 ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट्स को सस्पेंड किया जाएगा जिन्होंने कोविड नीतियों की आलोचना की थी। चीन की पॉपुलर वाइबो पर 1120 अकाउंट्स के खिलाफ एक्शन लिया गया है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से चीन में कोविड आंकड़ों पर चिंता जताई गई है। चीन में आधिकारिक तौर पर कोविड से 17,500 लोगों की मौत हुई है।

जब स्पेन की एक डांसर बनी कपूरथला की महारानी

सुंदरता देख हैदराबाद के निजाम भी हार गए थे दिल, जिन्ना का भी रहा है खास कनेक्शन

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क) पंजाब का शहर कपूरथला कभी अपने आप में एक भरा-पूरा रियासत हुआ करता था। कपूरथला रियासत पर साल 1772 से अहलूवालिया सिख सरदारों का शासन रहा है। इस रियासत पर सिख महाराजाओं की कई पीढ़ियों ने शासन किया है। कपूरथला रियासत के आखिरी महाराजा जगतजीत सिंह थे। उनके शासन काल में ही कपूरथला रियासत की महारानी स्पेन की एक क्लब डांसर बनी थी।

सन 1906 की बात है। स्पेन के महाराजा अल्फोंसो द थर्टीन की शादी हो रही थी। शादी में दुनिया भर से मेहमानों को बुलाया गया था, जिसमें कपूरथला के महाराजा जगतजीत सिंह का नाम भी शामिल था। एक शाम जगतजीत सिंह मेड्रिड (स्पेन की राजधानी) के एक मशहूर क्लब 'कुरसाल फ़रंटन' पहुंचे। वहां उन्होंने एक 16 साल की एक स्पेनिश लड़की डांस करते देखा। लड़की का नाम अनीता डेलगाडो ब्रियोन्स था। अनीता की खूबसूरती को देखकर जगजीत सिंह अपना दिल दे बैठे। तब जगतजीत सिंह 34 साल के एक शादीशुदा राजा थे। अगली सुबह कपूरथला के महाराजा अपनी आलीशान गाड़ी में उस स्पेनिश डांसर के घर पहुंचे। वहां उन्होंने लड़की को अपने दिल की बात बताई और वापस आ गए।

कुछ दिन बाद महाराजा का सचिव शादी का आधिकारिक प्रस्ताव लेकर लड़की के घर पहुंचा। लेकिन लड़की के ईसाई माता-पिता ने सिख महाराजा के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। अब सवाल उठता है कि फिर शादी कैसे हुई? इस सवाल के जवाब तक पहुंचे, उससे पहले लड़की और उसके परिवार के बारे में जान लेते हैं।

अनीता डेलगाडो ब्रियोन्स का जन्म 8 फरवरी 1890 को स्पेन के बहुत छोटे शहर मलागा में हुआ था। अनीता अपनी एक बहन के साथ इसी शहर में बड़ी हो रही थी। माता-पिता मलागा में एक छोटा कैफे चलाया करते थे। कैफे में जुआ भी खेला जाता था। लेकिन सन् 1900 में एक रोज

स्पेन के राजा ने जुआ पर प्रतिबंध लगा दिया।

अनीता के परिवार को मलागा छोड़ मेड्रिड में शिफ्ट होना पड़ा। पिता घर चलाने के लिए संसाधन जुटाने में लगे थे। वह लगातार नौकरी की तलाश कर रहे थे। इधर घर की हालत खराब होती जा रही थी। ऐसे में अनीता और उनकी बहन ने भी पैसा कमाने की ठानी।

उनके पड़ोस में एक व्यक्ति बहुत बढ़िया फ्लेमेंको डांस किया करता था। दोनों बहनों ने उसी से मदद मांगी और मुफ्त में डांस सीख लिया।

पिता को जब इसकी भनक लगी तो वह नाराज हुए। वह नहीं चाहते थे कि उनकी बेटियां क्लब में मर्दों के सामने नाचें। लेकिन घर चलाने के लिए कुछ न कुछ तो करना ही था। इसलिए दोनों बहनों ने क्लब में नाचना शुरू कर दिया। इसी काम को करते हुए कपूरथला के महाराजा ने अनीता को देखा और दिल दे बैठे। अनीता के पिता शादी के लिए राजी नहीं थे। लेकिन जगजीत सिंह ने परिवार के सामने एक ऐसा प्रस्ताव रख दिया कि शादी के लिए अनीता के पिता भी राजी हो गए।

क्या था वह ऑफर?

जगतजीत सिंह ने अनीता के साथ शादी के बदले परिवार को एक लाख पाउंड देने का वादा किया। यह इतनी बड़ी रकम थी कि अनीता के पिता की ना तुरंत हां में बदल गयी। हालांकि शादी के लिए कुछ जरूरी चीजें होनी बाकी थीं। महाराजा जगतजीत सिंह ने अनीता को शाही तौर तरीका सीखने के लिए पेरिस भेजा, जहां उनका अपना आलीशान महल था। अनीता ने पेरिस में कई महीनों की ट्रेनिंग ली।

उन्हें पांच भाषाएं सिखाई गई। स्केटिंग, टेनिस और डांस सिखाया गया। गाड़ी चलाना सिखाया गया। जब अनीता की शाही तौर तरीकों की ट्रेनिंग पूरी हो गयी, तब उन्हें साल 1907 में भारत लाया गया। 28 जनवरी 1908 को महाराजा जगतजीत सिंह और अनीता डेलगाडो ब्रियोन्स की सिख परंपरा से शादी हुई। इसके बाद अनीता जगतजीत सिंह की पांचवीं पत्नी बन गयीं और उनका नाम प्रेम कौर हो गया। बाद में दोनों को एक बेटा भी हुआ, जिसका नाम अजीत सिंह रखा गया।

हैदराबाद के निजाम का आया दिल

स्पेन की लड़की के कपूरथला की महारानी बनने की चर्चा पूरे भारत में थी। एक बार हैदराबाद के निजाम ने महारानी प्रेम कौर को अपने यहां आने का निमंत्रण भेजा। जब महारानी हैदराबाद पहुंची, तो उन्हें देखते निजाम अपना दिल हार बैठे। हालांकि महारानी के शादीशुदा होने के कारण उन्हें खुद को काबू में रखना पड़ा। लेकिन उन्होंने प्रेम कौर के आवभगत में कोई कमी नहीं की।

जब मोहम्मद अली जिन्ना ने छुड़ाया राजा-राजी का झगड़ा

शादी के एक दशक बाद जगतजीत सिंह और प्रेम कौर के बीच मतभेद होने लगे थे। एक बार लंदन के एक होटल में दोनों के बीच खूब बहस भी हो गयी थी। तब उसी होटल में ठहरे मोहम्मद अली जिन्ना ने बीच बचाव किया था।

दरअसल मोहम्मद अली जिन्ना और कपूरथला के महाराजा जगतजीत सिंह दोस्त थे। शादी के 16 साल बाद 1925 में जब जगतजीत सिंह और प्रेम कौर अलग हुए, तब जिन्ना ने महाराजा के जायदाद में महारानी को भरपूर हिस्सा दिलवाया।

प्रेम कौर को भारी दौलत मिली, जिसके साथ वह यूरोप में ही शिफ्ट हो गयीं। 7 जुलाई 1962 को मैड्रिड में निधन से पहले प्रेम कौर ने अपनी सारी संपत्ति बेटे अजीत सिंह के नाम कर दी। उधर जगतजीत सिंह ने एक और विदेशी महिला से अपनी छठी शादी की। आज़ादी के बाद कपूरथला रियासत का भारत में विलय हो गया और 1949 में जगतजीत सिंह की मौत हो गयी।

मिलेट पर सीएम का पीए को पत्र

कोदो–कुटकी–रागी को पीडीएस में शामिल करने की मांग, कहा– मध्यान्ह भोजन, पोषण आहार में भी इस्तेमाल हो

रायपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मिलेट फसलों के उत्पादन एवं उपभोग को बढ़ावा देने की पहल करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने पत्र में 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम' अन्तर्गत वितरित किये जाने वाले अनाजों, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, महिला बाल विकास विभाग के पोषण आहार तथा आश्रम-छात्रावासों के छात्रों को दिये जा रहे रियायती अनाज में 20 से 25% मात्रा मिलेट की शामिल करने का भी सुझाव दिया है।

मुख्यमंत्री ने केन्द्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों को मिलेट फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर संग्रहण करने के संबंध में निर्णय लेने का आग्रह किया है। इसके अलावा राज्य सरकारों को रियायती दर पर अनाज वितरण तथा पोषण आहार से संबंधित योजनाओं में उपयोग हेतु रियायती दर पर मिलेट देने का निर्णय लेने का भी सुझाव दिया है। मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा, संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारत

सरकार की पहल पर वर्ष 2023 को 'अन्तरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष' घोषित किया है। एनीमिया एवं कुपोषण के नियन्त्रण में मिलेट की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। पिछले कुछ वर्षों में विपणन व्यवस्था के अभाव में मिलेट फसलों के उत्पादन में कमी आयी है।

मुख्यमंत्री ने लिखा, उचित होगा कि ₹राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम' के तहत वितरित किये जाने वाले अनाजों, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, महिला बाल विकास विभाग से दिये जा रहे पोषण आहार तथा आश्रम-छात्रावासों के छात्रों को दिये जा रहे रियायती अनाज में 20 से 25% मात्रा मिलेट फसलों की हो।

केन्द्र सरकार अगर राज्य सरकारों को मिलेट फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर संग्रहण करने एवं पीडीएस आदि में उपयोग हेतु रियायती दर पर देने का निर्णय लिया जाये तो इससे मिलेट के उत्पादन एवं उपभोग में अभूतपूर्व वृद्धि हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से संबंधित विभागों को उपरोक्तानुसार निर्णय करने के निर्देश प्रसारित करने का आग्रह किया है।

छत्तीसगढ़ में अपनी कोशिशों की जानकारी भी दी

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में मिलेट को बढ़ावा देने के उपायों की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, छत्तीसगढ़ राज्य में मिलेट फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु 'मिलेट मिशन' की स्थापना हुई है।

राज्य में पैदा होने वाले कोदो, कुटकी एवं रागी का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर इनके संग्रहण एवं विपणन की पुख्ता व्यवस्था की गयी है। राज्य में इन मिलेट उत्पादकों को 9,000 रुपए प्रति एकड़ 'इनपुट सब्सिडी' भी दी जा रही है। देश के किसी भी राज्य में मिलेट फसलों के उत्पादकों को इतनी अधिक सहायता नहीं दी जा रही। इन कारणों से विगत 02 वर्षो में राज्य में मिलेट फसलों के रकबे एवं उत्पादन में दो गुना से अधिक वृद्धि हुई है।

विधानसभा में मिलेट का भोज दे चुके हैं मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन मोटे अनाजों का भोज आयोजित हुआ था। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आमंत्रण पर मंत्रियों-विधायकों ने बुधवार को मिलेट्स से बने व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

मिलेट्स लंच के मेन्यु में रागी का सूप, रागी के पकोड़े, कोदो के भजिये, बाजरा और गुड़ के पुये, कुटकी के फरे, रागी, कुटकी के चीले, बाजरे की कढ़ी, लाल भाजी, जिमी कांदा, कोदो का वेज पुलाव, ज्वार, बाजरा, रागी के रोटी और पराठे का सभी ने स्वाद लिया। इसके साथ ही रागी, कुटकी का कप केक, रागी का हलवा और कोदो की ड्राई फ्रूट्स खीर भी परोसी गई।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान भी उठी थी बात

पिछले महीने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान भी मिलेट मिशन की बात उठी थी। प्रधानमंत्री ने शहरों में मिलेट कैफे खोलने का सुझाव दिया था। चार जनवरी को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री क सलाह पर जल्दी ही मंत्रालय और संभागीय शहरों के सी-मार्ट में मिलेट्स कैफे खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा, इस कैफे में कोदो-कुटकी और रागी से बने व्यंजन उपलब्ध होंगे।

छत्तीसगढ़िया ओलिंपिक के फाइनल्स शुरू

क्लस्टर से राज्य स्तर तक के हर विजेता को नकद पुरस्कार, मुख्यमंत्री बोले- अधिकारियों ने कंजूसी कर दी थी

रायपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़िया ओलिंपिक के फाइनल प्रतियोगिताओं का रविवार को आगाज हो गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर के बलवीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने क्लस्टर स्तर से राज्य स्तर की प्रत्येक प्रतियोगिता में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। अभी तक केवल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विजेताओं को नकद पुरस्कार देने का प्रावधान था।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, भेंट-मुलाकात के दौरान कई प्रतिभागी उनसे मिलने पहुंचे थे। वहां बात आई कि क्लस्टर और जिला स्तरीय प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार नहीं मिला। मुख्यमंत्री बोले, अधिकारियों ने ईनाम राशि घोषित करते समय थोड़ी कंजूसी कर दी थी। आज यहां से घोषणा करता हूं कि क्लस्टर, ब्लॉक, जिला, संभाग से राज्य स्तर तक की प्रतियोगिता में जो भी प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार पाया है, उसको नकद पुरस्कार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, एससीएस मैडम (खेल एवं युवा कल्याण विभाग की अपर मुख्य सचिव रेणु पिल्लै) भी यहीं हैं।

'डबल इंजन की सरकार ट्रबल बन चुकी'

सीएम भूपेश बोले–हिमाचल में ये फेल हो गई, शाह ने गिनाए थे केंद्र–राज्य में बीजेपी सरकार होने के फायदे

रायपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कोरबा की जनसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा के चुनावी अभियान का आगाज किया। उन्होंने वहां डबल इंजन का फायदा गिनाया। कहा, केंद्र और राज्य दोनों में भाजपा की सरकार होगी तो वे छत्तीसगढ़ गठन के सपने को तेजी से पूरा कर पाएंगे। इधर रायपुर में केंद्रीय गृह मंत्री को विदा करने पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, डबल इंजन की सरकार ट्रबल इंजन बन चुकी है।

रायपुर हवाई अड्डे के बाहर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, डबल इंजन की सरकार को हिमाचल वालों ने इन्कार कर दिया। डबल इंजन की सरकार फेल हो चुकी है। वह चलने वाली नहीं है यह सब जान चुके हैं। पुरानी पेंशन लागू नहीं कर पाये, किसानों को दाम नहीं दे पाये। छत्तीसगढ़ की जनता जान चुकी है कि यह डबल इंजन, ट्रबल इंजन है।

अगले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में जीत के दावे पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, पिछली बार शाह साहब ने भाजपा के लिए 65 पार की बात कही थी। उस समय मैंने कहा था कि वे अपने लिये नहीं कह रहे हैं, वह हमारे लिए कह रहे हैं। हुआ यही कि हम 68 पार कर गये। अब तो 71 हमारे हैं। 2023 भी हमारा है,

2024 भी हमारा होगा। जनता जान चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा, एनडीए की सरकार के 2024 में 10 साल पूरा होंगे। महंगाई, बेरोजगारी से सब त्रस्त हैं। जो वादे केंद्र सरकार ने किये थे, वह रोजगार की बात है वह लोगों को कहीं दिखाई नहीं दे रहा है। महंगाई से लोग परेशान हैं। मैं समझता हूं कि 2023 हम जीतेंगे, 2024 में हम सभी लोकसभा सीट जीतेंगे।

चार साल में क्या किया, इसका जवाब भी दिया

अमित शाह ने कोरबा में सवाल उठाया था कि कांग्रेस ने चार साल में क्या किया है। इसके जवाब में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, सबको मालूम है कि चार साल में कांग्रेस ने क्या किया। भेंट-मुलाकात में हम तो जनता से ही पूछते हैं कि शासन की योजनाओं का लाभ मिला कि नहीं मिला। गोधन न्याय योजना का लाभ मिला कि नहीं मिला, राजीव गांधी किसान न्याय योजना का लाभ मिला कि नहीं मिला। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल में आपके बच्चे जा रहे हैं कि नहीं। हाट-बाजार क्लिनिक योजना का लाभ ले रहे हैं कि नहीं। सारी योजनाओं का लाभ लोग ले रहे हैं। जनता खुद बता रही है। छत्तीसगढ़ के लोग तो जानते ही हैं। दिल्ली के लोग भी जानना चाहें तो जनता से पूछ लें।

डीएमएफ में भ्रष्टाचार के आरोपों पर कहा, पिछली सरकार में तो स्वीमिंग पूल बनता था

डीएमएफ की राशि में भ्रष्टाचार के आरोपों पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, भाजपा के प्रदेश के नेता अपने राष्ट्रीय नेताओं को गलत सूचनाएं दे रहे हैं। इसी वजह से ऐसी बात हो रही है। डीएमएफ की बात है तो पिछली सरकार ने उसके पैसे से क्या हो रहा था? उससे कलेक्टर आफिस में लिफ्ट लगता था। अधिकारियों के बंगले में स्वीमिंग पूल बनता था। इस सरकार में आम जनता, गरीबों, आदिवासियों के लिए बनी योजनाओं पर खर्च हो रहा है। लोग उसका लाभ भी ले रहे हैं। अब दंतेवाड़ा की बात करें, बीजापुर की बात करें पूरे प्रदेश में डीएमएफ के काम देख लीजिए। इनके पास कोई मुद्दा नहीं है। तो बस आरोप लगा दीजिए। केंद्र के नेताओं को प्रदेश भाजपा के नेताओं के चक्कर में नहीं आना चाहिए।

शाह को भेंट किया कोदो-कुटकी के उत्पाद

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शनिवार शाम राजिम से लौटकर सीधे रायपुर हवाई अड्डे पहुंचे। वहां उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ में मिलेट्स से बने उत्पाद भेंट किये। छत्तीसगढ़ की संस्कृति पर आधारित एक कलाकृति भी उन्हे स्मृति स्वरूप भेंट की। इस दौरान उन्होंने सरकार की कुछ योजनाओं और कार्यक्रमों की बावत भी बातचीत की है।

जामताड़ा में अवैध लॉटरी कारोबार का पर्दाफाश

डियर नागालैंड, डियर हुगली, डियर हंक नाम की नकली लॉटरी टिकट में पैसे गंवा रहे झारखंड-बंगाल बॉर्डर के लोग, पुलिस ने गैंग को दबोचा

जामताड़ा, 7 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद जिले के जामताड़ा और पश्चिम बंगाल बॉर्डर इलाके के रहने वाले लोगों की मेहनत की कमाई इन दिनों डियर नागालैंड, डियर हुगली, डियर हंक नाम के नकली टिकट की भेंट चढ़ता जा रहा है। इस इलाके में इन दिनों हर दिन तकरीबन पांच हजार नकली लॉटरी टिकट बिकता है। पुलिस ने ऐसे नकली लॉटरी टिकट बेचने वाले गिरोह के सदस्यों को धर दबोचा है। पुलिस के मुताबिक इन नकली लॉटरी टिकट बेचने वालों का नेटवर्क बंगाल के साथ-साथ झारखंड, ओडिसा, बिहार में भी फैला हुआ है। पुलिस गिरोह के लोगों को रिमांड पर लेकर इनसे अन्य सदस्यों के बारे जानकारी ले रही है।

असली टिकट के झांसे में फंसते हैं लोग

बताते चलें कि इन बॉर्डर इलाके में नागालैंड और पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से संचालित लॉटरी टिकट प्रचलित है। अपराधी इन्हीं सरकारी टिकटों की तरह की नकली लॉटरी टिकट छापते हैं और फिर लोगों के बीच बेचते हैं। लोगों के बीच हर दिन इस बात का प्रचार किया जा रहा है कि कोई न कोई करोड़ों रुपये का मालिक बन रहा है। नकली लॉटरी टिकट बेचने वालों ने इस मौके का फायदा उठाया है। पुलिस ने जिन लोगों को पकड़ा है, उन लोगों ने बताया कि डियर नागालैंड, डियर हुगली, डियर हंक नाम से फर्जी टिकट बेचकर करोड़ों की कमाई की है।

नकली टिकट बेचने वाले 12 लोगों को पुलिस ने दबोचा

आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के तहत जमुरिया थाना क्षेत्र से 10 और आसनसोल क्षेत्र से दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने पुलिस को बताया कि प्रतिदिन लगभग पांच हजार नकली लॉटरी टिकट बेचने का काम करते हैं। पिछले कई महीने से क्षेत्र में लगभग हर जगह इन फर्जी टिकटों की बिक्री कर रहे थे। जमुरिया पुलिस इस गिरोह का पता लगाने में सफल रही है।

धनबाद के तोपचांची बाजार में बम ब्लास्ट

बाइक की डिक्की में रखा था बम

सब्जी बेच रहीं 4 महिलाओं समेत 5 घायल

धनबाद, 7 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद के तोपचांची स्थित बाजार में रविवार करीब पौन तीन बजे बम ब्लास्ट हुआ है। इस हादसे में 4 महिलाओं समेत 5 लोग घायल हुए हैं। सभी को धनबाद मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए लाया गया है।

प्रत्यक्षदर्शी और एक व्यक्ति बाइक की डिक्की में बम लेकर सब्जी खरीदने आया था। इसी बीच डिक्की में बम फट गया। बम फटने से सब्जी बेच रहीं चार महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। एक सब्जी खरीदने आया व्यक्ति घायल हो गया। सभी घायलों को शधनबाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। इस हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर घटनास्थल को सील कर दिया है।

15 जनवरी तक सभी स्कूलों के पांचवीं क्लास की छुट्टी

शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने दिया आदेश, तत्काल प्रभाव से होगा लागू

रांची, 7 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य में जारी ठंड के कहर को देखते हुए सभी श्रेणी के स्कूल, जहां पांचवीं तक की पढ़ाई होती है अब 15 जनवरी तक बंद रहेंगे। यह आदेश आज शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

बताते चलें कि इससे पहले तीन जनवरी को शिक्षा मंत्री के आदेश से आठ जनवरी तक के लिए स्कूलों को बंद किया गया था। कल यानी सोमवार से सभी स्कूल खुलने वाले थे। इस बीच लगातार मौसम में आ रही गिरावट को देखते हुए पांचवीं कक्षा तक के स्कूलों को 15 जनवरी तक बंद रखने का आदेश दिया गया है।

राजस्थान कांग्रेस की वेबसाइट पर अब भी अजय माकन प्रभारी

2 महीने बाद भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की तस्वीर नहीं, रंधावा भी नहीं दिख रहे वेबसाइट पर

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भले ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बन गए हों, राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी भले ही सुखजिंदर सिंह रंधावा को बना दिया गया हो, मगर राजस्थान कांग्रेस की अधिकारिक वेबसाइट अभी भी खड़गे को अध्यक्ष और रंधावा को प्रभारी नहीं मानती है। राजस्थान कांग्रेस की अधिकारिक वेबसाइट rajpcc.com के होम पेज पर कहीं भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे नहीं हैं।

कांग्रेस की वेबसाइट के होम पेज पर एक तरफ जहां पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की तस्वीरें हैं। वहीं दूसरी तरह पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व प्रभारी अजय माकन की तस्वीरें हैं।

कांग्रेस ने पिछले महीने 5 दिसम्बर को सुखजिंदर सिंह रंधावा को प्रदेश कांग्रेस का प्रभारी नियुक्त किया था। इस दौरान भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस में ही थी। इससे पहले कांग्रेस के प्रभारी अजय माकन ने इस पद से इस्तीफा दे दिया था। ऐसे में माकन की जगह कांग्रेस ने रंधावा को प्रभारी नियुक्त कर दिया था। रंधावा के प्रभारी बने 1 महीने से ज्यादा हो गया मगर अब भी पीसीसी की वेबसाइट पर प्रभारी के रूप में अजय माकन का ही फोटो है। वहीं रंधावा कहीं भी नजर नहीं आते हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे भी होमपेज पर कहीं नहीं

इसके अलावा कांग्रेस की वेबसाइट के होमपेज पर मल्लिकार्जुन खड़गे भी दिखाई नहीं पड़ते हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे 19 अक्टूबर को कांग्रेस के नए अध्यक्ष चुन लिए गए थे। 26 अक्टूबर को अधिकारिक रूप से उन्होंने प्रभार ग्रहण कर लिया था। इस बात को भी लगभग 2.5 महीने होने आए मगर अबतक राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मल्लिकार्जुन खड़गे राजस्थान कांग्रेस की वेबसाइट पर नजर नहीं आते हैं।

लगातार अपडेट हो रहे सोशल पेज

वेबसाइट को देखने पर पता चलता है कि इसकी वर्किंग लगातार हो रही है। ऐसा नहीं कि वेबसाइट अपडेट नहीं हो रही हो। पीसीसी राजस्थान की वेबसाइट पर पीसीसी का ट्विटर और फेसबुक पेज हायपरलिंक है। वेबसाइट पर सोशल पेज लगातार अपडेट हो रहा है। इसमें कुछ मिनटों और घंटों पहले के ट्विट और फेसबुक पोस्ट लगातार अपडेट हो रहे हैं। मगर इसके बावजूद होम पेज पर जरूरी अपडेट नहीं हो पाई है।

वेबसाइट पर सबकुछ है, सभी नेताओं की तस्वीरें हैं : प्रभारी

कांग्रेस के पीसीसी सचिव और मुख्यालय प्रभारी ललित तुनवाल से जब इस बारे में बातचीत की तो उन्होंने कहा कि कांग्रेस की वेबसाइट पर सबकुछ है। ऐसा नहीं कि हमने कांग्रेस की वेबसाइट पर प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और मल्लिकार्जुन खड़गे की तस्वीरें नहीं हैं। शायद कोई दूसरी वेबसाइट होगी। हमारी वेबसाइट पर सबकुछ है।

राजस्थान में जानलेवा बना कोहरा

गंगनहर में गिरी कार; 3 लोगों की मौत

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में शनिवार देर रात कोहरे के चलते एक कार गंगनहर में गिर गई जहां कार में बैठे तीन लोगों की मौत हो गई है. बताया जा रहा है कि भयानक हादसा कोहरे के चलते हुआ. जानकारी के मुताबिक जब तक कार को बाहर निकाला जाता तब तक तीनों की मौत चुकी थी. राजस्थान में जानलेवा बना कोहरा, गंगनहर में गिरी कार; 3 लोगों की मौतकार गिरने के बाद मौके पर मची अफरातफरी

राजस्थान से कड़ाके की सर्दी का सितम लगातार जारी है जहां सर्दी की मार ने जनजीवन को अस्त व्यस्त दिया है. वहीं सूबे के श्रीगंगानगर जिले में शनिवार देर रात कोहरे की वजह से एक भयानक हादसा सामने आया है जहां एक कार के गंगनहर में गिरने से कार में बैठे तीनों किसानों की मौत हो गई है. बताया जा रहा है कि भयानक हादसा कोहरे के चलते हुआ. जानकारी के मुताबिक जवाहर नगर थाना क्षेत्र के साधुवाली गांव के पास गंगनहर पर गाजर धुलाई का काम चल रहा था जहां से तीनों किसान कार में सवार होकर गंगनहर पर गए थे. इस दौरान जबरदस्त धुंध की वजह से कार नहर में गिर गई और जब तक कार को बाहर निकाला जाता तब तक तीनों की मौत चुकी थी. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. वहीं नहर से एक व्यक्ति के शव को देर रात निकाला गया और दो व्यक्तियों के शव को रविवार सुबह निकाला गया है.

इधर मौसम विभाग ने रविवार को 12 जिलों में घने कोहरे और शीतलहर का अलर्ट जारी किया है. वहीं, फतेहपुर शेखावाटी में सर्दी लगातार कहर लगातार कहर बरपा रही है जहां रविवार सुबह -0.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है.

जानकारी के अनुसार साधुवाली में गंग कैनाल लिंक हैड की तरफ पटरी के पास सुनील बिश्नोई अपने खेत में दोस्तों के साथ कर रहा था जहां रात करीब 10-11 बजे के बीच पार्टी के बाद सभी अपनी-अपनी कार और मोटरसाइकिल से घर की ओर जाने. इसी दौरान कार में अजमेर, संजय और रविंद्र बिश्नोई सवार थे.

एमडीएस यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली जयपुर की स्टूडेन्ट्स की मौत

सड़क हादसे में दो साथी घायल, बाइक को मारी टक्कर

अजमेर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर के महर्षि दयानन्द सरस्वती यूनिवर्सिटी में पढ़ रही जयपुर की छात्रा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जबकि बाइक पर सवार दो अन्य साथी घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब रात को खाना खाकर तीनों लौट रहे थे। अज्ञात वाहन ने अशोक उद्यान के पास टक्कर मार दी।

मृतक जयपुर के मानसरोवर निवासी 23 साल की आस्था गौतम है। वहीं, घायल जयपुर निवासी अंकित जांगिड़ व सर्वेश स्वामी है। तीनों ही महर्षि दयानन्द सरस्वती विवि में केमेस्ट्री पीजी के स्टूडेन्ट्स हैं। अजमेर में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मॉर्च्यूरी के बाहर मौजूद परिजन व सांतवना देते यूनिवर्सिटी स्टूडेन्ट व अधिकारी। यूनिवर्सिटी प्रशासन के अनुसार, तीनों ही स्टूडेन्ट्स किराए के मकान में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। रात करीब साढे.11 बजे अशोक उद्यान के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे बाइक पर सवार तीनों ही सड़क पर गिर गए। आस्था की मौके पर ही मौत हो गई। सर्वेश व अंकित घायल हो गए। सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस पहुंची। शव को मॉर्च्यूरी में रखवाया। घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। सिविल लाइन थाने के उपनिरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया है। पुलिस नियमानुसार कार्रवाई करेगी।

कुलपति सहित विवि प्रशासन पहुंचा

हादसे की सूचना के बाद कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला, मीडिया सेन्टर के प्रभारी मदन मीणा, राजू शर्मा सहित अन्य अधिकारी हॉस्पीटल पहुंचे और मृतक के परिजन को सांतवना दी। साथ ही घायलों की कुशल क्षेम पूछी।

'भामाशाह सेंटर राजे सरकार की बड़ी उपलब्धि थी' क्यों गहलोत ने वसुंधरा की तारीफ में कसीदे पढ़े

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने हाल में कहा कि पूर्व सीएम राजे के कार्यकाल में बना भामाशाह सेंटर एक बड़ी उपलब्धि थी और मैं इसकी तारीफ करता हूं. वहीं सीएम ने कहा कि जो अच्छा काम करे चाहे किसी भी दल का हो तारीफ होनी चाहिए.

राजस्थान में विधानसभा चुनावों में अब महज एक साल से भी कम समय बचा है ऐसे में इस दौरान नेताओं की ओर से की गई बयानबाजी कई मायनों में अहम हो जाती है. राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत का हाल में एक बयान आया जिसमें उन्होंने अपनी राजनीति विरोधी पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की जमकर तारीफ की. गहलोत ने पूर्व सीएम राजे के कार्यकाल में बने भामाशाह सेंटर की तारीफों की झड़ी बांध दी. जयपुर में मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने कहा कि भामाशाह सेंटर वसुंधरा राजे के कार्यकाल में बना था जो कि एक बड़ी उपलब्धि थी और मैं इसकी तारीफ करता हूं. वहीं सीएम ने कहा कि इसके साथ ही मेरी उनसे एक शिकायत भी है जहां सेंटर के ठीक सामने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर का मैंने शिलान्यास किया था जिसका काम सरकार बदलते ही बंद हो गया.

गहलोत ने एक बार फिर दोहराया कि जिस तरह से सरकार बदलते ही वसुंधरा राजे ने रिफायनरी से लेकर कई योजनाएं बंद कर दी उसी तरह से सेंटर का काम भी बंद कर दिया गया.

अच्छे काम की हो तारीफ : गहलोत

गहलोत ने आगे कहा कि किसी भी सरकार के अच्छे काम की हमेशा तारीफ की जानी चाहिए. उन्होंने बताया कि विपक्ष का मतलब यह नहीं होता है कि वह हर काम की आलोचना करता रहे मेरा मानना है है कि सरकार चाहे किसी भी दल की हो लेकिन जो अच्छा काम किया है उसकी तारीफ की जानी चाहिए.

गहलोत के मुताबिक मुझे विपक्ष से शिकायत है कि एसीबी राज्य में लगातार भ्रष्ट अफसरों पर छापे मारकर काली कमाई उजागर कर रही है और फिर भी विपक्ष कहता है कि राज्य में भ्रष्टाचार फैला हुआ है. गहलोत ने कहा कि हमनें पूरे प्रदेश में थानों में एफआईआर दर्ज कराना अनिवार्य कर दिया जिसके कारण से केस बढ़ गए लेकिन अपराधियों के खिलाफ हम जीरो टोलरेंस पर काम कर रहे हैं.

अदावत का रहा है इतिहास

गौरतलब है कि राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा राजे और सीएम गहलोत एक दूसरे के धुर विरोधी माने जाते रहे हैं. हालांकि सियासी गलियारों में दोनों के बीच कभी-कभी साठ-गांठ की भी चर्चा होती रहती है. इसके अलावा समय-समय पर दोनों नेता एक दूसरे पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं चूकते हैं.

राहुल की यात्रा से निकला लोगों से जुड़ने का फॉर्मूला

राजस्थान में घर-घर तक पहुंचेंगे कांग्रेसी

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ो अभियान 26 जनवरी से शुरू होने जा रहा है. मिली जानकारी के मुताबिक यह अभियान अगले 2 महीने तक राजस्थान में चलेगा जहां नेता सीधे जनता से मिलेंगे.

राहुल की यात्रा से निकला लोगों से जुड़ने का फॉर्मूला, राजस्थान में घर-घर तक पहुंचेंगे कांग्रेसीराजस्थान कांग्रेस के नेता आमजन से मिलेंगे

राजस्थान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यात्रा गुजरने के बाद एक बार यात्राओं का दौर शुरू होने जा रहा है जहां कई सालों बाद कांग्रेसी नेता जनता के बीच जाने के लिए घर-घर जाएंगे. मिली जानकारी के मुताबिक राजस्थान कांग्रेस की ओर से 26 जनवरी से हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू किया जा रहा है जिसके तहत कांग्रेस लोगों के घरों तक पहुंचकर जुड़ाव साधने की तैयारी कर रही है. बताया गया है कि कांग्रेस का यह अभियान 26 जनवरी से शुरू होकर 2 महीने तक चलेगा जहां कांग्रेस नेता प्रदेश से लेकर जिला, ब्लॉक और गांव के स्तर तक लोगों के घरों तक पहुंचेंगे. वहीं इस अभियान के तहत कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य आम लोगों से जुड़ना है. कांग्रेस के तमाम बड़े नेताओं को इस अभियान के लिए जिम्मेदारी दी गई है.

वहीं कांग्रेस ने अभियान के लिए सभी 33 जिलों में प्रभारी लगाए हैं जिन्हें अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है. इसके अलावा अभियान को लेकर पूरा रोडमैप कांग्रेस रविवार 8 जनवरी को बनाएगी जहां कांग्रेस की इस बैठक में प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी मौजूद रहेंगे. वहीं सीएम अशोक गहलोत, रघुवीर मीणा, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट भी बैठक में शामिल होंगे.

दूर होगा सूबे में खींचतान का असर

बता दें कि कांग्रेस आलाकमान की ओर से हाथ से हाथ जोड़ो अभियान को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के विस्तार के तौर पर बताया जा रहा है. इस अभियान को लेकर कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी की यात्रा के संदेश को अब घरों-घरों तक पहुंचाया जाएगा. वहीं इस दौरान लोगों को यात्रा के भावनात्मक वीडियो भी दिखाए जाएंगे. कांग्रेस ने अभियान के तहत गांव, ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर अलग कार्यक्रम तैयार किए हैं.

इसके अलावा इस अभियान से कांग्रेस राजस्थान में आपसी खींचतान को खत्म करने की कवायद भी कर रही है. मालूम हो कि पिछले लगभग 3 साल से कांग्रेस में गुटबाजी और खींचतान का दौर चल रहा है जिससे आम कार्यकर्ता और जनता के बीच कांग्रेस की इमेज को खासा नुकसान हुआ है. वहीं अब अगले विधानसभा चुनाव को देखते हुए भी पार्टी एक्शन मोड में है जहां दुबारा जनता से कनेक्शन को साधने की दिशा में अभियान को लांच किया जा रहा है.

आईएएस-आरएएस अफसरों के तबादलों की कवायद

125 अफसरों के हो सकते हैं ट्रांसफर, चुनावी साल में बजट पर फोकस

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य सरकार चुनावी वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। अब प्रशासनिक कसरत की जा रही है। माना जा रहा है कि करीब 25 आईएएस और 100 आरएएस अफसरों के तबादले जल्द हो सकते हैं। ाज्य सरकार ने चुनावी वर्ष में ब्यूरोक्रेसी को एक बार फिर कसने की तैयारी की है। सीएम अशोक गहलोत की मंशा है कि ब्यूरोक्रेसी अब तक की बजट घोषणाओं और आगे आने वाली योजनाओं व सेवाओं पर खास फोकस करें। सरकार अब चुनावी वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। राजनीतिक तैयारियों के साथ उसके लिए प्रशासनिक कसरत भी जरूरी है। इसके तहत करीब 25 आईएएस अफसरों और लगभग 100 आरएएस अफसरों के तबादले किए जाने हैं। प्रदेश के 33 जिलों में से 7 से10 जिलों में कलेक्टर भी बदले जाने की संभावना है। कार्मिक विभाग इस कवायद में जुटा है। चुनावी वर्ष में संभवतः यह आखरी बार का बड़ा फेरबदल होगा। इसके बाद कोई बड़ी तबादला सूची आईएएस - आरएएस कैडर की नहीं आने वाली। फिलहाल प्रदेश में 894 आरएएस अफसर और 245 आईएएस अफसर कार्यरत हैं।

करीब 20 आईएएस अफसरों के पास एक से अधिक पदों का अतिरिक्त कार्यभार (एडिशनल चार्ज) है। उनका कार्यभार कम करने की कोशिश भी इस नई तबादला सूची में की जाएगी। वर्ष 2022 में 19 आईएएस अफसरों के रिटायर होने से यह स्थिति बनी कि उनके पदभार को अतिरिक्त कार्यभार के रूप में दूसरे अफसरों को दे दिया गया। यह अस्थाई रूप से दिया था, अब इसमें सुधार किया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य वित्त सचिव अखिल अरोड़ा के पास सूचना तकनीकी विभाग का भी कार्यभार है। ऐसे ही उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव भवानी सिंह देथा के पास आयोजना विभाग के प्रमुख सचिव का कार्यभार भी है।

इस तरह से अन्य आईएएस अफसर भी हैं, जिन्हें बड़े-बड़े दो विभागों या एक से अधिक पदों का कार्यभार सौंपा हुआ है। वे ज्यादा फोकस होकर एक विभाग-एक पद के काम को ही देख पाते हैं। अब नई सूची में इस असंतुलन को भी दूर किया जाएगा।

वर्ष 2023 में मुख्य सचिव उषा शर्मा सहित 11 आईएएस अफसर रिटायर होंगे। इनमें से 9 अफसर अगले 5 महीनों में रिटायर हो जाएंगे। इन अफसरों में वीनू गुप्ता, नीलकमल दरबारी, पवन कुमार गोयल, विनीता श्रीवास्तव, जितेन्द्र उपाध्याय, यज्ञमित्र सिंह देव, चौथी राम मीणा, रेणु जयपाल, उज्ज्वल राठौड़, महेन्द्र पारख व सोहन लाल शर्मा शामिल हैं।

ऐसे में अब जो तबादला सूची आएगी उनमें इन अधिकारियों के विकल्प के रूप में भी नए अफसरों के नामों पर मशक्कत जारी है। साथ ही हाल ही करीब सप्ताह भर पहले जिन IAS अफसरों का शासन सचिव से प्रमुख सचिव के पदों पर प्रमोशन हुआ है, उन्हें भी उनकी सीनियरिटी के हिसाब से नए पदभार दिए जाने पर मशक्कत की जा रही है। सीएम अशोक गहलोत चाहते हैं कि चुनावी वर्ष में ब्यूरोक्रेसी फ्लैगशिप योजनाओं की मॉनिटरिंग, बजट घोषणाओं का कार्यान्वयन और विभिन्न सरकारी सेवाओं की डिलिवरी को आमजन के लिए आसान बनाने पर फोकस करे।

अजमेर 'बदलापुर' कांड: पूर्व पार्षद को दिनदहाड़े गोलियों से भूना

30 साल बाद बेटों ने लिया बाप की मौत का बदला

अजमेर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर के पुष्कर में पूर्व पार्षद व उसके दोस्तों पर फायरिंग मामले में पुलिस ने आरोपी सूर्य प्रताप सिंह को गिरफ्तार कर लिया है जिसके खिलाफ पहले से 9 मुकदमे दर्ज हैं जिनमें 3 मुकदमों में वह सजा काट चुका है. वहीं उसका भाई धर्म प्रताप सिंह अभी फरार है. अजमेर जिले के पुष्कर में एक युवराज फोर्ट रिसोर्ट है जहां शनिवार को हुई गोलियों की गड़गड़ाहट ने पूरे प्रदेश को हिला कर रख दिया. रिसोर्ट में बने स्वीमिंग पूल के पास खिली धूप में पूर्व पार्षद सवाई सिंह अपने दोस्तों के साथ चाय का लुत्फ उठा रहे थे तभी अचानक वहां हेलमेट लगाकर तीन आदमी आए और कमरे का पूछने के बाद अचानक तीनों ने दोनों हाथों से अपनी पिस्टल निकाली और अंधाधुंध फायरिंग कर दी.

इस गोलीबारी में सवाई सिंह की मौके पर ही मौत हो गई वहीं उनके दोस्त दिनेश गोली लगने से घायल हो गए. वहीं गोली मारने के बाद हेलमेट पहने एक हमलावर ने कहा- 'मैंने बाप की मौत का बदला ले लिया है'. हमलावर की यह लाइन सुनते ही एक बार फिर अजमेर का बहुचर्चित अश्लील फोटो ब्लैकमेल कांड चर्चा में आ गया जो उस जमाने में अखबारों की सुर्खियों में छाया रहता था. बता दें कि इस कांड के अखबारों में आने के बाद अक्टूबर 1992 में अजमेर के पत्रकार मदन सिंह की हत्या कर दी गई थी. वहीं अब गोलीबारी करने वाले 3 हमलावरों में सूर्य प्रताप सिंह और उसका भाई धर्म प्रताप सिंह थे जो मदन सिंह के बेटे हैं. आइए आपको बताते हैं कि कौनसी घटना से इस बदलापुर कांड के तार जुड़े हैं और आखिर क्यों 30 साल तक पत्रकार मदन सिंह के बेटे बदले की आग में झुलसते रहे. बताया जा रहा है कि अपने पिता के मर्डर का बदला लेने के लिए बेटों ने 30 साल बाद पूर्व पार्षद को दिन-दहाड़े गोलियों से भून दिया. पुलिस ने फिलहाल सूर्य प्रताप सिंह को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं उसका भाई धर्म प्रताप सिंह फरार है. वहीं पूरी घटना का एक वीडियो भी वायपल हुआ है जिसमें युवराज रिसॉर्ट का गेट दिख रहा है जहां एक युवक कहता है कि मैंने बाप की मौत का बदला ले लिया है.

बता दें कि 31 साल पहले सूर्य प्रताप सिंह के पिता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जिसमें सवाई सिंह भी आरोपी था जिसे बाद में कोर्ट ने बरी कर दिया था. वहीं सूर्य प्रताप सिंह के खिलाफ पहले से 9 मुकदमे दर्ज हैं और 3 में वह सजा काट चुका है.

कड़ाके की सर्दी में झाड़ियों में पड़ी मिली बच्ची

कुछ देर होती को कुत्ते और सूअर नोच रहे होते, चार दोस्तों ने बचाई जिंदगी

बाड़मेर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के बालोतरा शहर में मानवता को शर्मशार करने का मामला सामने आया है। कड़ाके की ठंड में रेलवे स्टेशन के पास झाड़ियों में नवजात बच्ची कपड़े में लिपटी मिली। रोने की आवाज सुनकर चार दोंस्तों ने बच्ची को नाहटा हॉस्पिटल पहुंचा। फिलहाल नाहटा हॉस्पिटल के शिशु केयर यूनिट में इलाज चल रहा है। सूचना मिलने पर जीआरपी पुलिस व बालोतरा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। बालोतरा के रहने वाले मुकेश कुमार ने बताया- हम चार दोस्त सुबह करीब 8:30 बजे रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रहे थे। तभी वहां पर बच्ची की रोने की आवाज सुनाई दी। हमने इधर उधर ढूंढा, लेकिन बच्ची बड़े पैकेट में थी। पैकेट से बाहर निकाला। बच्ची को शॉल व कपड़े से ढका हुआ था। हम दोस्तों के दिमाग में यही आया कि बच्ची की जान बचनी चाहिए। हमें भगवान ने किसी की जान बचाने का मौका दिया है। मौके पर कुत्ते व सुअर ज्यादा रहते हैं। अच्छा हुआ हम लोग पहुंच गए। वरना कुत्ते व सुअर नोच लेते।

मुकेश ने बताया- नवजात बच्ची को झाड़ियों से रेलवे स्टेशन के पास सर्किल पर लेकर आया। लोगों की काफी भीड़ लग गई। बाइक पर गुजर रहे लोग बोलने लगे नवजात बच्ची को फेंक दे वरना फंस जाएगा। हम बच्ची को नाहटा हॉस्पिटल ले गए। वहां पर भर्ती करवा दिया। नाहटा अस्पताल के डॉक्टर कमल मुंदड़ा ने बताया- सर्दी की वजह से बच्ची का शरीर ठंडा था।

तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन की वार्षिक साधारण सभा आयोजित

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन की वर्ष 23-25 की साधारण सभा ताड़बन सिकंदराबाद में अध्यक्ष पारसमल रांका की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई।

साधारण सभा की कार्यवाही का शुभारंभ करते हुए साधारण सभा के संयोजक व प्रचार मंत्री प्रकाश एच. भंडारी ने अध्यक्ष पारस मल रांका, उपाध्यक्ष भूरा राम चौधरी, शंकर सिंह राजपुरोहित, मार्गदर्शक पारस मल कोठारी, श्रवण कुमार दाधिच, मंत्री मोहन दास, कोषाध्यक्ष सुरेश संचेती, सह मंत्री जगदीश प्रसाद वर्मा, राजेन्द्र कुमार जैन, उत्तम चंद कटारिया, गुलाब सिंह राजपुरोहित, गौतम श्रीश्रीमाल, पप्पू लाल प्रजापत, अशोक कुमार चाणोदिया व प्रचार मंत्री गौतम चंद गुगलिया व चुनाव अधिकारी विजय प्रसाद व महावीर चंद जी को मंच पर विराजने के लिए आमंत्रित किया। सुरेश कोठारी द्वारा नवकार महामंत्र, जगदीश प्रसाद वर्मा द्वारा गायत्री मंत्र व मोहन दास द्वारा अय्यप्पा स्तुति के साथ मीटिंग का शुभारंभ किया। विगत कार्यकाल में एसोसिएशन के दिवंगत अध्यक्ष जिनेन्द्र रांका, उपाध्यक्ष भंवरलाल बाफणा, पारस मल तातेड़, ज्ञानचंद कटारिया, सुरेश कीमत, भंवरलाल प्रजापत व अरविंद मेहता को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर अध्यक्ष पारसमल रांका ने सभी पधारे पदाधिकारियों व सदस्यों का स्वागत व अभिन्नदन करते हुए उनके कार्यकाल में प्रदत्त सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। मंत्री मोहन दास ने गत साधारण सभा की कार्यवाही का वाचन किया व वर्ष 2018-22 का एसोसिएशन द्वारा संपादित कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। जिसे सभी सदस्यों की आम सहमति से पारित किया गया। कोषाध्यक्ष सुरेश संचेती ने आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया जिसे भी सर्व सम्मति से पारित किया गया। आगामी वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अरविन्द कुमार जैन एंड कंपनी को आडिटर नियुक्त किया गया।

इसके पश्चात संयोजक प्रकाश एच भंडारी ने दोनों चुनाव अधिकारी विजय प्रसाद व महावीर चंद एडवोकेट से चुनाव प्रक्रिया को संचालित करने व निर्वाचित पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा करने का अनुरोध किया। निर्वाचन अधिकारीद्वय ने सभी पदाधिकारियों के निर्विरोध निर्वाचित होने की घोषणा की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष पारस रांका ने नवनिर्वाचित शंकर सिंह राजपुरोहित को कार्याध्यक्ष मनोनीत किया। अध्यक्ष पारस रांका, उपाध्यक्ष अशोक बोहरा, शंकर सिंह राजपुरोहित, पप्पू लाल प्रजापत व जगदीश प्रसाद वर्मा के साथ विभिन्न क्षेत्रों से निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों रतन लाल सिरवी, राजेन्द्र कुमार जैन, गुलाब सिंह राजपुरोहित, पुसाराम सिरवी, राजेश जैन, गौतम चंद श्रीश्रीमाल, हरीराम प्रजापत, मग्गा राम परिहार, शांति लाल खिवेंसरा, अखेराज कोठारी, रमेश गांधी, माणक चंद जैन, शंभू सिंह राजपुरोहित, जगदीश प्रसाद सिरवी, पुनिया बाबु लाल जाट, प्रकाश एच भंडारी, राजेश भंडारी, माणक चंद कुमावत, उम्मेद सिंह जैन,रघु राम चौधरी, तारा चंद शर्मा, भाकर राम कुमावत, धर्मचंद ललवानी, माणक चंद प्रजापत, ओमप्रकाश सिरवी, दुर्गाराम सिरवी, जितेन्द्र कुमार, डी. मोहन दास, गोवर्धन लाल, धर्माराम ढाका, मदन लाल प्रजापत, भंवरलाल दुर्गा, धर्माराम प्रजापत, दीलिप रांका, पारसमल कोठारी, सुनिल कुमार बोहरा, गौतम चंद गुगलिया, सुरेश संचेती, उत्तम चंद कटारिया, सुरेश चन्द कोठारी, जगदीश चौधरी, चेलाराम, चुतरा राम, काना राम चौधरी, अशोक कुमार चाणोदिया व हेमाराम के नामों की घोषणा की।

इस अवसर पर नारायण लाल सिरवी, मोहन दास, श्रवण कुमार दाधिच, गौतम गुगलिया, मीठालाल, मदन लाल, चेलाराम आदि ने व्यापार में आने वाली कठिनाईयों व चुनाव प्रक्रिया को ओर अधिक सुदृढ़ बनाने पर अपने विचार व्यक्त किये।

पीएम मोदी के सुशासन में बैंकों के विकास को प्रधानता : किशन रेड्डी

एसबीआई मुख्यालय पर हुई राज्यस्तरीय बैंकर्स की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि, तेलंगाना में केंद्र सरकार के अधीन बैंकों का कार्य निष्पादन बेहतरीन है। इस संदर्भ में, महानगर कोठी स्थित स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआई) के मुख्यालय पर राज्य स्तरीय बैंकर्स की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिसमें केंद्रीय मंत्री जी.किशन रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। जिसमें उन्होने बताया कि, पीएम मोदी के सुशासन में बैंकों के विकास को प्रधानता दी गयी है। ताकि सभी जाति समुदाय के गरीब वर्गों का तेजीं आर्थिक विकास हो सके। जिसमें उन्होंने बताया कि सभी वर्गों के गरीब समुदाय के लोगों के आर्थिक विकासार्थ प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनधन खाताओं को खोला गया है। आर्थिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पूरे देश के सभी राज्यों में तत्संबंधित गरीब वर्गों के लोगों के लिए इन खातों के खुलवाने से केंद्र व राज्य में बिचौलियों की समस्या को खत्म किया गया है। उन्होंने कहा कि, केंद्रीय सरकारी कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन के चलते बैंकों व्दारा तत्संबंधित योजनाओं के लिए सुनायास रुप से ऋण या कर्ज की व्यवस्था की गयी है। इस दौरान केंद्र सरकार व्दारा प्रदत्त कृषि फसलों के ऋण के बारे में मंत्री ने कहा कि, वर्ष 2020-21 में सरकार का लक्ष्य रु. 40,718 करोड की तुलना में अबतक 58.43 प्रतिशत फसल ऋण मंजूर किया गया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के सभी बैंकों में कुल रु. 6,32,834 करोड डिपाजिट्स हैं। यही नहीं गत में कोरोना के दुष्प्रभाव से देश के अधिकांश राज्यो में खलबली मच गयी थी पर इस बिकट स्थिति में भी केंद्र सरकार के अधीन सभी बैंकों ने आम जनता को आर्थिक कठिनाईयों का सामना कतई करने नही दिया तथा विभिन्न बैंकों ने राज्य की आम जनता के लिए रु. 7,25,568 करोड के ऋण की व्यवस्था की। जोकि सचमुच में खास महत्व रखता है क्योंकि ऐसा किसी भी राज्य में नही हुवा है।

यही नहीं देश में क्रेडिट डिपाजिट रेशो जोकि 114.65 प्रतिशत हुवा है। इस अवसर पर एसबीआय मुख्य महा प्रबंधक अमित झिंगरन, महा प्रबंधक देबाशिष मित्रा, उप महा प्रबंधक पीके मोहनदास ने भी बैंक के कार्य निष्पादन पर अपने विचार व्यक्त किये। बैठक में एसबीआय मुख्य महा प्रबंधक अमित झिंगरान, महा प्रबंधक देबाशिष मित्रा, उप महा प्रबंधक पीके मोहनदास सहित संबध्द अधिकारीगण ने भाग लिया।

कविता ने पीएम मोदी से की पत्रकारों के कल्याण के लिए फंड देने की मांग

संगारेड्डी, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी के. कविता ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पत्रकारों के कल्याण के लिए तेलंगाना सरकार द्वारा शुरू किए जा रहे उपायों के अनुरूप धन देने की मांग की। पटनचेरु में कामकाजी पत्रकारों के तेलंगाना संघ की दूसरी राज्य स्तरीय बैठक के दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए कविता ने कहा कि राज्य सरकार पत्रकारों के मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्य में पत्रकारों के कल्याण के लिए 100 करोड़ रुपये की धनराशि दी है, लेकिन केंद्र ने कभी पत्रकारों की चिंता तक नहीं की। यह बताते हुए कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव 300 से अधिक पत्रकारों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे, कविता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अब तक पत्रकारों के साथ किसी भी तरह की सीधी बातचीत से परहेज किया है। पत्रकारों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देकर चंद्रशेखर राव पत्रकारिता के पेशे को महत्व देते हैं, हालांकि उन्होंने खोजी पत्रकारिता के गायब होने पर चिंता व्यक्त की। दूसरी ओर, कुछ मीडिया संगठन, जिनकी कोई मान्यता नहीं है, तेलंगाना सरकार के खिलाफ भ्रामक खबरें फैलाने में सबसे आगे हैं। अंदोले विधायक चंटी क्रांति किरण ने कविता से पत्रकारों के आवास के मुद्दे को मुख्यमंत्री के सामने उठाने का आग्रह किया, उन्होंने मदद का आश्वासन दिया। आबकारी मंत्री वी श्रीनिवास गौड, प्रेस अकादमी के अध्यक्ष अल्लम नारायण और अन्य उपस्थित थे।

सब-जूनियर फिस्टबॉल प्रतियोगिता में विजेता व उपविजेता टीम पुरस्कृत

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना फिस्टबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित दसवीं सब-जूनियर फिस्टबॉल प्रतियोगिता का आज श्री वेंकटेश्वर वेदांत वर्दिनी संस्कृत पाठशाला ग्राउंड, न्यू बोइनपल्ली ओल्ड एयरपोर्ट रोड में समापन हुआ। फाइनल प्रतियोगिता में बालक वर्ग में सूर्यापेटा की टीम ने जीत हासिल की। संगारेड्डी फर्स्ट रनरअप और विकाराबाद सेकेंड रनरअप रहे। बालिका वर्ग में रंगा रेड्डी विजेता तथा मेडचल प्रथम उपविजेता रही। निजामाबाद की टीम सेकेंड रनरअप रही। इस अवसर पर मुख्य समारोह में विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कार दिए गए। तेलंगाना स्टेट एजुकेशन एंड वेलफेयर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्रीधर रेड्डी और अंतरराष्ट्रीय दिग्गज एथलीट मैरी लक्ष्मण रेड्डी, तेलंगाना फिस्टबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष जम्पना प्रताप के नेतृत्व में आयोजित पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि थे। तेलंगाना फिस्टबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सुधीर, एचआर ग्रुप्स और एमएसबीआर ट्रस्ट के अध्यक्ष वामसी राव, तेलंगाना फिस्टबॉल एसोसिएशन के सलाहकार निदेशक कीट नियंत्रण विक्रम सिन्हा, एसवीवीवी कॉलेज टीटीडी के प्राचार्य डॉ. बी. सुरेंद्र, भाजपा मोर्चा के सदस्य रघु चरण, एसवीओएस टीटीडी हेड मास्टर जी. किशन आदि ने भाग लिया।

दाहिमा महिला मंडल, हैदराबाद-सिकन्दराबाद द्वारा विद्यानगर स्थित कल्पना मुंडेल के निवास पर गोदम्मा-रंगनाथ जी के विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समय पर संस्था के पदाधिकारि एवं समाज की गणमान्य महिलाये उपस्थित रही।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की मीटिंग आयोजित

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की मीटिंग दुर्गा प्रसादजी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। आज जारी पंकज कुमार संघी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सभी अभिभावकों ने अपने पुत्र पुत्रियों के बायोडाटा आदान प्रदान किए और उस विषय पर चर्चा की। उन्होंने आगे यह जानकारी दी कि जिस जोड़ें ने अपने वैवाहिक जीवन के 60 पड़ाव पार कर लिए हैं। श्री अग्रसेन महासभा, इन्दौर द्वारा 22-23 अप्रैल 2023 को इन्दौर में आयोजित होनेवाले अभूतपूर्व सम्मान समारोह में ये आमंत्रित हैं।

अवसर पर 60 अग्र-दम्पत्तियों (जिन्होंने अपने दाम्पत्त्य-जीवन के 60 वर्ष पूरे कर लिये हैं) की सामूहिक मेहंदी, महिला संगीत, चल-समारोह एवं वरमाला का भी आकर्षक एवं अभूतपूर्व आयोजन होगा।

नरसिंह मंदिर में पालकी शोभा यात्रा संपन्न

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोठी स्थित नरसिंह मंदिर में पालकी शोभा यात्रा धूमधाम से संपन्न हुई। इस संदर्भ में, कोठी स्थित नरसिंह मंदिर ट्रस्टी कमलनारायण अग्रवाल एवं गोविंद नारायण राठी की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि श्रीनिवास व्रतधर जियर स्वामी एवं कमलेशजी महाराज के पावन सान्निध्य में यह पालकी शोभायात्रा जो सुबह 9 बजे नरसिंह मंदिर कोठी से शुरू होकर वूमेन्स कालेज रोड, हशमतगंज, सुल्तान बाजार होते हुए वापस नरसिंह मंदिर पहुंची। इसमें पं. रमेश कुमार व्यास ने नरसिंह मंदिर प्रांगण में इस पालकी यात्रा के पहुंचने के बाद आरती तथा गोदाम्माजी के श्लोक आदि का पाठ किया किया। धूमधाम से निकाली गयी इस पालकी शोभायात्रा के दौरान सुमित राठी, भरत जाजू, एवं राधेश्याम राठी ने सुमधुर भजन गाकर भक्तों का दिल मोह लिया। इस शुभावसर पर लक्ष्मीनारायण व्यास परिवार व्दारा भक्तों को प्रसाद की व्यवस्था की गयी। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों में डॉ. मोहन गुप्ता, रमेश कुमार व्यास, सुमित राठी, श्रीनिवास लोया, लक्ष्मीनारायण व्यास, घनश्याम तोष्णीवाल, जसमत पटेल, कैलाश नारायण भांगडिया, रामकिशोर राठी, श्रीराम व्यास, मनोज जायसवाल आदि शामिल हैं।

गौ माता के लिए विविध तीर्थस्थानों पर विशेष पूजा की गई

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गौ माता की रक्षा एवं राष्ट्रीय माता घोषित हो तथा जैन तीर्थस्थल समेद शिखरजी, शत्रुंजय पालीताना, गिरनार आदि तीर्थस्थानों पर आए संकट का सुखद निराकरण और तीर्थो की रक्षा संकल्प के साथ गुजरात स्थित विभिन्न ऐतिहासिक एवं पुण्य तीर्थो मे लव फॉर काऊ फाउंडेशन एवं प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के तत्त्वावधान में संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया।

वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर परिसर में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संगठनों बीएसएसएस द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 300 महिलाओं ने भाग लिया।

श्री राजपुरोहित समाज हैदराबाद सिकंदराबाद के तत्वावधान में अयोजित श्री श्री 1008 संत शिरोमणी खेतेश्वर महाराज की सप्तमी वर्षगांठ (बरसी) 12 जनवरी के उपलक्ष्य में तेलंगाना सरकार के पशुपालन व सिनेमाग्राफी मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव को आमंत्रित करते हुए बीआरएस नेता गुलाबसिंह, भबूतसिंह, राजपुरोहित समाज के पूर्व अध्यक्ष विजयराज, दिनेशकुमार,

श्री गोदा रंगनाथ जी का विवाह महोत्सव बुधवार को

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महाराजगंज स्थित श्री रंगनाथ जी मंदिर में 11 जनवरी को धनुर्मास महोत्सव के अन्तर्गत श्री गोदा रंगनाथजी का विवाह महोत्सव आयोजित किया जाएगा। बुधवार प्रात 6.30 बजे से सुप्रभातम्, भजन-कीर्तन, तनया गोदास्तुति, मंगला आरती, गोष्ठी प्रसाद, प्रभतफेरी आदि गाजे-बाजे के साथ मंदिर से होते हुए महाराजगंज, सिद्दिअम्बर बाजार, किशानगंज से होते हुए श्री रघुनाथ मंदिर में पहुंचेगी। सभी का स्वागत होगा। तत्पश्चात कथा सूर्यप्रकाश द्वारा, श्रृंगार आरती अर्चना तुलासी- कुंकुम, सुमंगलस्तोत्रम, 27वाँ पाशुरू आदि होंगे। मंदिर के संस्थापक लक्ष्मीनारायण ने सभी भक्तों से कार्यक्रम का लाभ लेने का निवेदन किया है।

गीत चाँदनी की पूर्णिमा कवि गोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी की प्रतिमास पूर्णिमा की रात संपन्न होने वाला कवि गोष्ठी का आयोजन नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के सभागृह में गीत चाँदनी के अध्यक्ष व गीतकार चंपालल बैद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। संस्था के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का संचालन किया और गीत चाँदनी की इस वर्ष होने वाली कवि गोष्ठियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। गीत चाँदनी की मुख्य संयोजिका व कवयित्री रत्नकला मिश्र ने सभी का स्वागत किया। यह कवि गोष्ठी गीत चाँदनी के 41वें वर्ष की तीसरी कवि गोष्ठी थी, जिसमें नये-पुराने कवियों ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कर एक समाँ बाँधा। काव्य पाठ करने वाले कवियों में रत्नकला मिश्र, गोविंद अक्षय, चंपालाल बैद, अनिल कुमार गुप्ता, चंद्र प्रकाश दायमा, डी. प्रेमराज, संतोष रज़ा, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, रेणु अग्रवाल, प्रकाश राघव आदि के नाम प्रमुख हैं। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्वत को भाषा सहोदरी न्यास द्वारा मारीशस में आयोजित होने 9वें अंतरराष्ट्रीय हिंदी अधिवेश्न में भाग लेने के उपलक्ष्य में बधाई और शुभकामनाएँ दी गयीं। श्रीमती रत्नकला मिश्र के धन्यवाद के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अलियाबाद स्थित सीरवी समाज शिक्षा समिति प्लॉट भवन पर तीनों कमिटियों की आयोजित आमसभा व हल्दी गोठ कार्यक्रम में समाज प्लॉट पर चल रहे खेल-कूद ग्राउंड व नवनिर्माणाधीन भवन कार्यों को अतिशीघ्र पूर्ण कराने पर विचार-विमर्श कर उपस्थित अध्यक्ष जे.सी. चोलाराम हाम्बड, सचिव किशनसिंह राठौड, कोषाध्यक्ष जसवन्त देवडा, शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, सज्जनराज सोलंकी, महिला अध्यक्षा सीतादेवी सोलंकी, निर्मला देवडा, पूर्व अध्यक्ष भूराराम चोयल, पूर्व उपाध्यक्ष ओकाराम सोलंकी, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

बजरंगसेना तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष शिवप्रसाद के नेतृत्व में बजरंग सेना के राज्य और शहर सदस्यों को नियुक्ति पत्र दिया गया और हनुमान चालीसा परायणम भी किया गया। इसमें भाग लेते हुए बजरंगसेना तेलंगाना राज्य उपाध्यक्ष एनआर लक्ष्मण व अन्य।

महराष्ट्र का दौरा पूरा कर हैदराबाद लौटने के बाद आज चारमीनार निर्वाचन क्षेत्र बीआरएस पार्टी के प्रभारी मो. सलाउद्दीन लोधी ने गृहमंत्री मो. महमूद अली से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने गृहमंत्री को महाराष्ट्र के येवतमाल, अमरावती, अकोला, हिंगोली आदि जिलों में बीआरएस पार्टी में शामिल होने की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

सिकंदराबाद वार्ड नं-5 के वाल्मीकि नगर में बोर्ड के नामित सदस्रू रामकृष्णा ने पेयजल समस्या को सुधारने के लिए पाइपलाइन बिछाने के कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित है अमरनाथ, सतीश, रानु, चमनलाल आदि उपस्थित रहे।

तीसरे टी-20 में बने 10 बड़े रिकॉर्ड: सूर्या ने 6 महीने में जड़ दिए 3 शतक, पिछली 11 सीरीज से अजेय है भारत

राजकोट, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ राजकोट में तीसरा टी-20 मैच 91 रन से जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। साल की पहली टी-20 सीरीज के आखिरी मैच में 10 बड़े रिकॉर्ड्स बने। इनमें श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका का भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के मारने वाला खिलाड़ी बनना, युजवेंद्र चहल का भारत के लिए टॉप विकेट टेकर बनना और सूर्यकुमार यादव का 6 महीने के अंदर तीसरा टी-20 शतक जमाना शामिल है। हम सभी 10 रिकॉर्ड को एक-एक जानेंगे।

1. सबसे पहले युजवेंद्र चहल का रिकॉर्ड

भारत के युजवेंद्र चहल ने तीसरे मैच में 2 विकेट हासिल किए। इसके साथ ही टी-20 इंटरनेशनल में उनके 90 विकेट पूरे हो गए। उन्होंने भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भुवनेश्वर कुमार की बराबरी कर ली। चहल ने 74 मैचों में 90 विकेट लिए। भुवी ने 87 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में भारत के लिए 90 विकेट लिए हैं। इन दोनों के बाद रविचंद्रन अश्विन ने 65 मैचों में 72 विकेट लिए हैं। चहल ने 3 ओवर में 30 रन पर 2 विकेट के साथ अपना स्पेल खत्म किया।

2. शनाका बने भारत के खिलाफ सिक्सर किंग

श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने सीरीज के तीनों मैचों में ताबड़तोड़ बैटिंग की। आखिरी मैच में उन्होंने 2 छक्कों के साथ 17 बॉल पर 23 रन बनाए। दूसरा छक्का लगाते ही टी-20 इंटरनेशनल में भारत के खिलाफ उनके 22 मैचों में 29 छक्के पूरे हो गए। वह भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा टी-20 छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गए।

शनाका के बाद वेस्टइंडीज के एविन लुईस ने 9 मैच और ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल ने 19 मैच में 28-28 छक्के लगाए हैं। वेस्टइंडीज के ही कायरन पोलार्ड ने भारत के खिलाफ 17 टी-20 में 27 छक्के जड़े हैं।

3. श्रीलंका के खिलाफ दूसरी सबसे बड़ी जीत

भारत ने श्रीलंका को 91 रन से हराया। यह श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया की दूसरी सबसे बड़ी जीत है। हमने इससे पहले 20 दिसंबर 2017 को श्रीलंका के खिलाफ 93 रन से मैच जीता था। भारत की ओवरऑल सबसे बड़ी जीत आयरलैंड के खिलाफ आई थी। टीम ने जून 2018 में उन्हें 143 रन से हराया था। श्रीलंका को सबसे बड़े अंतर से ऑस्ट्रेलिया ने हराया है। कंगारुओं ने उन्हें अक्टूबर 2019 में 134 रन से हराया था।

4. लगातार 12 होम टी-20 सीरीज से अजेय है भारत

भारत ने श्रीलंका के खिलाफ घर में लगातार 5वीं टी-20 सीरीज जीती। इसके साथ ही टीम इंडिया घर में पिछली 12 टी-20 सीरीज से अजेय है। इस दौरान टीम ने 10 सीरीज जीतीं और 2 ड्रॉ कराईं। भारत को आखिरी बार फरवरी 2019 में ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से टी-20 सीरीज हराई थी।

देश-विदेश में भारत पिछली 11 सीरीज से अजेय है। इनमें 10 हमने जीतीं और एक ड्रॉ रही। टीम को आखिरी बार श्रीलंका ने जुलाई 2021 में 2-1 से हराया था। यह सीरीज श्रीलंका में खेली गई थी। इसे मिलाकर भारत पिछली 20 टी-20 सीरीज में से 17 जीत चुका है, 2 ड्रॉ रहीं और एक ही में हार मिली।

5. पंड्या की कप्तानी में लगातार तीसरी सीरीज जीते

इस जीत के साथ भारत ने लगातार 7वीं टी-20 सीरीज जीती है। जून 2022 में भारत ने आखिरी बार साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2-2 से टी-20 सीरीज ड्रॉ खेली थी। इससे पहले 2017-18 और 2019-21 के दौरान भारत ने लगातार 6 टी-20 सीरीज जीती थी। इस बार के रिकॉर्ड में हार्दिक पंड्या की कप्तानी में 2 सीरीज जीत आईं।

ओवरऑल हार्दिक की कप्तानी में भारत ने लगातार तीसरी टी-20 सीरीज जीती। हार्दिक ने पहली

बार जून 2022 में आयरलैंड के खिलाफ 3 टी-20 की सीरीज में भारत की कप्तानी की थी। यह सीरीज हमने 3-0 से जीती। टी-20 वर्ल्ड कप के बाद न्यूजीलैंड में भी हार्दिक ने कप्तानी की थी। यह सीरीज हमने 1-0 से जीती। अब श्रीलंका के खिलाफ भी 3 मैचों की सीरीज में हार्दिक ने कप्तानी की। सीरीज 2-1 से जीती।

6. श्रीलंका को 19वां टी-20 हराया

आखिरी मैच में जीत के साथ भारत ने श्रीलंका को 19वीं बार टी-20 में हराया। इसके साथ ही टीम इंडिया ने किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा जीत का रिकॉर्ड बनाया। इस दौरान हमें 9 मैचों में हार मिली और एक मैच बेनतीजा रहा। भारत के बाद इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 18 टी-20 हराए हैं। वहीं, पाकिस्तान ने भी न्यूजीलैंड को 18 मैच हराए हैं। भारत ने वेस्टइंडीज को 17 बार हराया है।

7. अक्षर ने बैटिंग में बनाया रिकॉर्ड

भारत के लिए नंबर-6 या उससे नीचे बैटिंग करते हुए अक्षर पटेल ने सीरीज के 3 मैचों में 117 रन बनाए। उन्होंने वेंकटेश अय्यर और दिनेश कार्तिक का रिकॉर्ड तोड़ा। अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ और दिनेश कार्तिक ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ नंबर-6 या इससे नीचे बैटिंग करते हुए 92 रन बनाए थे।

8. सूर्या के तीसरे टी-20 शतक ने तोड़े कई रिकॉर्ड्स

भारत के सूर्यकुमार यादव ने 45 गेंदों में शतक पूरा करने के बाद 51 बॉल में 112 रन की नॉटआउट पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 219.60 का रहा। जुलाई 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ पहला शतक जड़ने के बाद उन्होंने 6 महीने के अंदर ही तीसरा शतक जड़ दिया। वे इतने कम समय में तीन टी-20 इंटरनेशनल शतक जमाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

सूर्या ने 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से सबसे ज्यादा शतक बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उनसे पहले न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैक्कुलम और वेस्टइंडीज के क्रिस गेल समेत 4 खिलाड़ी 2-2 बार इतने स्ट्राइक रेट से शतक जड़ चुके हैं।

200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने में भी सूर्या टॉप पर हैं। उन्होंने 8 बार ऐसा किया। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल और वेस्टइंडीज के एविन लुईस ने 6-6 बार ऐसा किया है।

ओपनिंग पोजिशन से नीचे बैटिंग करते हुए सूर्या के तीनों शतक आए। इस मामले में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल, साउथ अफ्रीका के डेविड मिलर समेत 6 खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। सभी ने ओपनिंग के बाद बैटिंग करते हुए 2-2 शतक जड़े हैं।

शतकीय पारी में सूर्या ने 7 चौके और 9 छक्के जड़े। एक पारी में किसी भारतीय द्वारा सबसे ज्यादा छक्कों में वह रोहित शर्मा के बाद दूसरे नंबर पर पहुंचे। रोहित ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ 10 छक्के लगाए थे।

9. सूर्या के 1500 टी-20 इंटरनेशनल रन पूरे

सूर्यकुमार यादव ने 112 रन की पारी के साथ ही टी-20 इंटरनेशनल करियर में 1500 रन पूरे कर लिए। उन्होंने 843 गेंदों में इतने रन बनाए, जो सबसे तेज है। उन्होंने 45वें मैच की 43वीं पारी में ये मुकाम हासिल किया। भारत के लिए टी-20 में उनसे तेज 1500 रन केएल राहुल और विराट कोहली ही बना सके। विराट और राहुल ने 39-39 पारियों में 1500 रन बना लिए थे। ICC की टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 पर काबिज सूर्यकुमार ने भारत के लिए 45 मैच में 1578 रन बनाए हैं।

10. 10वीं बार बने प्लेयर ऑफ द मैच

सूर्यकुमार यादव को 112 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया। 45 मैचों में यह उनका 10वां प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड था। भारत के लिए उनसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच रोहित शर्मा और विराट कोहली ने जीते हैं। रोहित ने 12 और विराट ने 15 बार ये अवॉर्ड जीता। टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम ही है।

मेरी बैटिंग देखकर तो क्रिकेट नहीं शुरू की होगी

कोच द्रविड़ ने सवाल किया तो हंस पड़े सूर्या, बोले- आपको काफी देखा है

मुंबई, 8 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच के बाद राहुल द्रविड़ ने सूर्यकुमार यादव की तारीफ की।

श्रीलंका के खिलाफ राजकोट में खेले गए आखिरी सीरीज में सूर्यकुमार यादव ने 51 गेंदों पर 112 रन की पारी खेली। सूर्य कुमार की इस पारी के कोच राहुल द्रविड़ भी मुरीद हो गए। मैच के बाद द्रविड़ ने बीसीसीआई टीवी के लिए सूर्यकुमार का इंटरव्यू लिया। जिसका वीडियो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शेयर किया है। द्रविड़ ने जब सूर्या से पूछा कि बचपन में आपने मेरी बैटिंग देखकर तो प्रैक्टिस नहीं की होगी? इस पर सूर्या ने हंसते हुए जवाब दिया- ऐसा नहीं है।

कोच द्रविड़ बैटिंग काफी देखी है। मुझे तब खुशी होती है कि जब कठिन परिस्थितियों में रन बनाऊं और वह रन टीम के काम आएं। मैं कठिन परिस्थितियों में बल्लेबाजी का आनंद लेता हूं। मेरे लिए किसी एक पारी को चुनना मुश्किल है। मैंने पिछले साल जो भी कुछ किया उसका आनंद लिया और फिर से वही कर रहा हूं। जब भी मैं बल्लेबाजी करने जाता हूं तो बस इंजॉय करने की कोशिश करता हूं। जितना संभव हो सके खुद को मैदान पर अपने खेल के जरिए जाहिर करना चाहता हूं।।

इस फॉर्मेट में आपके पास प्री-डिटरमाइंड शॉट होते हैं, लेकिन फील्ड और गेंदबाजों के अनुसार खेलना भी जरूरी। मैं फील्ड और गेंदबाज को देखकर अपने शॉट्स चुनता हूं।

सूर्या: मेरे पापा इंजीनियर हैं। मेरी फैमिली में किसी का भी स्पोर्ट्स से नाता नहीं रहा है। जब भी घर में परिवार से मिलना होता है, तो पापा और परिवार के सदस्यों से पारी पर बात होती है कि कैसे अगले मैच में इसे और बेहतर किया जा सके। मेरी फिटनेस में मेरी पत्नी ने हमेशा सहयोग किया और हमेशा वे मेरी डाइट का ख्याल रखती हैं।

ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका के बीच तीसरा टेस्ट ड्रॉ

सीरीज पर कंगारुओं का 2-0 से कब्जा, अफ्रीका की दूसरी पारी में 106/2

सिडनी, 8 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच सिडनी में खेले जा रहे तीसरा टेस्ट मैच ड्रा रहा। बारिश से बाधित रहे इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 4विकेट पर 475 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। वहीं अफ्रीका 255 रन पर सिमट गई। उसके बाद आखिरी दिन ऑस्ट्रेलिया ने अफ्रीका को फॉलोऑन दिया। अफ्रीका ने दिन का खेल समाप्त होने तक 2 विकेट पर 106 रन बना कर कंगारुओं के क्लीन स्वीप के मनसूबे पर पानी फेर दिया।

इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज को 2-0 से अपने कब्जे में कर लिया। ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती दोनों टेस्ट जीते हैं। ब्रिस्बेन में

खेला गया पहला मैच कंगारुओं ने छह विकेट से जीता था, वहीं मेलबर्न में खेले गए मैच को 182 रनों अपने पक्ष में किया था।

1992 के बाद ऑस्ट्रेलिया में नहीं जीत पाई एक भी टेस्ट

अफ्रीकी टीम 1992 के बाद से ऑस्ट्रेलिया में एक भी टेस्ट मैच नहीं पाई हैं। यह छठा मौका है, जब अफ्रीका को बिना एक भी टेस्ट जीतने लौटना पड़ रहा है।

दूसरी पारी में अफ्रीकी की अच्छी बल्लेबाजी

पहली पारी में फ्लॉप रहे अफ्रीकी बल्लेबाज दूसरी पारी में शानदार खेल दिखाया। पहली पारी में केलव 15 रन बना सके ओपनर सारेल इरवी ने दूसरी पारी में 124 गेंदों का सामना कर नाबाद 42 रनों की पारी खेली। वहीं हेनरिक कालसन ने भी 61 गेंदों का सामना कर 35 रन बनाए। वहीं टेंबा बावुमा 42 गेंदों का सामना कर 17 रन बनाकर नाबाद लौटे।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहली पारी में 4 विकेट लेने वाले जोश हेजलवुड ने 4 विकेट लिए। वहीं अफ्रीका का दूसरा विकेट पहली पारी में 3 विकेट लेने वाले पैट कमिंस ने लिया।

अफ्रीका में मिनी आईपीएल

मैनेजमेंट, ब्रॉडकास्टिंग सब हमारे ही भरोसे

खेल डेस्क, 8 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका में 10 जनवरी से नई क्रिकेट लीग एसए 20 का आगाज होगा। इसका पहला संस्करण 13 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान 6 टीमों के बीच 33 मुकाबले खेले जाएंगे। इस लीग में फैंस को मिनी-आईपीएल की झलक देखने को मिलेगी।

टूर्नामेंट की सभी टीमों का मालिकाना हक मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद समेत 6 आईपीएल फ्रैंचाइजी के पास है। इसके अलावा लीग की सफलता भी भारतीय मैनेजमेंट और ब्रॉडकास्टिंग कंपनियों पर निर्भर करेगी। यानी सबकुछ हमारे भरोसे।

एसए 20 लीग के डायरेक्टर और पूर्व अफ्रीकी क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ के मुताबिक, वे इस लीग को आईपीएल के बाद सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनाना चाहते हैं। द. अफ्रीकी बोर्ड के भविष्य के लिए यह लीग कितनी अहम है, इसका अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज भी रद्द कर दी। यह सीरीज वर्ल्ड कप सुपर लीग का हिस्सा थी और वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन के लिए अहम थी।

दर्जनों ऐसे विदेशी खिलाड़ी ऐसे खेल रहे हैं, जो आईपीएल की टीमों में खेलते हैं। जैसे ड्वेन प्रिटोरियस, क्लासेन, होल्डर, टॉप्ले, प्लेसिस, तीक्ष्णा, ब्रुक, फेरेरा, रबाडा, लिविंगस्टन, सैम करन, ओडियन स्मिथ, ब्रेविस, बटलर, मैकॉय, नॉर्किया, रूसो, साल्ट, जोश लिटिल, आदिल रशीद, विल जैक्स, मार्क्रम, यंसेन, स्टब्स।

हालांकि बीसीसीआई की इजाजत न मिलने से इसमें कोई भारतीय खिलाड़ी नहीं खेल रहा है। प्राइम टाइम में मैच, रिलायंस मेन ब्रॉडकास्टर एसए20 लीग के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स रिलायंस के स्वामित्व वाली वायकॉम-18 ने खरीदे हैं। 10 साल की डील 800 करोड़ रु. में हुई है। मैच भारतीय समयानुसार शाम 5 और 9 बजे शुरू होंगे।

आईपीएल की इनामी राशि 46.5 करोड़ रु. के मुकाबले लीग की 33 करोड़ है। फ्रैंचाइजी ने टीमों की एक जैसी पहचान के लिए ग्लोबल कोच नियुक्त किए हैं। टीमों के लोगो, जर्सी भी आईपीएल जैसे हैं।

6 बार की चैंपियन मैरीकॉम नहीं खेलेंगी वर्ल्ड चैंपियनशिप, खुद बताई 'दर्दनाक' वजह

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय सुपरस्टार मैरीकॉम 8 वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने वाली दुनिया की इकलौती मुक्केबाज हैं. वो 6 बार वर्ल्ड चैंपियन बनीं.

चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाली दुनिया की इकलौती मुक्केबाज के पंच का दम इस साल होने वाले वर्ल्ड चैंपियनशिप में देखने को नहीं मिलेगा.

6 बार वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली दुनिया की पहली महिला मुक्केबाज, 8 बार वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाली दुनिया की इकलौती मुक्केबाज के पंच का दम इस साल होने वाले वर्ल्ड चैंपियनशिप में देखने को नहीं मिलेगा.

भारतीय सुपरस्टार मैरीकॉम ने खुद इसकी पुष्टि कर दी है कि वो वर्ल्ड चैंपियनशिप 2023 में हिस्सा नहीं लेंगी.

मैरीकॉम के हिस्सा न लेने के पीछे वजह उनकी दर्दनाक चोट है. मैरीकॉम ने कहा कि वो जल्द से जल्द फिट होने की कोशिश कर रही हैं. 2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018 में वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली मैरीकॉम ने आगे कहा कि मुझे उम्मीद है कि इस चैंपियनशिप में हमें और भी चैंपियंस मिलेंगे. उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले सभी मुक्केबाजों को बधाई दी है.

मैरीकॉम 6 बार वर्ल्ड चैंपियन बनने वाले दुनिया की इकलौती महिला मुक्केबाज हैं.

शुरुआती 7 वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाले वो एकमात्र महिला मुक्केबाज हैं. यही नहीं मैरीकॉम 8 वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने वाली महिला और पुरुष दोनों में ही इकलौती मुक्केबाज हैं.

नाओमी ओसाका और वीनस विलियम्स ऑस्ट्रेलिया ओपन से बाहर

ओसाका 2 बार की विजेता, वीनस पिछले हफ्ते चोटिल हो गईं थीं

मुंबई, 8 जनवरी (एजेंसियां)।दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका और वीनस विलियम्स ने चोट की वजह से इस साल के ऑस्ट्रेलियन ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। साल का पहला ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन 16 से 29 जनवरी के बीच खेला जाना है। ओसाका 2019 और 2021 ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब

अपने नाम कर चुकी हैं। ओसाका पिछले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में तीसरे दौर में उलट-फेर की शिकार हुईं थी। उन्हें अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा से 4-6, 6-3, 7-6(5) से हार का सामना करना पड़ा था। ओसाका के हटने से यूक्रेन की दयाना यास्त्रेम्स्का मुख्य ड्रॉ में पहुंच गई हैं।

42 साल की विलियम्स एक हफ्ते पहले ऑकलैंड में खेले मैच में चोटिल हो गईं थी। उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपरन में वाइल्ड कार्ड से एंट्री मिली थी। विलियम्स विमेंस में 7 ग्रैंड स्लैम जीत चुकी हैं। उन्होंने 2001, 2003, 2009 और 2010 में विंबलडन का खिताफ अपने नाम किया था। जबकि 2000 और 2001 में यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया है। हालांकि, वह अब तक ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब नहीं जीत पाईं है। वह दो बार 2003 और 2017 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंची थीं।

हॉकी वर्ल्ड कप ट्रॉफी लेकर हुआ था बड़ा विवाद

कश्मीर को लेकर अड़ा भारत, एफआईएच को झुकाया

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसियां)। हॉकी वर्ल्ड कप की ट्रॉफी पाकिस्तान में तैयार की गई थी. हालांकि साल 2017 में इस ट्रॉफी में बड़ा बदलाव किया गया था. 13 जनवरी से राउरकेला के बिरसा मुंडा स्टेडियम में हॉकी वर्ल्ड कप 2023 की शुरुआत होगी. 16 टीमों के बीच 44 मैच खेले जाएंगे जिसके बाद विजेता का फैसला होगा. वर्ल्ड कप में तो फिलहाल समय है लेकिन वर्ल्ड कप की ट्रॉफी इस समय भारत भ्रमण पर है. देश भर के कई ऐतिहासिक स्मारकों का दौरा करते हुए, 13 राज्यों, एक केंद्र शासित प्रदेश और ओडिशा के 30 जिलों की यात्रा करने के बाद ये ट्रॉफी 13 जनवरी को बिरसा मुंडा स्टेडियम में पहुंचेगी. इस ट्रॉफी को जीतने के लिए सभी टीमें जी-जान लगाएंगी. यही ट्रॉफी पिछले वर्ल्ड कप से पहले विवादों में आई थी. विवाद इस तरह बढ़ गया था कि एफआईएच को ट्रॉफी ही बदलनी पड़ी. भारत लगातार दूसरी बार हॉकी वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है. इससे पहले साल 2018 में भी ये वर्ल्ड कप भारत में ही आयोजित हुआ था. हालांकि इस वर्ल्ड कप में जो ट्रॉफी चैंपियन बेल्जियम को दी गई वो बाकी ट्रॉफी से अलग थी. भारत के कारण ही इस वर्ल्ड कप की ट्रॉफी में बड़ा बदलाव किया गया था.

ट्रॉफी पर बना था गलत नक्शा

हॉकी वर्ल्ड कप की शुरुआत का श्रेय पाकिस्तान के एयर मार्शल नूर खान को जाता है. उन्होंने ही वर्ल्ड कप का विचार पहले हॉकी वर्ल्ड मैग्जीन के एडिटर को दिया जिन्होंने इसे एफआईएच तक पहुंचाया. वर्ल्ड कप के लिए ट्रॉफी भी पाकिस्तान में बनी. ट्रॉफी का डिजाइन पाकिस्तान के बाशीर मोजीद ने तैयार किया था.

वहीं पाकिस्तानी सेना के इलेकट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियर ने इसे बनाया. हॉकी वर्ल्ड कप की ट्रॉफी चांदी के रंग की है जिसके ऊपर हॉकी की स्टिक और गेंद हैं. इस ट्रॉफी पर पहले दुनिया का नक्शा बना हुआ था. इस नक्शे में जम्मू और कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताया गया था. विरोध के बाद बदली गई ट्रॉफी

पूर्व हॉकी इंडिया अध्यक्ष नरेंद्र बत्रा ने एफआईएच (हॉकी की अंतरराष्ट्रीय संस्था) में इसकी शिकायत की थी. कुछ दिन पहले उन्होंने कहा, 'जब 2016 में मैं एफआईचएच का अध्यक्ष बना तो मैंने ट्रॉफी में बदलाव की बात कही. मैंने साफ कर दिया कि अगर इसे सही नहीं किया जाएगा तो मैं या भारत का कोई भी नेता इस ट्रॉफी को हाथ नहीं लगाएगा.' इसके बाद साल 2017 में ट्रॉफी में बदलाव किया गया.

तेलंगाना में चुनाव लड़े तो मोदी को हार का सामना करना पड़ेगा : निरंजन रेड्डी

यदाद्री-भोंगिर, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डीने रविवार को कहा कि अगर तेलंगाना के लोग अगले चुनाव में राज्य के किसी भी लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ते हैं तो तेलंगाना के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हरा देंगे। अडागुदुर मंडल के छोलारारामम में तेलंगाना स्टेट वेयरहाउस कॉरपोरेशन के गोदाम का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए, निरंजन रेड्डी ने समाचार रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि मोदी तेलंगाना से चुनाव लड़ सकते हैं, और कहा कि यहां के लोग मोदी सरकार द्वारा तेलंगाना को परियोजनाएं आवंटित करने और धन देने में दिखाए गए भेदभाव से अच्छी तरह वाकिफ हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र राज्य में लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों में बाधा डालने की भी साजिश रच रहा है।

यह कहते हुए कि मोदी ने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को कृषि कार्यों से जोड़ने के अपने चुनावी वादे को पूरा नहीं किया है, निरंजन रेड्डी ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा करने वाले मोदी ने किसान विरोधी नीतियां अपनाई हैं और तेलंगाना के किसानों से धान खरीद से भी इंकार किया है। ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने कहा कि राज्य में लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं के कारण देश भर में अपनी बढ़ती लोकप्रियता को पचाने में असमर्थ मोदी मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को निशाना बना रहे हैं। तेलंगाना के लोग मोदी को स्वीकार नहीं करेंगे, जिन्होंने अपने किसी भी चुनावी वादे को पूरा नहीं किया। देश में केवल बीआरएस ही है, जिसने अपने चुनावी घोषणापत्र में किए सभी वादों को पूरा किया है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद बदुगुला लिंगैया यादव, तेलंगाना राज्य सहकारी तिलहन उत्पादक महासंघ के अध्यक्ष के रामकृष्ण रेड्डी, तेलंगाना गोदाम निगम के अध्यक्ष सैचंद, जिला परिषद के अध्यक्ष एलिमिनेटी संदीप रेड्डी और थुंगाथुर्थी के विधायक गदरी किशोर उपस्थित थे।

बीआरएस नेता ने दिए पार्टी छोड़ने के संकेत

खम्मम, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता और खम्मम के पूर्व सांसद पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि वह आगामी आम चुनाव में मैदान में उतरेंगे और खम्मम लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेंगे। इन अटकलों के बाद कि वह आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी का टिकट नहीं मिलने पर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) छोड़ने के लिए जमीन तैयार कर रहे हैं, उनका बयान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रविवार को खम्मम शहर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि वह आगामी चुनाव में एक राजनीतिक युद्ध का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार थे, अप्रत्यक्ष रूप से उनके प्रति पार्टी के उपेक्षित व्यवहार पर असंतोष व्यक्त करते हुए संकेत दे रहे थे।

श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि खम्मम के लोग राजनीति में मेरी सक्रिय भूमिका चाहते हैं। वे पार्टी में पिछले चार वर्षों के दौरान मेरे द्वारा किए गए अपमान पर विलाप करते हैं। जब तक लोगों का समर्थन जारी रहेगा, मैं राजनीति में रहूंगा और उनके कल्याण के लिए काम करूंगा।

आरएंडआर पैकेज विस्थापितों को कोई नुकसान नहीं होने देगा : विधायक

नलगोंडा, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। देवराकोंडा के विधायक रामवत रवींद्र कुमार ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार सिंचाई परियोजनाओं से विस्थापित किसानों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाने के लिए उत्सुक है। डिंडी लिफ्ट सिंचाई योजना के वीरा बोइनपल्ली नहर के 32 विस्थापित किसानों को मुआवजा चेक वितरित करने के बाद बोलते हुए, रवींद्र कुमार ने कहा कि राज्य सरकार सिंचाई परियोजनाओं के विस्थापितों को सर्वश्रेष्ठ राहत और पुनर्वास (आर एंड आर) पैकेज दे रही है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने आरएंडआर पैकेज तैयार किया था, जिसमें विस्थापित किसानों को किसी तरह का नुकसान या अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

यह कहते हुए कि बीआरएस सरकार ने राज्य में प्रत्येक एकड़ भूमि पर सिंचाई सुविधा का विस्तार करने के लक्ष्य के साथ सिंचाई परियोजनाएं शुरू की हैं, उन्होंने कहा कि देवरकोंडा विधानसभा क्षेत्र नकलगंदी और डिंडी लिफ्ट सिंचाई योजनाओं के पूरा होने के बा राज्य में सबसे अधिक जलाशयों और लिफ्ट सिंचाई योजनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभरेगा।

सिख श्रद्धालुओं ने धार्मिक उत्साह के साथ मनाया प्रकाश पर्व

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरबाणी शबद कीर्तन के पाठ, उपदेश देने और गुरु-का-लंगर के साथ रविवार को यहां श्री गुरु गोबिंद सिंहजी के 356वें प्रकाश पर्व के रूप में मनाया गया। बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालुओं और अन्य सामुदायिक आस्थाओं ने प्रकाश पर्व को धार्मिक उत्साह, उल्लास और भक्ति के साथ मनाया और श्री गुरु ग्रंथ साहेबजी की पूजा-अर्चना की। आज समापन समारोह का प्रमुख आकर्षण गुरुद्वारा साहेब सिकंदराबाद की प्रबंधक समिति के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जहां क्लासिक गार्डन, बालमराय में विशाल दीवान में 15,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एस. बलदेव सिंह बग्गा, महासचिव एस जगमोहन सिंह और संयुक्त सचिव एस हरप्रीत सिंह गुलाटी ने कहा कि प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित रागी जत्थ भाई कमलजीत सिंह (हरमंदिर साहिब) द्वारा गुरुवाणी कीर्तन और कथा का पाठ किया गया। दिल्ली के भाई जगजीत सिंह बबिहा, भाई जगदेव सिंह और भाई चरणजीत सिंह और देश के विभिन्न हिस्सों से विशेष रूप से आमंत्रित अन्य लोगों ने शबद कीर्तन का पाठ किया। मण्डली की समाप्ति के बाद, सभी भक्तों को पारंपरिक गुरु-का-लंगर परोसा गया।

कामारेड्डी जिले में विरोध तेज करेंगे किसान

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले के सात गांवों के किसानों ने रविवार को एक औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने के लिए उनकी जमीनों के अधिग्रहण के प्रस्ताव का विरोध करने के लिए एक कार्य योजना की घोषणा की। किसानों की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने कामारेड्डी शहर के मास्टर प्लान के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखने का फैसला किया। पिछले 3-4 दिनों के दौरान जिला कलेक्टर कार्यालय पर धरना और अन्य प्रकार के आंदोलन के बाद, किसानों ने अब अपना विरोध तेज करने का फैसला किया है। वे 9 जनवरी को 49 नगर पार्षदों को उनकी पार्टी संबद्धता के बावजूद प्रतिनिधित्व प्रस्तुत करेंगे। किसान 10 जनवरी को अवकाश के बाद 11 जनवरी को नगर पालिका के सामने धरना देंगे। किसान प्रस्तावित मास्टर प्लान के खिलाफ धरना, रास्ता रोको और बंद का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने मास्टर प्लान को चुनौती देते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय में एक याचिका भी दायर की। उन्होंने एक औद्योगिक क्षेत्र के लिए एडलूर, येलारेड्डी, एलचीपुर, टेकरियाल और अन्य गांवों में उपजाऊ कृषि क्षेत्रों को चिन्हित करने के लिए अधिकारियों की गलती पाई। किसानों ने कहा कि ड्राफ्ट मास्टर प्लान के तहत 1,210 एकड़ कृषि भूमि को ग्रीन जोन और औद्योगिक क्षेत्र के तहत लाया गया है और आशंका जताई है कि सरकार उनकी जमीन पर कब्जा कर लेगी। नगरपालिका अधिकारियों ने मास्टर प्लान के मसौदे पर आपत्तियां प्राप्त करने के लिए 11 जनवरी की समय सीमा निर्धारित की है। किसानों ने दावा किया कि वे पहले ही औद्योगिक क्षेत्र पर आपत्ति जताने के लिए 500 से अधिक कानूनी नोटिस भेज चुके हैं। यह आरोप लगाते हुए कि अधिकारियों ने उनकी आपत्तियों की अवहेलना की, उन्होंने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। मास्टर प्लान के खिलाफ पिछले एक महीने से किसान आंदोलन कर रहे हैं, प्रस्तावित ग्रीन जोन और औद्योगिक क्षेत्र से अपनी कृषि भूमि को बाहर करने की मांग कर रहे हैं

उन्होंने पिछले हफ्ते एक किसान पय्यावुला रामुलु (40) के इस डर से आत्महत्या करने के बाद विरोध तेज कर दिया कि वह अपनी जमीन खो देगा। पुलिस ने कुछ किसानों और रामुलु के रिश्तेदारों द्वारा कामारेड्डी में शव के साथ विरोध प्रदर्शन करने के प्रयास को विफल कर दिया।

विपक्षी भाजपा और कांग्रेस किसानों का समर्थन कर रही है। शुक्रवार को जिला कलेक्टर कार्यालय पर किसानों के धरने में भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय भी शामिल हुए थे।

गुरुकुल स्कूल के छात्रों ने चौकीदार के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

राजन्ना-सिरिसिल्ला, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। येल्लारेड्डीपेट मंडल के डुमाला के एकलव्य गुरुकुल स्कूल के छात्रों ने रविवार की सुबह स्कूल के चौकीदार पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए स्कूल के सामने धरना दिया। छात्रों ने सुबह 4 बजे से 6 बजे तक दो घंटे सिरसिला-कामारेड्डी मुख्य मार्ग पर धरना देकर अपना विरोध दर्ज कराया। उन्होंने प्राचार्य के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। छात्राओं ने बताया कि अटेंडेंट-कम-वॉचमैन रामास्वामी, जो रात के समय स्कूल में रहता है, शराब पीने के बाद लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार कर रहा था। हालांकि उन्होंने इस मुद्दे को प्रिंसिपल ज्योतिलक्ष्मी के संज्ञान में लाया, लेकिन वह अटेंडर के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहीं।

इंडस्ट्री में अग्नि दुर्घटना, तीन मजदूरों की मौत

संगारेड्डी, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिन्नाराममंडल के गड्डापोथरम औद्योगिक क्षेत्र में माइलोन इंडस्ट्रीज में रविवार को लगी औद्योगिक आग में तीन श्रमिकों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि एक कंटेनर में डालने के दौरान हिम विस्फोटक रसायन लीक हो गया था, जिससे अचानक आग लग गई। गंभीर रूप से झुलसे तीन मजदूरों की कुछ घंटे बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। वे पश्चिम बंगाल के परितोष मेहता (40), बिहार के रंजीत कुमार (27) और आंध्र प्रदेश के लोकेश्वर राव (29) थे। आईडीए बोलाराम इंस्पेक्टर सुरेंद्र रेड्डी ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

कुक्कटपल्ली में इमारत ढहने के मामले में मालिक को कारण बताओ नोटिस

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को कुक्कटपल्ली में इमारत गिरने से हुई दो श्रमिकों की मौत के बाद ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने भवन मालिक, पटलोरी पद्मजा को स्वीकृत परमिट योजना का उल्लंघन करने और अनधिकृत रूप से तीसरी मंजिल का स्लैब और चौथी मंजिल पर कॉलम कार्य करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अनाधिकृत तीसरी और चौथी मंजिल के निर्माण के लिए जीएचएमसी एक्ट और तेलंगाना स्टेट बिल्डिंग परमिशन अप्रूवल एंड सेल्फ सर्टिफिकेशन सिस्टम (टीएस-बीपास) एक्ट के तहत नोटिस जारी किया गया था जबकि बिल्डिंग की अनुमति केवल दो मंजिलों के लिए थी। भाजपा कार्यालय रोड, कुक्कटपल्ली के पास स्थित भूखंड के मालिक ने मार्च 2021 में स्टिल्ट प्लस दो ऊपरी मंजिलों के निर्माण के लिए भवन निर्माण की अनुमति प्राप्त की थी, लेकिन अनाधिकृत रूप से तीसरी और चौथी मंजिल के स्लैब का निर्माण शुरू कर दिया। चौथी मंजिल के लिए रेडी-मिक्स कंक्रीट से आरसीसी स्लैब की ढलाई के दौरान आज तीसरी मंजिल का स्लैब भी नीचे गिर गया और दो मजदूर मलबे में फंस गए। जीएचएमसी के आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ) और अग्निशमन विभाग की मदद से शवों को निकालने के लिए मलबा हटाया गया। जीएचएमसी ने कहा कि अनधिकृत अतिरिक्त मंजिलों का पता लगाया गया था और 3 जनवरी को ही एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिसमें निर्देश दिया गया था कि आगे के निर्माण को रोक दिया जाए। हालांकि, मालिक ने नोटिस को नजरअंदाज कर दिया और 7 जनवरी को चौथा स्लैब डालने के लिए आगे बढ़ गया। कंक्रीट बिछाने के दौरान सुरक्षा उपायों का पालन करने में लापरवाही के कारण स्लैब गिर गया। जीएचएमसी निर्माण कार्य के दौरान लापरवाही के लिए भवन के मालिक/साइट इंजीनियर के खिलाफ एक आपराधिक मामला दर्ज करने का प्रस्ताव कर रहा है।

सड़क दुर्घटना में तीन की मौत, तीन घायल

नलगोंडा, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कटनगुर मंडल के एरासानिगुडेम में रविवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 65 पर सड़क के डिवाइडर से टकराकर एक कार के पलट जाने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन घायल हो गए। सुबह 4.45 बजे हुई दुर्घटना में खम्मम के मोहम्मद इद्दाद (21), एसके समीर (21) और एसके यासीन (18) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि तेज गति के कारण चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया जिसके कारण यह सड़क दुर्घटना हुई। घटना के वक्त इनोवा में नौ लोग सवार थे। वे हैदराबाद में एक शादी समारोह में भाग लेने के बाद अपने मूल स्थान लौट रहे थे। घायल व्यक्तियों को नरकटपल्ली के कामिनेनी आयुर्विज्ञान संस्थान (केआईएमएस)में स्थानांतरित कर दिया गया, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए नाकरेकल के सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जद (एस) के लिए प्रचार करेगी बीआरएस : मंत्री

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की जनजातीय कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव कर्नाटक विधानसभा चुनाव में राज्य का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर की भागीदारी के अलावा, मंत्रियों सहित पूरे बीआरएस नेता आने वाले दिनों में बड़े पैमाने पर कर्नाटक राज्य का दौरा करेंगे और एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाले जद (एस) के समर्थन में वोट मांगेंगे। जद (एस) के गुलबर्गा जिला अध्यक्ष बलराज शिव गुतेधर द्वारा रविवार को कर्नाटक के कलाबुरिगी में आयोजित एक बैठक में बोलते हुए मंत्री ने कहा, "हमारा उद्देश्य कर्नाटक में जद (एस) पार्टी को सत्ता में लाना है और जेडी कुमारस्वामी को प्रमुख बनाना है।"उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य दोनों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन सरकारें कर्नाटक के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रही हैं और लोग आगामी विधानसभा में भगवा पार्टी को एक उचित सबक सिखाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सत्यवती राठौड़ ने कहा, "जहां तेलंगाना सरकार वृद्ध लोगों और अकेली महिलाओं को मासिक पेंशन के रूप में 2016 रुपये दे रही है, वहीं कर्नाटक में भाजपा सरकार सिर्फ 600 रुपये प्रति माह दे रही है।" बाद में, उन्होंने कलबुर्गी क्षेत्र के कुछ आंगनवाड़ी केंद्रों का दौरा किया और उनकी कार्यशैली का निरीक्षण किया।

मंचेरियल के स्टाम्प और पंजीकरण विभाग भगवान भरोसे!

अस्थायी प्रभारियों द्वारा किया जा रहा है संचालन

मंचेरियल, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्टाम्प और पंजीकरण विभाग की मंचेरियल इकाई के प्रशासन को स्पष्ट रूप से हवा में छोड़ दिया गया है। पिछले तीन वर्षों से नियमित सब-रजिस्ट्रार की तुलना में अधिक अस्थायी प्रभारियों द्वारा इसका संचालन किया जा रहा है।

मंचेरियल सब-रजिस्ट्रार कार्यालय तेलंगाना की प्रमुख इकाइयों में से एक है। यह लगभग 15,000 पंजीकरण दर्ज करता है, जिससे सरकार को प्रति वर्ष 40 करोड़ रुपये की आय प्राप्त होती है। लेकिन, जुलाई 2019 में तत्कालीन सब-रजिस्ट्रार रामबाबू की सेवानिवृत्ति के बाद यूनिट का प्रशासन प्रभावित हुआ है।

निचले स्तर के अधिकारियों को प्रभारी सब-रजिस्ट्रार के रूप में पदस्थापित करने और उच्च अधिकारियों द्वारा पर्यवेक्षण की कमी से सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, लोग शिकायत कर रहे हैं। मंचेरियल में 2019 से 2022 तक छह प्रभारी और तीन नियमित उप-रजिस्ट्रार काम कर चुके हैं। कथित तौर पर भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करने वाले वरिष्ठ सहायकों और अधिकारियों को मनचेरियल इकाई के प्रभारी उप-रजिस्ट्रार के रूप में तैनात किया गया था। इस बीच, नियमित एसआरओ को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, स्वास्थ्य और व्यक्तिगत आकस्मिकताओं सहित विभिन्न कारणों से छुट्टी लेने के लिए कहा जाता है।

नियमित उप-पंजीयक जिम्मेदार महसूस करते हैं और नौकरी के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हैं, लेकिन प्रभारी उप-रजिस्ट्रार पंजीकरण में शामिल विभिन्न चुनौतियों से निपटने से परिचित नहीं हो सकते हैं और उनकी अपनी सीमाएँ हैं। नतीजतन, प्रशासन प्रभावित होता है और इसी तरह सेवा की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। महत्वपूर्ण रूप से, यह जनता है जो इस समस्या का खामियाजा भुगतती है।

अधिकारियों द्वारा वार्षिक ऑडिटिंग और निरीक्षण को छोड़कर, यूनिट के लेनदेन और कामकाज की कथित तौर पर काफी लंबे समय से निगरानी नहीं की जा रही है।

एक आवेदक ने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी कार्यालय में कर्तव्यों का प्रतिपादन करने में समय का पालन नहीं कर रहे हैं। वे 11 बजे तक आ रहे हैं, जिससे आवेदकों को एक घंटे इंतजार करना पड़ रहा है।

वे दस्तावेज तैयार करने में अपात्र दस्तावेज लेखकों का मनोरंजन भी कर रहे हैं, लेकिन, लेखक खरीदारों और विक्रेताओं के लिए पेचीदगियां पैदा करने में त्रुटि करते हैं। पूछने पर प्रभारी उप निबंधक मुरली वर्मा ने कहा कि जनता को बेहतर गुणवत्ता वाली सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियमित सब-रजिस्ट्रार ग्रुप-1 सेवा की तैयारी के लिए लंबी छुट्टी पर हैं।

भाजपा बौद्धिक रूप से दिवालिया हो गई : दासोजू श्रवण

हैदराबाद, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना के प्रमुख बंडी संजय द्वारा किसानों की मौत को लेकर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव सरकार पर निशाना साधने के एक दिन बाद, बीआरएस नेता दासोजू श्रवण ने कहा कि बीजेपी बौद्धिक रूप से दिवालिया हो गई है और विकास को देखने में असमर्थ है। भाजपा पार्टी के नेताओं की आलोचना करते हुए, श्रवण ने कहा कि पार्टी झूठ का प्रचार करने के लिए तेलंगाना में राजनीतिक दुर्दशा का आनंद ले रही है।

बीजेपी नेता आधारहीन आरोप लगाने, झूठ का प्रचार करने और तेलंगाना में राजनीतिक दुर्दशा का आनंद लेने के लिए जाने जाते हैं। डेटा बोलता है कि पिछले 9 वर्षों में तेलंगाना में क्या किया गया है। फार्मा, आईटी, गैर-आईटी और अन्य कंपनियों सहित विभिन्न उद्योगों के माध्यम से लगभग 3.3 लाख करोड़ रुपये का निवेश तेलंगाना में आया है। तेलंगाना और देश भर के युवाओं के लिए 23 लाख की नौकरी का अवसर प्रदान किया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चंद्रबाबू से जनसेना प्रमुख ने की मुलाकात

तेदेपा व जनसेना के बीच गठबंधन पर की गई बात

अमरावती, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जनसेना प्रमुख पवन कल्याण ने तेलुगू देशम पार्टी के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू से रविवार को मुलाकात की और आंध्र प्रदेश में दोनों पार्टियों के बीच संभावित गठबंधन की बात आगे बढ़ाई। पवन कल्याण ने वाईएस जगन मोहन रेड्डी को हराने के लिए 2024 के चुनावों में एपी में विपक्ष के वोटों को विभाजित नहीं करने की कसम खाई।

दोनों सप्ताहांत के लिए हैदराबाद में डेरा डाले हुए थे। कल्याण बैठक के लिए नायडू के जुबली हिल्स निवास पर गए। कई वर्षों के बाद दोनों के बीच पहली औपचारिक बातचीत हुई। जन सेना वर्तमान में राज्य में भाजपा के साथ गठबंधन में है, जबकि कभी तेदेपा त्रिपक्षीय संयोजन की प्रमुख भागीदार थी। 2018 के बाद से, टीडीपी अकेले नौकायन कर रही है, अन्य दो के साथ संबंध तोड़ दिया है। बीजेपी स्पष्ट रूप से टीडीपी के साथ गठबंधन करने के लिए अनिच्छुक है, क्योंकि जन सेना पूर्व सत्ताधारी पार्टी के करीब जा रही है। इस पृष्ठभूमि में, नायडू और कल्याण के बीच बैठक महत्व रखती है। पिछले साल अक्टूबर में, राज्य सरकार द्वारा विशाखापत्तनम में कल्याण के कार्यक्रमों को रोके जाने के बाद एकजुटता दिखाने के लिए टीडीपी अध्यक्ष ने विजयवाड़ा में कल्याण से मुलाकात की थी। जगन मोहन रेड्डी शासन ने 2 जनवरी को एक नया सरकारी आदेश (जीओ) निकाला, जिसमें राज्य भर में सड़कों पर रैलियों और सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया, जो स्पष्ट रूप से विपक्षी दलों को निशाना बना रहा है और 4 जनवरी से कुप्पम की अपनी यात्रा के दौरान नायडू स्वयं प्रतिबंधों का पहला निशाना बने। कहा जाता है कि दोनों नेताओं ने जीओ के नतीजों पर चर्चा की है।

विपक्ष को लोगों से मिलने से रोक रही वाईएसआरसी सरकार : पवन कल्याण

अमरावती, 8 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म स्टार और जन सेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण ने रविवार को आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार पर विपक्षी दलों को लोगों से मिलने से रोकने का आरोप लगाया। हैदराबाद में पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडूके आवास पर मुलाकात के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार लोगों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित कर रही है और ब्रिटिश राज के कानूनों का आह्वान कर रही है। केवल विपक्ष को लोगों से मिलने से रोकने के लिए उन्होंने जीओ नंबर 1 जारी किया है। उनके दो नियम हैं। उन्होंने प्लास्टिक फ्लेक्सी पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की लेकिन जगन के जन्मदिन समारोह के दौरान हर जगह प्लास्टिक फ्लेक्सी पाए गए। वाईसीपी जानती है कि आने वाले चुनावों में उसकी हार होगी और इसलिए विपक्षी दलों को मुद्दों को उठाकर, साजिश रचकर और झूठे मामले लादकर परेशान कर रही है। इसलिए मैं कहता हूं कि विपक्ष का वोट बंटना नहीं चाहिए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.